STUDENT SUPPORT MATERIAL

Class XII

HISTORY

Session 2016-17

Kendriya Vidyalaya Sangathan
New Delhi

संतोष कुमार मल्ल, भा.प्र.से.
आयुक्त
Santosh Kumar Mall, I.A.S.
Commissioner

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
18, संस्थागत क्षेत्र, शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली–110016
दूरभाष : 91–11–26512579, फैक्स : 91–11–26852680
18, Institutional Area, Shaheed Jeet Singh Marg, New Delhi-110016 (India)
Tel. : 91-11-26512579, Fax : 91-11-26852680
E-mail : commissioner@kvsedu.org, Website : www.kvsangathan.nic.in

प्रिय विद्यार्थियों के लिए दो शब्द

केंद्रीय विद्यालयों के कक्षा 12वीं में बोर्ड की परीक्षा में उपस्थित होने वाले विद्यार्थियों के लिए सहायक सामग्री प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है।

इस सहायक सामग्री का निर्माण परीक्षाओं से संबंधित आपकी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है। मुख्य परीक्षाओं की तैयारी करने में जब आपको पाठ्य–सामग्री के अभ्यास दोहराने की इच्छा हो, निर्धारित समयावधि में प्रश्न–पत्रों को हल कर अपनी क्षमता की जांच करनी हो, अध्ययन के दौरान यदि किसी प्रश्न का उत्तर तुरंत पता लगाना हो जिसे पाठ्यपुस्तक में ढूँढ़ने में अधिक समय का अपव्यय होता है, किसी अध्याय/संकल्पना को आप शीघ्र दोहराना चाहते हों, पिछले वर्ष के केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परीक्षा के प्रश्न–पत्रों का अभ्यास करना हो, या किसी अध्याय/यूनिट के विषय में परीक्षा हेतु अपने ज्ञान की जांच करनी हो, यह सामग्री अनेक प्रकार से आपके लिए सहायक सिद्ध होगी।

इस सामग्री को अपने–अपने विषयों में विशेषज्ञ, अनुभवी तथा समर्पित शिक्षकों की टीम द्वारा गहन विचार विमर्श के बाद तैयार किया गया है। इसे तैयार करते समय यह भी ध्यान रखा गया है कि इसमें न केवल संगत सभी मदें शामिल की जाएं अपितु निर्धारित पाठ्य–पुस्तक के अनुसार कुछ अतिरिक्त मदें भी शामिल हों। फिर भी मेरा सुझाव है कि आप इस सामग्री को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीआरटी) की पाठ्यपुस्तकों के विकल्प के रूप में न ले इसका उपयोग **पूरक–सामग्री** के रूप में ही करें।

विद्यार्थियों के लिए तैयार की गई इस सहायक सामग्री में वे सभी महत्वपूर्ण पहलू उपलब्ध हैं जिनकी विद्यार्थियों को प्रायः आवश्यकता होता है, जैसेः– प्रश्न–पत्र का प्रारूप, पाठ्यविवरण की इकाईयों एवं अध्यायों के प्रमुख–बिन्दु, मानचित्र तथा तालिकाओं के रूप में महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ, सभी अध्यायों से सैंपल टैस्ट मदें, अभ्यास हेतु बोर्ड की पिछली परीक्षाओं के प्रश्न–पत्र तथा अन्य प्रश्न–पत्र इत्यादि।

मुझे आशा है कि इस ''सहायक सामग्री'' का प्रयोग विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा भरपूर रूप से किया जाएगा। मुझे यह भी विश्वास है कि बोर्ड की परीक्षाओं में भी यह आपके लिए महत्त्वपूर्ण एवं लाभदायी सिद्ध होगी।

शुभकामनाओं सहित!

संतोष 28/10

(संतोष कुमार मल्ल)
आयुक्त

प्राक्कथन

यह विद्यार्थियों के लिए तैयार 'सहायक सामग्री' हमारे विभिन्न विषयों के शिक्षकों द्वारा विषय–विशेषज्ञों के पर्यवेक्षण में इन–हाउस रूप में तैयार की गई है ताकि विद्यार्थियों को इससे सघन, संक्षिप्त और समेकित रूप में अध्ययन सामग्री उपलब्ध हो सके जो उनके अधिगम में सहायक हो। इसमें पाठों के संक्षिप्त रूप, अध्याय के विषय में एक स्पष्ट विचारधारा, विभिन्न संकल्पनाओं को तालिकाबद्ध रूप में प्रदर्शित करना, जहां संभव हो वहाँ पर अध्यायों को चित्र रूप में प्रस्तुत करना, वर्ग–पहेलियाँ, सीबीएसई की पिछली परीक्षाओं के प्रश्न–पत्र और उनके उत्तर इत्यादि इस सहायक सामग्री में शामिल किए गए हैं।

इस सामग्री का निर्माण सीबीएसई के नवीनतम पाठ्यक्रम एवं प्रश्न–पत्रों के डिज़ाइन को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसके द्वारा विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारियां संक्षिप्त रूप में उपलब्ध करवाई गई हैं। साथ ही इसमें वे सभी आवश्यक एवं महत्वपूर्ण बिन्दु भी शामिल किए गए हैं जो संबंधित विषय को भली प्रकार से दोहराने के लिए आवश्यक हैं।

इस पाठ्य सामग्री की विषय–वस्तु, डिज़ाइन, मानक और विषय सामग्री के प्रस्तुतीकरण में एकरूपता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अंतिम रूप केविसं(मु०) स्तर पर दिया गया है।

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि इस सामग्री से विद्यार्थी पाठों को शीघ्रता से हृदयंगम कर सकेंगे। यह सामग्री विद्यार्थियों को अधिक बेहतर प्रदर्शन करने और आत्मविश्वास को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से तैयार की गई है। अतएव आशा है कि यह समायक सामग्री विद्यार्थियों के लिए सुनियोजित कठिन परिश्रम, बेहतर समय प्रबंधन तथा निष्ठापूर्वक अध्ययन द्वारा सफलता के उच्च शिखर तक पहुँचने में सहायक सिद्ध होगी।

शुभकामनाओं सहित!

(यू० एन० खवाड़े)
अपर आयुक्त (शैक्षिक)

STUDENT SUPPORT MATERIAL

ADVISORS

- Shri Santosh Kumar Mall, IAS, Commissioner, KVS (HQ) New Delhi
- Shri. U.N. Khaware, Addl. Commissioner (Academics), KVS (HQ)

CO-ORDINATION TEAM AT KVS (HQ)

- Dr. V. Vijayalakshmi, Joint Commissioner (Acad), KVS (HQ)
- Mr. P.V. Sai Ranga Rao, Deputy Commissioner (Acad), KVS (HQ)
- Ms. Aprajita, AEO (Acad), KVS (HQ)

CONTENT TEAM

- Mr. Y. Arun Kumar, Deputy Commissioner, Agra Region
- Dr. Mahesh Chandra, PGT History, KV No. 1, AFS, Agra
- Ms. Alka Goyal, PGT History, KV Mathura Cantt
- Mr. Shankar Lal Meena, PGT History, KV No. 1, Kota
- Mrs. Niranjana Saxena, PGT History, KV No. 1, Gwalior
- Mr. Arimardan Kumar Mishra, PGT History, KV No. 2, Gwalior

REVIEW TEAM

- Mr. Jitender Singh, PGT (History), KV Sec-22 Rohini
- Mr. H.K. Tiwari, PGT (History), KV Janakpuri

Typing Type-setting & Designing

M/s Vijaylakshmi Printing Works Pvt. Ltd.

B-117, Sector-5, Noida-201301, Ph.: 0120-2421977, 2422312

E-mail: vpwpl.1972@gmail.com

fo"k;&lwph

Ø-l-		fo"k;
i`t l-		

1. ईटें, मनके तथा अस्थियाँ 2–8
2. राजा, किसान और नगर 9–15
3. बंधुत्व, जाति तथा वर्ग 16–20
4. विचारक, विश्वास और इमारतें 21–24
5. यात्रियों के नजरिए 25–30
6. भक्ति एवं सूफी परम्पराएं 31–37
7. एक साम्राज्य की राजधानी– विजयनगर 38–41
8. किसान, जमींदार और राज्य 42–45
9. शासक और इतिवृत्त– मुगल दरबार 46–48
10. उपनिवेशवाद और देहात 49–51
11. विद्रोही और राज 52–54
12. औपनिवेशिक शहर 55–58
13. महात्मा गाँधी और राष्ट्रीय आंदोलन 59–62
14. विभाजन को समझना 63–64
15. संविधान का निर्माण 65–67

fo"k; & 1

bZaV] eudk rFkk vfLFk;k¡

gM+Iik lH;rk

egRoi.kZ fcUnq

- हड़प्पा सभ्यता का काल

  पूर्व हड़प्पा 2600 ई० पू० से पहले

  परिपक्व हड़प्पा 2600 ई० पू० से 1900 ई० पू० तक

  उत्तर हड़प्पा 1900 ई० पू० के बाद 1500ई० पू० तक।

- हड़प्पा सभ्यता का विस्तार

  उत्तरी छोर–माँडा, दक्षिणी छोर–दैमाबाद,

  पूर्वी छोर–आलमगीरपुर, पश्चिमी छोर–सुत्कागेदडोर ।

- हड़प्पा सभ्यता की विशेषताएँ :–

  (i) नियोजित शहरी केन्द्र – अनूठी विशेषता ।

  (ii) मोहनजोदाड़ो सबसे प्रसिद्ध पुरा स्थल

  दो भागों में विभाजित :–

  (क) दुर्ग – ऊंचाई पर बनाया गया

  (ख) नीचे बनाया गया– निचला नगर

  (iii) नालियों का निर्माण।

  (iv) गृह स्थापत्य :–

  (क) अन्नागार

  (ख) स्नानघर

  (ग) ईमारत निर्माण में ईंटो का प्रयोग

  (घ) दुमंजिला मकान

vU; fo'k"krk,¡ %&

(v) मुहरें एवं मुद्राकन का प्रयोग लंबी दुरी के संपर्कों को सुविधाजनक बनाने के लिए

(vi) बाट जो की चार्ट नामक पत्थर से बनाए जाते थे और आमतौर पर ये किसी भी तरह के निशान से रहित घनाकार होते थे।

(viii) शवाधान – आमतौर पर मृतकों को कब्रों में दफनाया जाता था। कुछ कब्रों में मृद– भांड तथा आभूषण मिले हैं संभवत ऐसी मान्यता की ओर संकेत करते हैं कि इन वस्तुओं का मृत्यु के उपरांत प्रयोग किया जाता होगा।

(viii) लिपिबद्ध लिखावट, मुहरें, तांबे के औजार, मर्तबानों के अन्वठ, तांबे तथा मिट्टी की लघुपट्टिकाएं, आभूषण, अस्थि, छड़े आदि प्राप्त हुई है।

- कुछ पुरातत्विदों को यह मानना था कि हड़प्पाई समाज का कोई शासक नही था, जबकि दूसरे पुरातत्वाबिदों का यह मानना था कि वहाँ कोई एक शासक के बजाय कई शासक होते थे।
- सड़कों तथा गलियों को लगभग एक 'ग्रिड' पद्धिति में बनाया गया तथा और ये एक दूसरे को समकोण पर काटती थी।
- शिल्प कार्यों में मनके बनाना, शंख की कटाई, धातुकर्म, मुहर निर्माण तथा बाट बनाना सम्मिलित थे।

vfr y?kq mÙkjh; ç'u ¼2 vad½

प्रश्न.1 हम लोग अन्य सभ्यताओं के मुकाबले हड़प्पा सभ्यता के बारे में कम क्यों जानते है ?

उत्तरः– क्योंकि सभ्यता की लिपि को अभी तक समझा नहीं जा सका है।

- केवल पुरातात्विक साक्ष्यों पर निर्भर है।
- अन्य सभ्यताओ जैसे मेसोपोटामिया सभ्यता की लिपि को समझ लिया गया है

प्रश्न.2 हड़प्पा सभ्यता में शिल्प उत्पादन में किन किन वस्तुओं की आवश्यकता थी और शिल्प उत्पादन की क्या नीतियां थी ?

उत्तरः– पत्थर– जैसे– कार्निलियन, जैस्फर, स्फटिक, क्वार्टज, सेलखडी

- धातुएं – जैसे तांबा, कांस्य, सोना, शंख, फयांस, (रेतीली तैयार मिटटी) पकी मिटटी।

नीतियाँ :–

- कच्चे माल के प्राप्ति स्थल के समीप औधोगिक बस्ती का निर्माण।
  उदाहरण– नागेश्वर, बालकोट
- दूसरी जगह से अभियान भेजकर आयात किया जाना।
  उदहारण– खेतड़ी राजस्थान से तांबा तथा दक्षिण भारत से सोना ।

प्रश्न.3 कनिंघम का भ्रम क्या था ?

- उनका विश्वास था कि भारतीय सभ्यता की शुरुआत गंगा घाटी में शहरीकरण के साथ हुई ।
- ऐसी धारणा इसलिए थी क्योंकि उनकी जानकारी का स्रोत चौथी और सातवी शताब्दी में भारत आये चीनी बौद्ध यात्रियों का यात्रा बृतांत था ।

प्रश्न.4 मार्शल एवम व्हीलर की उत्खनन तकनीक में क्या अंतर था ?

उत्तरः– मार्शल पुरास्थल के स्तर विन्यास की पूरी तरह अनदेखी कर पूरे पूरे टीले का क्षैतिज उत्खनन करवाते थे। उस प्रणाली का दोष था कि अलग अलग स्तर से प्राप्त वस्तुओं को सामूहिक रूप से वर्गीकृत कर दिया जाता था। फलतः सदर्भ के विषय में बहुमूल्य जानकारी नहीं मिलती थी ।

- व्हीलर के स्तर विन्यास के अनुसार खुदाई ।

प्रश्न.5 प्राक हड़प्पा सभ्यता की विशेषताएं बताए ?

उत्तरः– • प्रायः बड़े बड़े भवनों का अभाव

• पशु चारण एवम कृषि प्रधान समाज

• नियोजित शहरीकरण का अभाव

प्रश्न.6 हड़प्पा वासी कार्निलीयन का लाल रंग कैसे प्राप्त करते थे ?

उत्तरः– कार्निलीयन का लाल रंग पीले रंग के कच्चे माल तथा उत्पादन के विभिन्न चरणों में मनकों को आग में पका कर प्राप्त किया जाता है ।

प्रश्न.7 हड़प्पा कालीन सामाजिक विभिन्नता के बारे हम कैसे जानते है ?

उत्तरः– • कब्रगाहों की सरंचना का अध्ययन करना ।

• कब्रगाहों में शव के साथ दफनाई विभिन्न वस्तुओं के आधार पर ।

• प्राप्त विभिन्न शिल्पाकृतियों का विभाजन – रोजमर्रा की वस्तुएं एवम विलासिता की वस्तुओं के आधार पर ।

प्रश्न.8 आप कैसे कह सकते है कि हड़प्पा सभ्यता के लोग अपनी निजता के प्रति जागरूक थे ?

उत्तरः– • आवासीय मकानों की विशिष्ट संरचना के आधार पर कह सकते है ।

• बाहर का दरवाजा इस तरह से बनवाया जाता था कि अन्दर की झलक बाहर से न दिखे।

• खिडकियां ऊँची जगह होती थी।

प्रश्न.9 हड़प्पा कालीन कब्रगाह से प्राप्त किन्ही चार वस्तुओं के नाम लिखे ?

उत्तरः– • आभूषण

• शंख की अंगूठी

• मनके – जैस्पर का

• तांबे का दर्पण

प्रश्न.10 हड़प्पावासी लोगों के भोजन / खाद्य पदार्थों के नाम लिखे ?

उत्तरः– • पौधों / पेड़ों से उत्पाद

• मछली / मांस

• गेंहू, चावल, दाल, तथा मोटा अनाज

प्रश्न.11 हड़प्पा सभ्यता में प्रमुख पशु कौन–कौन थे ?

उत्तरः– • पालतू जानवर :– मवेशी, भेड, बकरा, भैंस सूअर ।

• जंगली जानवर :– हिरन, घड़ियाल, जंगली सूअर इत्यादि ।

प्रश्न.12 प्राक हड़प्पा सभ्यता एवम हड़प्पा सभ्यता में क्रम भंग का प्रमाण क्या है ?

उत्तरः–
- कई जगहों पर व्यापक रूप से जलाये जाने के प्रमाण।
- कुछ स्थलों के त्याग दिए जाने के संकेत।

y?k mÙkjh; ç'u ¼4 vad½

प्रश्न.13 हड़प्पा कालीन लिपि को रहस्यात्मक क्यों कहते है ?

या

सैन्धव सभ्यता की लिपि की क्या विशेषता है ?

या

सैन्धव सभ्यता की लिपि पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ?

उत्तरः–
- रहस्यात्मक लिपि क्योंकि अभी तक समझा नहीं जा सका है ।
- वर्णमाला लिपि न होकर चिन्हों वाली लिपि है। प्रत्येक चिन्ह का कोई न कोई वस्तु विशेष/विचार विशेष से संकेत है।
- इसमें 375 से 400 के बीच के संकेत है ।
- यह लिपि दाईं से बाईं ओर लिखी जाती है ।
- लिपि विभिन्न वस्तुओं जैसे मुहरे मुर्तिया हड्डियों की शिल्पाकृतियों इत्यादि पर उत्कीर्ण है ।

प्रश्न.14 हड़प्पा सभ्यता की कृषि प्रौद्योगिकी पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ?

उत्तरः–
- कृषि की प्रधानता – प्रमाण – अनाजों के दानों की प्राप्ति, अन्नागार का पाया जाना, जुते हुए खेत का प्रमाण कालीबंगा।
- मुहरें, मिट्टी मूर्तियां, संकेतक कि बृषभ का प्रयोग खेती में।
- लकड़ी के हल का प्रयोग।
- सिंचाई साधन – नहर – शोर्तुघाई में प्रमाण।
- कुआँ/हड़प्पा, मोहनजोदड़ो।
- तालाब– धौलावीरा।

प्रश्न.15 क्या आप मानते है कि हड़प्पा सभ्यता एक शहरी सभ्यता थी ?

उत्तरः– हां क्योंकि :–
- पूर्णतः नियोजित शहर – दो भागों में विभक्त।
- (अ) दुर्ग शहर (ब) निचला शहर।
- चौड़ी एवम लंबी सड़के जो समकोण पर परस्पर मिलती थी।

- पकी इंटों से बनी बहुमंजिला इमारतों का अस्तित्व।
- प्रत्येक घर में कुआँ एवम स्नानागार ।
- विकसित जल निकासी प्रणाली जो ढकी होती थी तथा प्रत्येक घर की नाली मुख्य नाली से जुडी थी।
- सार्वजानिक भवनों जैसे – बृहत स्नानागार सभागार का अस्तित्व।
- लोथल एवम महत्वपूर्ण बंदरगाह जो विकसित व्यापार का प्रमाण है ।

प्रश्न.16 हड़प्पा सभ्यता में जल निकासी प्रणाली अच्छी थी। कैसे ?

उत्तरः– क्योंकि

- नालियां मिट्टी के गारे और जिप्सम से बनी थी।
- इनको बड़ी बड़ी ईंटो ओर पत्थरों से ढका गया था।
- घर की छोटी नालियां बाहर की बड़ी नाली से आकर मिल जाती थी।
- घरों से गंदे पानी के निकास के लिए सड़कों के दोनों ओर गड्ढे बनाये गए थे। नालियां ढकी हुई थी जिससे पानी नहीं फैलता था।
- प्रत्येक घर का कम से कम एक दीवार गली से सटा हुआ था जिससे घर का गन्दा पानी नाली से होकर बाहर जाता था।

प्रश्न.17 हड़प्पा सभ्यता के शासक के कार्यों को लिखिए ?

उत्तरः–
- जटिल फैसले लेना तथा उन्हें लागू करना।
- नगरों के स्थापना के बारे में योजना बनाना शहरों में विशाल इमारत बनाना इत्यादि आदि।
- कृषि एवम शिल्प उत्पादन को प्रोत्साहन करना।
- विदेशी आक्रमण से रक्षा करना।
- अकाल के समय भोजन की व्यवस्था कराना।
- ईटें माप तौल प्रणाली में एकरुपता बनाये रखना तथा इन पर नियंत्रण बनाये रखना।

प्रश्न.18 हड़प्पा मोहर पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें ?

उत्तरः–
- अभी तक 2000 से ज्यादा मोहरें प्राप्त।
- निर्माण में प्रयुक्त पदार्थ – कार्निलियन, जैस्फर, स्फटिक, तांबा, सोना, सेल्खडी, कांसा, पकी मिट्टी।
- अधिकांश मोहरों पर विभिन्न जानवरों के चित्र एवम अनुष्ठानों का संकेत।
- इनका उपयोग व्यापर में भी किया जाता था।

प्रश्न.19 हड़प्पा सभ्यता के पतन के क्या कारण थे ?

उत्तरः– हड़प्पा सभ्यता के पतन के अनेक कारण थे –

- बाढ़ के कारण विनाश।
- सिन्धु नदी का मार्ग परिवर्तन।
- जलवायु परिवर्तन।
- भूकंप के कारण विनाश।
- आर्यों का आक्रमण।

nh?k mÙkjh; ç’u ¼8 vd½

प्रश्न. 20 पुरातत्विद किस प्रकार अतीत का निर्माण करते है ?

- उत्खनन द्वारा शिल्पाकृतियों एवम अन्य वस्तुओ को प्राप्त करना।
- वस्तुओं का वर्गीकरण करना।
- प्रत्यक्ष साक्ष्यों का सहारा लेना।
- वस्तुओं का उपयोग जानने के लिए उसकी उपयोगिता को उसके वर्तमान उपयोग से जोड़ा जाता है।
- धार्मिक विश्वास एवम परंपरा के बारे में जानने के लिए मोहरों पर बनाये गये चित्रों का सहारा लिया जाता है।
- वर्तमान से अतीत की ओर जाना।
- सांस्कृतिक एवम सामाजिक विभिन्नता को जानने के लिए कई विधियों का प्रयोग (शवाधान)।
- शिल्प उत्पादन केन्द्रों की पहचान के लिए पत्थर के टुकड़े तलाशे गए औजार कूड़ा करकट के अवशेष के आधार पर।

lkr vkèkkfjr ç’u ½
,d vkØe.k dk lk{;

डैडमैंनलेंन एक संकरी गली हे, जिसकी चौड़ाई 3 से 6 फीट तक परिवर्ती हे .... वह बिंदु जहाँ यह गली पश्चिम की ओर मुड़ती है, 4 फीट तथा 2 इंच की गहराई पर एक खोपड़ी का भाग तथा एक वयस्क की छाती तथा हाथ के ऊपरी भाग की हड्डियाँ मिली थी। ये सभी बहुत भुरभुरी अवस्था में थी। यह धड़ पीठ के बल, गली में आड़ा पड़ा हुआ था। पश्चिम की ओर 15 इंच की दूरी पर एक छोटी खोपड़ी के कुछ टुकड़े थे। इस गली का नाम इन्हीं अवशेषों पर आधारित है। जॉन मार्शल, मोहनजोदड़ो एंड द इंडस सिविलाईजेसन, 1931 से उद्धरत।

1924 में मोहनजोदड़ो के इसी भाग से सोलह लोगो के अस्थि – पंजर उन आभूषणों सहित मिले थे जो इन्होंने मृत्यु के समय पहने हुए थे। बहुत समय पश्चात 1947 में आर.ई.एम. व्हीलर ने जो भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण के तत्कालीन डायरेक्टर जनरल थे, इन पुरातात्विक साक्ष्यों का उपमहादीप में ज्ञात प्राचीनतम ग्रन्थ ऋग्वेद के साक्ष्यों से संबंध स्थापित करने का प्रयास किया। उन्होंने लिखाः

ऋग्वेद में पुराशब्द का उल्लेख है जिसका अर्थ है प्राचीर, किला या गढ़। आर्यों के युद्ध के देवता इंद्र को पुरंदर, अर्थात गढ़ – विध्वंसक कहा गया है।

ये दुर्ग कहाँ है.... याथे ....? पहले यह माना गया था कि ये मिथक मात्र थे ...हड़प्पा में हाल में हुए उत्खननों ने मानो परिदृश्य बदल दिया है । यहाँ हम मुख्यतः अनार्य प्रकार की एक बहुत विकसित सभ्यता पाते हैं जिसमें अब प्राप्त जानकारी के अनुसार विशाल किले बंदियाँ की गई थी ... यह सुदृढ़ रूप से स्थिर सभ्यता कैसे नष्ट हुई? हो सकता है जलवायु सम्बंधी, आर्थिक अथवा राजनितिक ह्रास ने इसे कमजोर किया हो, पर अधिक संभावना इसकी है जानबूझ कर तथा बड़े पैमाने पर किये गए विनाश ने इसे अंतिम रूप से समाप्त कर दिया। यह मात्र संयोग ही नहीं हो सकता की मोहनजोदड़ो के अंतिम चरण में आभास होता है कि यहाँ पुरुषों, महिलाओं तथा बच्चों का जन संहार किया गया था। परिस्थितिक साक्ष्यों के आधार पर इंद्र अभियुक्त माना जाता है।

आर.ई.एम. व्हीलर, हड़प्पा 1946, एन्शियंट इंडिया (जर्नल) 1947 से उद्धरत।

1960 के दशक में जार्ज डेल्स नामक पुरातत्विद ने मोहनजोदड़ो में जनसंहार के साक्ष्यों पर सवाल उठाये। उन्होंने दिखाया कि उस स्थान पर मिले सभी अस्थि – पंजर एक ही काल से संबंध नहीं थे।

हालाँकि इनमें से दो से निश्चित रूप में संहार के संकेत मिलते हैं, पर अधिकांश अस्थियाँ जिन संदर्भों में मिली हैं वे इंगित करती हैं कि ये अत्यंत लापरवाही तथा श्रद्धाहीनतरी केसे बनाये गए शवाधान थे। शहर के अंतिम काल से संबंध विनाश का कोई स्तर नहीं है, व्यापक स्तर पर अग्नि कांड के चिन्ह नहीं है, चारों ओर फैले हथियारों के बीच कवचधारी सैनिकों के शव नहीं है। दुर्ग से जो शहर का एकमात्र किले बंद भाग था, अंतिम आत्म रक्षण के कोई साक्ष्य नहीं मिले हैं। जी.एफ.डेल्स, 'दमिथि कलमैसे करएट मोहनजोदड़ो', एक्सपीडीशन, 1964 से उद्धत। जैसाकि आप देख सकते हैं कि तथ्यों का सावधानी पूर्वक पुनर्निरीक्षण कभी–कभी पूर्ववर्ती व्यख्याओं को पूरी तरह से उलट देता है।

प्रश्नः– किस पुरातत्वविद ने यह साक्ष्य प्रस्तुत किया है ?

उत्तरः– जॉन मार्शल ने यह साक्ष्य अपनी पुस्तक ''मोहनजोदड़ो एंड द इंडस सिविलाईजेसन'' में दिया है।

प्रश्नः– हड़प्पा सभ्यता के विनाश के किस तर्क की ओर यह अनुच्छेद इशारा करता है?

उत्तरः– यह साक्ष्य हड़प्पा के विनाश में विदेशी हमलों की भूमिका की ओर इशारा करता है।

प्रश्नः– कौन इस प्रमाण को ऋग्वेद के साथ जोड़ता है ओर क्यों ?

उत्तरः– आर.ई.एम. व्हीलर इस प्रमाण को ऋग्वेद के साथ जोड़ता है। क्योंकि ऋग्वेद में पुर शब्द का उल्लेख है जिसका अर्थ है प्राचीर, किला या गढ़। आर्यों के युद्ध के देवता इंद्र का पुरंदर, अर्थात गढ़–विध्वंसक कहा गया है।

प्रश्नः– किसने और कैसे इसकी एक अलग व्याख्या की है ?

उत्तरः– जार्ज डेल्स ने इस प्रमाण के विपरीत सिद्धांत का प्रतिपादन किया गया है। वो इस बात को मानने से हिचकते हैं कि यह हमला आर्यों ने किया था। उनके अनुसार जो कंकाल मिले हैं वो हड़प्पा काल के नहीं है। इस काल में कंकाल मिले है तथा उनकी जो अवस्था है उससे यह भी कहा जा सकता है कि यह एक बूचड़खाने का शवाधान हो। किसी भी शव पर शस्त्र के घाव, कोई हथियार जलने के अवशेष नहीं प्राप्त हुए हैं।

fo"k; & 2

jktk fdlku vkSj uxj

vkjfEHkd jkT; vkSj vFkZO;oLFkk;sa

(लगभग 600 ई.पू. से 600 ईसवी)

egRoiw.kZ fcUnq

- हड़प्पा सभ्यता के बाद लगभग 1500 वर्षों के दौरान उपमहाद्वीप के विभिन्न भागों में कई प्रकार के विकास हुए जैसे— ऋग्वेद का लेखन, कार्य कृषक बस्तियों का उदय, अंतिम संस्कार के नये तरीके, नगरों का उदय आदि।
- ऐतिहासिक स्त्रोत अभिलेख, ग्रंथ, सिक्के, चित्र आदि
- अशोक के अभिलेख — ब्राह्मी तथा खरोष्ठी लिपियों में लिखे गए है।
- छठी शताब्दी में ई० पूर्व को एक महत्वपूर्ण परिवर्तन काल माना जाता है। इसको राज्यों, नगरों लोहे के प्रयोग और सिक्कों के विकास से जोड़ा गया है इस समय बौद्ध — जैन धर्म तथा अन्य दार्शनिक विचारधाराओं का विकास हुआ।
- बौद्ध — जैन धर्मों के ग्रंथो में सोलह महाजनपदों का उल्लेख मिलता है। 16 महा जनपद :— वज्जि, मगध, कौशल, कुरू, पांचाल, गांधार, अंवति, शूरसेन, मत्स्य, वत्स, उज्जयिनी, काशी, मल्ल, अंग, कम्बोज, अश्मक।

vfr y?kq mÙkjh; ç'u ¼2 vad½

प्रश्न.1 महापाषाण क्या था ?

उत्तरः—
- बड़े—बड़े पत्थर।
- प्रथम शती इ. पू., कब्र के पास रखे जाते थे।

प्रश्न.2 600 ई.पू. परिवर्तन का काल क्यों कहा जाता है ?

उत्तरः—
- प्रारम्भिक राज्यों का उदय
- सिक्कों का प्रयोग
- नए धर्म — जैन एवम बौद्ध

प्रश्न.3 धम्म महामात्र कौन थे ?

उत्तरः—
- विशिष्ट अधिकारी
- अशोक द्वारा नियुक्त
- धम्म का सन्देश प्रसारण

प्रश्न.4 कुषाण कौन थे ?

उत्तरः— • प्राचीन भारतीय महत्वपूर्ण राजवंश

- प्रथम सिक्के सोने जारी किये।

प्रश्न.5 अशोक के अभिलेख की भाषा एवम लिपि क्या है ?

उत्तरः— • भाषा — प्राकृत, अरेमाईक, ग्रीक

- लिपि— ब्राह्मी, खरोष्ठी

प्रश्न.6 गृहपति कौन थे ?

- घर का मुखिया
- भूमिपति

प्रश्न.7 मौर्य साम्राज्य को जानने के स्रोत क्या है ?

उत्तरः— • कौटिल्य का अर्थशास्त्र

- अशोक के अभिलेख

प्रश्न.8 महाजन पद क्या थे? महत्वपूर्ण महाजन पद का नाम लिखो ?

उत्तरः— • बड़े—बड़े प्रारम्भिक राज्य 600 ई.पू.

- महत्वपूर्ण महाजन पद — मगध, कोशल, अवन्ती, आदि।

प्रश्न.9 मनु स्मृति क्या है ? इसके द्वारा राजा को क्या सलाह दी गई है ?

उत्तरः— • प्राचीनकाल की नियम सम्बन्धी पुस्तक

- राजा को सलाह—सीमा सुरक्षा महत्वपूर्ण

प्रश्न.10 दो महत्वपूर्ण यज्ञों के नाम लिखो ?

उत्तरः— • राजसूय यज्ञ

- अश्वमेघ यज्ञ

प्रश्न.11 भूमि अनुदान सम्बन्धी लेख में हमें ग्रामीण समाज को समझने में कैसे मदद करता है ?

- राज्य एवम किसानों के बीच के सम्बन्ध की झांकी
- कुछ समाज जैसे— संग्राहक, जंगल में रहने वाले राजा के नियंत्रण से बाहर।

y?k mÙkjh; ç'u ¼4 vad½

प्रश्न.12 मगध साम्राज्य के उदय के कारकों का वर्णन कीजिये ?

उत्तरः— • शक्तिशाली राजा

- लोहे की उपलब्धता

- उपजाऊ भूमि
- हाथियों की उपलब्धता

प्रश्न.13 महाजन पद के विशिष्ट लक्षणों का वर्णन करे ?

उत्तरः–
- राजा का शासन
- किलेबंद राजधानी
- स्थायी सेना
- कर वसूलना
- धम्म सूत्र के अनुसार शासन

प्रश्न.14 अशोक का धम्म प्रासंगिक है। कैसे ?

उत्तरः–
- बड़ों को आदर
- धार्मिक सहिष्णुता
- विद्वानों / ब्राह्मण के प्रति सहानुभूति की नीति
- अहिंसा का सन्देश

प्रश्न.15 600 BC से 600 AD का काल कृषि में क्रांतिकारी परिवर्तन के लिए याद रखा जाता है। क्यों ?

उत्तरः–
- लोहे के हल का प्रयोग कृषि विस्तार हेतु
- धान रोपाई की शुरुआत
- सिचाई व्यवस्था में सुधार
- भूमि अनुदान – कृषि उन्नति के लिए

प्रश्न.16 अभिलेख इतिहास के पुनर्रचना में सहायक कैसे है ?

उत्तरः–
- प्रशस्ति (समुद्रगुप्त – प्रयाग प्रशस्ति हरिषेण कृत) से राजा एवम उसकी उपलब्धि का ज्ञान
- तत्कालीन लिपि एवम भाषा का ज्ञान
- भूमि अनुदान एवम आर्थिक स्थिति का ज्ञान
- साम्राज्य सीमा विस्तार का ज्ञान
- साम्राज्य की धार्मिक, सामाजिक स्थिति का ज्ञान

प्रश्न.17 अभिलेख शास्त्रियों की समस्याओं को लिखे ?

उत्तरः–
- कभी – कभी अक्षर अत्यंत हल के, समझने में कठिन
- खराब / नष्ट अभिलेख कई शब्द गायब
- लेखक की सोच / विचार को दिखाता है, अतः एकांगी सोच

प्रश्न.18 गुप्त शासकों के इतिहास जानने के क्या स्रोत है ?

उत्तरः–
- कौटिल्य का अर्थशास्त्र
- फाहियांन का विवरण
- हरिषेण की प्रयाग प्रशस्ति
- सिक्के की सहायता
- अभिलेख

प्रश्न.19 अशोक के अभिलेख का भारतीय इतिहास में क्या महत्त्व है ?

उत्तरः–
- साम्राज्य सीमा की जानकारी
- उसके धार्मिक विचार की जानकारी
- विदेशों से संबंधों की जानकारी
- अशोक के कल्याणकारी कार्यों की जानकारी
- उत्तम कला का नमूना

प्रश्न.20 जेम्स प्रिन्सेप का भारतीय इतिहास में क्या महत्व है ?

उत्तरः–
- ब्राह्मी, खरोष्ठी लिपि को सर्वप्रथम पढ़ा
- यह प्रारम्भिक अभिलेख में एवम सिक्कों पर लिखी गई
- मौर्य शासक अशोक के बारे में बताया
- देशी एवम विदेशी शोधकर्ता / विद्यार्थी जेम्स प्रिन्सेप के शोध का सहारा भारत के राजनीतिक इतिहास को लिखने के लिए लेते हैं।

प्रश्न.21 भूमि दान क्यों किया जाता था ?

उत्तरः–
- कृषि विस्तार के लिए
- नए–नए समर्थक प्राप्त करने के लिए
- अपनी महत्व/क्षमता/शक्ति प्रदर्शन के लिए
- लोक कल्याण के लिए

प्रश्न.22 कुषाणों ने अपनी उच्च सामाजिक स्थिति प्राप्त करने के लिए क्या किया ?

उत्तरः–
- अपने आपको दैवीय व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत किया
- देवपुत्र जैसे शीर्षक अपने नाम के आगे लगाये
- अपने आपको ईश्वर का प्रतिनिधि बताया
- अपनी विशाल मूर्तियां बनवाई।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (8 अंक)

प्रश्न.23 मौर्य प्रशासन की प्रमुख विशेषताओं को लिखे ?

उत्तरः–
- केंद्रीय प्रशासन :– सम्राट सर्वोच्च,
- प्रांतीय प्रशासन :– साम्राज्य अनेक प्रान्तों में विभक्त राज्यपाल द्वारा शासन
- स्थानीय शासन :– समितियों द्वारा शासन
- सलाहकारी मंत्री परिषद
- पांच प्रमुख राजनैतिक केंद्र – पाटलिपुत्र, उज्जैन
- संगठित सेना :– सैन्य प्रशासनः– उप समितियों द्वारा
- धम्म महामात्र की नियुक्ति अशोक के द्वारा
- अच्छी प्रशासनिक एवम कानून व्यवस्था
- गुप्तचर नामक संस्था का अस्तित्व

vuPNsn vkèkkfjr ç'u

प्रश्न.1 निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों का उत्तर लिखिएः

मेगास्थनीज के विवरण का एक अंश दिया गया है। साम्राज्य के महान अधिकारियों में से कुछ नदियों की देख–रेख और भूमि मापन का काम करते है। जैसा कि मिश्र में होता था। कुछ प्रमुख नहरों से उप नहरों के लिए छोड़े जाने वाले पानी के मुख्य द्वार का निरीक्षण करते है ताकि वह हर स्थान पर पानी स्थापित करने का प्रयास किया। यही अधिकारी शिकारियों का संचालन करते है। और शिकारियों के कृत्यों के आधार पर उन्हें इनाम या दंड देते है। ये कर वसूली करते हैं और भूमि से जुड़े सभी व्यवसायों का निरिक्षण करते हैं। साथ ही लक्कड़हारों, बढ़ई, लोहारों, और खनन कर्ता का भी निरीक्षण करते है।

प्रश्न क. साम्राज्य के महान अधिकारियों के कर्तव्यों की व्याख्या कीजिये ?

उत्तर
1. साम्राज्य के महान अधिकारियों में से कुछ नदियों की देख–रेख और भूमि मापन का काम करते थे।
2. कुछ प्रमुख नहरों से उप–नहरों के लिए छोड़े जाने वाले पानी के मुख द्वार का निरीक्षण करते थे ताकि हर स्थान पर पानी का समान पूर्ति हो सके।
3. यही अधिकारी शिकारियों का संचालन करते थे, शिकारियों के कृत्यों के आधार पर इनाम तथा दंड देते थे, कर वसूली करते थे, साथ ही लक्कड़हारों/बढ़ाई/लोहारो ंऔर खननकर्ताओं का भी निरीक्षण करते थे।

प्रश्न ख. सैनिक गतिविधियों के संचालन के लिए नियुक्त उप समितियों की भूमिका की व्याख्या कीजिये ?

उत्तर
1. सैनिक गतिविधियों के संचालन के लिए एक समिति और छः उप समिति का उल्लेख मेगास्थनीज ने किया है इन उप समितियों का काम नौ सेना, यातायात और खानपान, पैदल सेना, अश्वारोही, स्थारोहियों और हाथियों का संचालन करना था।

2. दूसरी समिति का दायित्व विभिन्न प्रकार का था – उपकरणों की ढोने के लिए बैलगाड़ियों की व्यवस्था सैनिकों के लिए भोजन, जानवरों के लिए चारे की व्यवस्था तथा सैनिकों के देखभाल के लिए सेवकों और शिल्पकारों की नियुक्ति करना।

प्रश्न ग. अशोक ने अपने साम्राज्य को एकजुट रखने के लिए क्या किया ?

उत्तर 1. अशोक ने धम्म के प्रचार द्वारा अपने साम्राज्य को एकजुट रखने की कोशिश की।

2. धम्म के प्रचार के लिए धम्म महामात्त नाम से विशेष अधिकारियों की नियुक्ति की।

ç’u cSd

vfr y?kq mÙkjh; ç’u %

प्रश्न.1 महापाषाण क्या था ?

प्रश्न.2 कुषाण कौन थे ?

प्रश्न.3 महाजनपद क्या थे ?

y?kq mÙkjh; ç’u %

प्रश्न.4 मगध के उदय के कारणों को लिखिए ?

प्रश्न.5 अशोक के धम्म की विशेषता लिखिए ?

प्रश्न.6 गुप्त शासक के इतिहास जानने के क्या स्रोत है ?

nh?kZ mÙkjh; ç’u %

प्रश्न.7 मौर्य प्रशासन की प्रमुख विशेषताओं को लिखिए ?

fo"k; & 3

cèkRo] tkfr rFkk oxZ

vkjfHkd lekt

(लगभग 600 ई.पू. से 600 ईसवी)

इतिहासकारों ने उस समय की सामाजिक व्यवस्था सामाजिक परम्पराओं को समझने का प्रयास किया। अतः इस सन्दर्भ में महाभारत के घटना क्रम को केस अध्ययन के रूप में लिया।

महाभारत सामाजिक मान्यताओं के घटना एवं व्यवस्था का विस्तृत क्षेत्र है

- परिवार एक इकाई है जो संबंधियों के विस्तृत जल का हिस्सा है उन्हें हम रिश्तेदार कहते है।
- पितृसतात्त्मक व्यवस्था उत्तर भारत में प्रचलित है।
- रक्त सम्बन्धों में दो समूह उदाहरण है।

dkjok ,oa ikMo

दोनों एकल शासक परिवार है कुरू वंश से संबधित थे। जिनका एक जनपद पर शासन था। पितृवंशिकता में पुत्र पिता की मृत्यु के बाद उनके संसाधनों पर (राजाओं के संदर्भ में) सिंहासन पर भी अधिकार जमा सकते थे।

- विवाह के नियम– विवाह के प्रकार – आठ
- अंतर्विवाह–एक जातीय एक स्थान पर बसने वालों का।

  बहिर्विवाह–गोत्र से बाहर विवाह

  बहुपत्नी प्रथा – एक पुरुष की अनेक पत्नियाँ होने की परिपाटी

  बहुपति प्रथा – एक स्त्री के अनेक पति होने की परिपाटी
- स्त्री और गोत्र – प्रचलित व्यवस्था

  अ. विवाह के पश्चात् स्त्रियों के पिता के स्थान पर पति के गोत्र को मन जाता था।

  ब. एक ही गोत्र के सदस्य आपस में विवाह संबंध नहीं रख सकते थे।
- माँ का महत्व – उत्तर भारत में पुत्र पिता के नाम से जाना जाता है दक्षिण भारत में सात वाहन राजाओं को उनकें मातृनाम (माता के नाम) से चिहिन्त किया गया था

  उदाहरण– राजा गोतमी–पुत्र सिरी –सातकर्नी

  राजा वसिथि–पुत्र सिरी पुलुमावी

  उत्तर भारत में ब्राह्मणों द्वारा प्रायरू संस्कृत पुस्तकों जैसे धर्मशास्त्र एवं धर्मसूक्त में नियम दिए है

  – उन सूक्तों के अनुसार केवल क्षेत्रीय ही राजा बन सकता था

  – सूक्तों में व्यवसाय के साथ जाति का भी वर्णन है

- ब्रह्मा के सिधांत के अनुसार वर्ण केवल चार थे ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शुद्र में रहने वाले निषाद, सुवर्णकार, बढ़ई आदि जाति में वर्गीकृत कर दिया।
- ब्राह्मणीय ग्रंथो के अनुसार सम्पति पर अधिकार की चर्चा की है। राजा धनी चित्रित किए गए। पुरोहित भी समान्यतरू धनी दर्शाए गए।

bfrgk l dkj vk j egkHkkjr

ग्रंथ की विषयवस्तु को दो मुख्य शीर्षक के अंतर्गत रखते है –

(क) आख्यान – कहानियों का संग्रह

(ख) उपदेशात्मक – सामाजिक आचार–विचार के मानदंडो का चित्रण

vfr y?kq mÙkjh; ç'u ¼2 vad½

प्रश्न.1 600 ई. पू. से 600 ई. के मध्य होने वाले परिवर्तनों का समाज पर क्या प्रभाव पड़ा था ?

उत्तरः–
- वन क्षेत्रों में कृषि का विकास हुआ।
- शिल्प विशेषज्ञों के एक विषिष्ट सामाजिक समूह का विकास हुआ।

प्रश्न.2 इतिहासकार परिवर्तनों को समझने के लिए किन स्रोतों का प्रयोग करते है ?

उत्तरः–
- साहित्यिक परंपरायें
- अभिलेख

प्रश्न.3 महाभारत के समालोचनात्मक संस्करण से आप क्या समझते है ?

उत्तरः–
- 1919 में एक अत्यंत महत्वाकांक्षी परियोजना का प्रारंभ हुआ।
- प्रसिद्ध संस्कृत विद्वान वीएस सुकथन करके नेतृत्व में यह कार्य हुआ।
- अनेक विद्वानों ने मिलकर महाभारत का समालोचनात्मक संस्करण तैयार करने का जिम्मा उठाया।

प्रश्न.4 पितृवंशिकता एवं मातृवंशिकता क्या थी ?

उत्तरः–
- पितृवंशिकता का अर्थ हैं वह वंश पंरपरा जो पिता के पुत्र फिर पौत्र–प्रपौत्र आदि से चलती है।
- मातृवंशिकता– का अर्थ है कि जहाँ वंश परंपरा अपनी माँ से जुडी होती है।

प्रश्न.5 बहिर्विवाह विवाह प्रकार से आप क्या समझते है ?

उत्तरः–
- ऊँची प्रतिष्ठा वाले परिवारों की कम उम्र की कन्याओं और स्त्रियों का जीवन बहुत सावधानी से नियमित किया जाता था जिससे उचित समय और उचित व्यक्ति से उनका विवाह किया जा सके।

प्रश्न.6 गौत्र शब्द क्या था ? गौत्र के नियम क्या थे ?

उत्तरः–
- प्रत्येक गोत्र एक वैदिक ऋषि के नाम होता था। उस गोत्र के सदस्य ऋषि के वंशज माने जाते थे।

- गोत्र के दो नियम महत्वपूर्ण थे।

  (अ) विवाह के पश्चात स्त्रियों को पिता के स्थान पर पति के गोत्र को मानना होता था।

  (ब) एक ही गोत्र के सदस्य आपस में विवाह सम्बन्ध नहीं रख सकते थे।

प्रश्न.7 सातवाहन राजाओ में मातायें किस तरह महत्वपूर्ण होती थी ?

उत्तरः—
- सात वाहन राजाओं को उनके मातृनाम (माता के नाम से उद्भूत) से चिन्हित किया जाता था।
- इससे यह प्रतीत होता है कि माताएँ महत्वपूर्ण थी।

प्रश्न.8 ब्राह्मणों के द्वारा वर्ण व्यवस्था को क्यों बनाया गया था ?

उत्तरः—
- ब्राह्मणों का यह मानना था कि यह व्यवस्था जिसमें स्वयं उन्हें पहला दर्जा प्राप्त है। एक देवीय व्यवस्था है।
- शुद्रों और अश्पृस्यों को सबसे निचले स्तर पर रखा जाता था।

प्रश्न.9 चाण्डालों के कर्तव्यो की सूची का वर्णन कीजिये।

उत्तरः—
- उन्हें गाँव के बाहर रहना होता था।
- वे फेंके हुये बर्तनों का इस्तेमाल करते थे।
- मरे हुए लोगों के वस्त्र तथा लोहे के आभूषण पहनते थे।

प्रश्न.10 'चार वर्णो के परे' शब्द से आप क्या समझते हैं ?

उत्तरः—
- ब्राह्मण कुछ लोगों को वर्ण व्यवस्था वाली सामाजिक प्रणाली के बाहर मानते थे।
- साथ ही उन्होंने समाज के कुछ वर्गों को ''अस्पृश्य' घोषित कर सामाजिक वैमन्श्य को और अधिक प्रखर बनाया।
- शवों की अंत्येष्टि और मृत पशुओं को छूने वालो को चाण्डाल कहा जाता था।

प्रश्न.11 स्त्रीधन से आप क्या समझते हैं ?

उत्तरः—
- मनु स्मृति के आधार पर विवाह के समय मिले उपहारों पर स्त्रियों का स्वामित्व माना जाता था और इसे स्त्री धन कहा जाता था।
- इस धन को उनकी संतान विरासत के रूप में प्राप्त कर सकती थी।

प्रश्न.12 इतिहासकार किसी ग्रंथ का विश्लेषण करते समय किन पहलुओं का विचार करते है।

उत्तरः—
- ग्रंथ किस भाषा में लिखा गया है।
- इतिहासकार ग्रंथ के प्रकार पर भी ध्यान देते है।
- वे लेखकों के बारे में भी जानने का प्रयास करते है।

प्रश्न.13 प्राचीन तामिलकम क्या था?

उत्तरः—
- तमिलकम में 2000 वर्ष पहले अनेक सरदारियों की जानकारी मिलती है।
- ये सरदार अपनी प्रशांसा गाने वाले चारण और कवियों के आश्रयदाता थे।

प्रश्न.14 इतिहासकार महाभारत की विषयवस्तु किन दो मुख्य शीर्षक में बाँटते है ?

उत्तरः—
- आख्यान — कहानियो का संग्रह
- उपदेशात्मक — सामाजिक आचार—विचार

प्रश्न.15 महाभारत एक जीवंत स्त्रोत किस तरह है ?

उत्तरः—
- महाभारत के अनेक पाठान्तर भिन्न—भिन्न भाषाओ में लिखे गये।
- अनेक कहानिया जिनका उद्‌भव एक क्षेत्र विशेष में हुआ।
- इस महाकाव्य की मुख्य कथा ही अनेक पुर्नव्याख्याए की गई।

y?kq mÙkjh; ç'u ¼4 vad½

प्रश्न.1 प्रारंभिक साहित्य में दिये गये विवाह के नियमों को बताइये।

उत्तरः—
- कन्या का दान बहुमूलय वस्त्रो एवं अलंकारो से विभूषित कर उसे वेदज्ञ वर को दान दिया जाये जिसे पिता ने आमंत्रित किया गया हो।
- पिता वर वधु को यह कह कर सबोंधित करता है कि तुम साथ मिलकर अपने दायित्वों का पालन करो।
- वर को वधु की प्राप्ती तब होती है जब वह अपनी क्षमता के आधार पर वधु एवं उसके वांधवो को यश्रेष्ठ धन प्रदान करता है।
- स्त्री व पुरूष के बीच अपनी इच्छाओ से संयोग।

प्रश्न.2 धर्म शास्त्र एवं धर्म सूत्रों में चार वर्णो की उचित जीविका हेतु किन नियमों की जानकारी मिलती है।

उत्तरः—
- ब्राह्मणों का अध्ययन, वेदो की शिक्षा, यज्ञ करवाना एवं करना था।
- क्षत्रियों का कार्य युद्ध करना।
- लोगों को सुरक्षा प्रदान करना न्याय देना वेद पढ़ना और दान दक्षिणा देना था।
- अंतिम तीन कार्य वैश्यों के लिये नीचे एवं कृति और व्यापार का कर्म भी आरक्षित था।
- शूद्रों के लिए मात्र एक ही जीविका थी तीनों उच्च वर्णो ही सेवा करना।

प्रश्न.3 जाति क्या थी ? यह वर्ण से किस तरह संबधित है ?

उत्तरः—
- जाति एक ब्राह्मणीय सिद्धान्तों पर आधारित की वर्ण जन्म के आधार पर आधारित थी। वर्ण चार तरह के थे।
- जातियों की कोई निश्चित संख्या नहीं थी।

- जातिया जो एक ही जीविका अथवा व्यवसायो से जुड़ी थी उन्हें कभी–कभी श्रेणियों में भी संगठित किया जाना था।

प्रश्न.4 आरंभिक समाज में स्त्री और पुरूष किस प्रकार सम्पत्ति अर्जित कर सकते थे?

उत्तरः
- पुरुषों हेतु विरासत खोज, खरीद, विजित कर के निवेश कार्य द्वारा तथा सज्जनों द्वारा भेंट को स्वीकार करके।
- स्त्रियों हेतु वैवाहिक अग्नि के सामने तथा वधु गमन के समय मिनी भेंट, माता, माता और पिता द्वारा दिये गये उपहार, पति से प्राप्त भेंट।

प्रश्न.5 वी.एस. सुक्थंकर कौन थे ?महाभारत को समझने में उनका क्या योगदान था ?

उत्तरः– वी.एस. सुक्थंकर एक प्रसिद्ध संस्कृत विद्वान थें।

- सुक्थंकर के नेतृत्व में अनेक विद्वानो ने मिलकर महाभारत का समालेचनात्मक संस्करण तैयार करने का निश्चय किया।
- देश के विभिन्न भागों से विभिन्न लिपियो में लिखी नई महाभारत की संस्कृत पांडुलिपियों को एकत्रित किया गया।
- अतः उन श्लोको का चयन किया गया जो लगभग सभी पांडुलिपियो में थे।

nh?kZ mÙkjh; ç'u ¼8 vad½

प्रश्न.5 क्या यह संभव है कि महाभारत का एक ही रचयिता था ? चर्चा कीजिये।

उत्तरः–
- संभवत मूलकथा के रचियता भाट सारथी थे जिन्हें सूत कहा जाता था।
- पाचवी शताब्दी ई. पू. मे ब्राह्मणो ने इस कथा परंपरा पर अपना अधिकार कर लिया और इसे लिखा।
- ये राज्यों की स्थापना के कारण नवीन मानदंडो की स्थापना हुई।
- पुराने सामाजिक मूल्यों का अन्त हुआ
- 21 ई.पू. से 200 ई. के बीच हम रचना काल का एक ओर चरण देखते है।
- 200 से 400 ई. / सदी के बीच मनु स्मृति से मिलते जुलते उपदेशात्मक प्रकरण महाभारत में जोड़े गये।

L=kr vk/kkfjr ç'u

ækSinh dk fookg

पांचाल नरेश द्रुपद ने एक स्वयं वर का आयोजन किया जिसमें यह शर्त रखी गई कि धनुष की चाप चढ़ाकर निशाने पर तीर मारा जाये। विजेता उनकी पुत्री द्रोपदी से विवाह करने के लिए चुना जाऐगा। अर्जुन ने यह प्रतियोगिता जीती और द्रोपदी ने उसे वरमाला पहनाई। पाण्डव उसे लेकर अपनी माता कुन्ती के पास गये। जिन्होंने बिना देख ही उन्हें लाई गई वस्तु को आपस में बाट लेने को कहा। जब कुन्ती ने द्रोपदी को देखा तो उन्हें अपनी भुल अहसास हुआ। किन्तु उनकी आज्ञा की अवहेलना नहीं की जा सकती थी। बहुत सोच विचार के बाद युधिष्ठिर ने निर्णय लिया कि द्रोपदी उन पांचों की पत्नी होगी। जब द्रुपद को यह बताया गया तो उन्होने इसका विरोध किया किन्तु ऋषिव्यास ने उन्हें इस तथ्य से अवगत कराया कि पाण्डव वास्तव में इन्द्र के अवतार थे और उनकी पत्नी ने ही द्रोपदी के जन्म लिया था। अतः नियती ने ही उन सबका साथ निश्चित कर दिया था। व्यास ने यह भी बताया कि एक बार एक युवा स्त्री ने पति प्राप्ति के लिए शिवकी अराधना की और उत्साह के अतिरेक एक बजाय पाँच पति माँग लिया। इसी स्त्री ने द्रोपदी के रूप में जन्म लिया तथा शिव ने उसकी प्रार्थना को परिपूर्ण किया है। इन कहानियों से संतुष्ट होकर द्रुपद ने इस विवाह को अपनी सहमति प्रदान की।

1. पंचाल नरेश द्रुपद ने अपनी पुत्री का विवाह करने की क्या प्रतियोगिता रखी? 1
2 व्यास ने राजा द्रुपद को द्रोपदी का पाँचों पाण्डव की पत्नी बनने के लिए कौन से दो तथ्य दिये? 3
3. द्रोपदी का विवाह किस प्रकार का विवाह था? इस प्रकार के विवाह के प्रति इतिहासकारों के दो विचार बताइये? 3

उत्तरः–

1. स्वयंवर का आयोजन किया गया था।जिसके विजेता से वे अपनी पुत्री का विवाह कर देते।
2. व्यासने बताया कि पाण्डव इन्द्र के अवतार थे तथा उनकी पत्नी ने ही द्रौपदी के रूप में जन्म लिया था। शिव ने एक युवा स्त्री को वर दिया था जिसने गलती से पाँच वार पति का वर मांग लिया था। उस स्त्री ने ही द्रोपदी के रूप में जन्म लिया।
3. द्रोपदी का विवाह बहुपति का उदाहरण था। इस प्रकार का विवाह विशिष्ट था। ब्राहमणीय परंपरा के अनुरूप न होने के कारण इस प्रकार के विवाह को ब्राहमणों का समर्थन नहीं था।

ç'u dks"k

2 vadks okys ç'u %

प्रश्न.1 इपिक से आप क्या समझते हो।

प्रश्न.2 मनुस्मृति के दो महत्व बताइऐ।

प्रश्न.3 क्या सभी राजा क्षत्रिय होते थे।

प्रश्न.4 सामाजिक वर्गो को समझाइये।

4 vadk okyk ç'u

प्रश्न.1 चांडाल कौन थे ? मनुस्मृति के आधार पर चाण्डालों के कर्तव्यों का वर्णन कीजिये।

प्रश्न.2 धर्मशास्त्र एवं धर्म सूत्रों की रचना क्यों की गई थी।

प्रश्न.3 सभी परिवार किस प्रकार समान नहीं होते ? प्राचीन समय में पायी जाने वाली अनियमितओं के बारे में बताईये।

प्रश्न.4 ''महाभारत की केन्द्रीय कहानी रिश्तेदारी और उत्तराधिकार के विचार को प्रचलित करती हैं। समझाइये।

nh?kZ mÙkjh; ç'u ¼8 vad½

प्रश्न.1 ब्राह्मणों ने सामाजिक वैषम्य को और अधिक प्रखर किस प्रकार बनाया ?

fo"k; & 4

fopkjd] fo'okl vkSj bekjrsa

lkaL—frd fodkl

(लगभग 600 ई.पू. से 600 ईसवी)

egRoiw.kZ fcUnq

- बौध धर्म का इतिहास – सांची स्तूप पर बल
- विस्तृत संदर्भ– वैदिक धर्म, जैन धर्म, वैष्णवमत, शैवमत, बौध धर्म पर बल
- सांची स्तूप की खोज, सांची की मूर्तियों
- धार्मिक वाद– विवाद बौध धर्म की पुनर्रचना
- प्राचीन वैदिक धर्म, जैन, बौध, वैष्णव, शैव
- महावीर, सिद्धार्थ, वैदिककाल की उपासना रीति
- हीनयांन, महायान (बौध धर्म), श्वेताम्बर, दीगम्बर (जैन धर्म)
- त्रिपिटक, जातक कथाएं, उपनिषद – लिखित स्त्रोत
- जैन, बौध धर्म का प्रचार प्रसार, मथुरा – गांधार मूर्तिकलाएं
- बिहार, चैत्य, स्तूप, आष्टांगिक मार्ग, बौध के चार आर्य सत्य

vfr y?kq mÙkjh; ç'u ¼2 vad½

प्रश्न.1 जैन धर्म के मुख्य सिद्धांत बताईये।

- सम्पूर्ण विश्व प्राणवान है।
- जन्म एवं पुनर्जन्म का चयन कर्म के द्वारा निर्धारित होता है।

प्रश्न.2 तीर्थंकर से आप क्या समझते हैं ?

उत्तरः–
- वे महापुरूष जो पुरूषों और महिलाओं को जीवन की नदी के पार पहुचाते हैं।

प्रश्न.3 पूर्व वैदिक परम्परा से आप क्या समझते हैं ?

उत्तरः–
- पूर्व वैदिक परम्परा ही जानकारी में 1500 से 1000 ईसा पूर्व में संकलित ऋग्वेद से मिलती है।
- ऋग्वेद अग्नि, इंद्र, सोम आदि कई देवताओं की स्तुति का संग्रह है।

प्रश्न.4 त्रिपिटक क्या है ?

उत्तरः–
- बौद्ध की मृत्यु के बाद उनके शिष्यों ने ज्येष्ठों या ज्यादा वरिष्ठ श्रयनों की एक सभा वैशाली में बुलाई।
- वहां पर ही उनकी शिक्षाओं का संकलन किया गया इन संग्रहों को त्रिपिटिक कहा जाता था।

प्रश्न.5 जैन दर्शन के आधार पर जन्म एवं पुर्नजन्म क्या है ?

उत्तरः—
- जैन मान्यता के अनुसार जन्म और पुर्नजन्म का चक्र कर्म के द्वारा निर्धारित होता है।
- कर्म के चक्र से मुक्ति के लिए त्याग और तपस्या की जरूरत होती है। यह संसार के त्याग से ही सम्भव है।

प्रश्न.6 हम बुद्ध की शिक्षाओं के बारे में कैसे जानते हैं ?

उत्तर
- इनकी पुर्नरचना का आधार था बौद्ध ग्रंथों का बहुत परिश्रम से संपादन, अनुवाद और विश्लेषण किया जाना था।
- इतिहासकारों ने उनके जीवन के बारे में चरित्र लेखन से जानकारी इकट्ठी की।

प्रश्न.7 धर्म चक्र प्रवर्तन से आप क्या समझते है ?

उत्तरः—
- धर्म चक्र प्रवर्तन से आशय है कि एक वृक्ष के नीचे महात्मा बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई, इस बात से दर्शाने के लिये चक्र का प्रतीक के रूप में इस्तेमाल किया गया।

प्रश्न.8 हीनयान एवं महायान क्या है ?

उत्तरः—
- महायान ईसा की प्रथम सदी के बाद बौद्ध अवधारणाओं और व्यवहार में बदलाव आने लगा था। नई परम्पराओं के मानने वाले महायान के नाम से जाने गये।
- हीनयान : जिन लोगों ने पुराने विश्वासों को अपनाया उन्हें हीनयान के नाम से सम्बोधित किया गया।

प्रश्न.9 वैष्णव एवं शैव सम्प्रदाय क्या है ?

उत्तरः—
- वैष्णव—वह हिन्दू परम्परा जिसमें विष्णु को सबसे महत्वपूर्ण देवता माना जाता है।
- शैव—वह संकल्पना जिसमें शिव परमेश्वर हैं परम्पराएं शामिल है।

प्रश्न.10 कुटागार शालाओं से आप क्या समझते हैं?

उत्तरः—
- शिक्षक एक जगह से दूसरी जगह घूमघूम कर अपने दर्शन से तथा सामान्य लोगों से तर्क—विर्तक करते थे। ये चर्चायें कुटागार शालाओं या नुकीली छतवाली झोपड़ी में होती थी।

y?k mÙkjh; ç'u ¼4 vad½

प्रश्न.1 बौद्ध धर्म की लोकप्रियता के कारण लिखिये।

उत्तरः—
- लोग समकालीन धार्मिक प्रथाओं से असंतुष्ट थे।
- बौद्ध शिक्षाओं ने जन्म के आधार पर श्रेष्ठता की बजाय अच्छे आचरण और मूल्यों को महत्व दिया गया।
- खुद से छोटे एवं कमजोर लोगों की तरफ मित्रता और करूणा के भाव को महत्व दिया गया।

प्रश्न.2 सांची के स्तूप के संरक्षण में भोपाल की बेगमों की भूमिका की चर्चा कीजिए।

उत्तरः—
- शाहजहां बेगम और सुल्तानजहां बेगम ने धन का अनुदान किया।

- सुल्तानजहां ने वहां एक संग्रहालय का निर्माण करने हेतु अनुदान दिया।
- अतिथि शाला बनवाने हेतु अनुदान दिया गया जहां जॉन मार्शल ने उपर्युक्त पुस्तके लिखी।
- इस पुस्तक के प्रकाशन हेतु सुल्तानजहां बेगम ने अनुदान दिया।
- इस कारण से यह स्तूप समूह बना रहा।

प्रश्न.3 प्रारंभिक मंदिर इमारत का वर्णन कीजिए।

उत्तरः–
- प्रारंभ के मंदिर घर की तरह होते थे जो देवी–देवताओं की मूर्तियों को रखने के स्थान होते थे।
- प्रारंम्भ के मंदिर एक चौकोर कमरे के रूप में थे जिन्हें गर्भगृह कहा जाता था।
- गर्भगृह के ऊपर एक ढांचा बनाया जाने लगा जिसे शिखर कहा जाता था।
- मंदिर की दीवारों पर अक्सर भित्ती चित्र उत्कीर्ण किये जाते थे।

प्रश्न.4 ईसा पूर्व प्रथम सहस्त्राविद का काल विश्व इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ क्यों माना जाता है ?

उत्तरः–
- इस काल में ईरान में जरथुस्त्र, चीन में खुगल्सी, युनान में सुकरात, प्लेटो, अरस्तु का जन्म हुआ।
- भारत में महापौर, बौद्ध, जैन चितंकों का जन्म हुआ जिन्होंने जीवन के रहस्यों को समझाने का प्रयास किया।

nh?k mÙkjh; ç’u ¼8 vd½

प्रश्न.1 उन कारकों का वर्णन कीजिये जिनके कारण छठी शताब्दी ई.पू. में भारत में पौराणिक हिन्दू धर्म का विकास हुआ।

उत्तरः–
- मुक्तिदाता की कल्पना सिर्फ बौद्ध धर्म में ही नहीं थी बल्कि उन परम्पराओं में भी थी जिन्हें आज हिन्दू धर्म के नाम से जाना जाता है।
- इसमें वैष्णव एवं शैव सम्मिलित है।
- वैष्णववाद में कई अवतारों के इर्द–गिर्द पूजा पद्धतियाँ विकसित हुई।
- सब स्थानीय देवताओं को विष्णु का रूप मान लेना स्वीकृत धार्मिक परम्परा का निर्माण था।
- शिव को उनके प्रतीक लिंग के रूप में बनाया जाता था।
- मूर्तियों को समझने के लिये इतिहासकारों को इनसे जुड़ी हुई कहानियों से परिचित होना पड़ता है।
- महिलायें और शुद्र जिन्हें वैदिक साहित्य पढ़ने सुनने की अनुमति नहीं थी पुराणों को सुन सकते थे।
- पुराणों की ज्यादातर कहानियां लोगों के आपसी मेल मिलाप से विकसित हुई।

vuPNsn ij vk/kkfjr ç'u

स्तूप क्यों बनाए जाते थे ?

यह उद्धरण महापरि निब्बान सुत्त से लिया गया है जो सुत्तपिटक का हिस्सा है।

परिनिर्वाण से पूर्व आनंद ने पूछा –

भगवान हम तथा गत (बुद्ध का दूसरा नाम) के अवशेषों का क्या करेंगे ?

बुद्ध ने कहा तथागत के अवशेषों को विशेष आदर देकर खुद को मत रोको। धर्मोत्साह भलाई के लिए प्रयास करों।

लेकिन विशेष आग्रह करने पर बुद्ध बोले–

उन्हें तथागत के लिए चार महापथों के चौक पर रूप (स्तूप का पालि रूप) बनाना चाहिए वहाँ धूप या माला चढ़ाएगा या वहां सिर नवायेगा या वहां पर ह्रदय में शांति लायेगा वह चिरकाल तक सुख और आनंद का कारण बनेगा।

प्रश्न.1 यह उद्धरण किस मूलपाठ से लिया गया है? यह किस ग्रंथ का हिस्सा है? 1

प्रश्न.2 स्तूप क्या होते है? आनंद को स्तूप बनाने की सलाह किसने दी थी? 2

प्रश्न.3 तथागत कौन थे? उन्होंने स्पूत का क्या महत्व बताता था? 2

प्रश्न.4 किन्हीं तीन स्थानों के नाम बताओ जहाँ स्तूप बनाए गये। 2

mÙkj%&%&

1. यह उद्धरण महापरिनिब्बान सुत्त नामक मूलपाठ से लिया गया है। यह सुत्तपिटक नामक ग्रंथ का हिस्सा है।
2. स्तूप बुद्ध धर्म से जुड़े पवित्र टीले हैं। इनमें बुद्ध के शरीर के कुछ अवशेष द्वारा प्रयोग की गई किसी वस्तु को गाड़ा गया था। आनंद को स्तूप व बुद्ध ने दी थी।
3. तथागत स्वयं बुद्ध थे। उन्होनें आनंद को बताया कि जो कोई स्तूप में शीश नवायेगा अथवा वहाँ पर मन में शांति लायेगा उसके लिए चिरकाल तक शांति का कारण बनेगा।
4. भरहुत, सांची तथा सारनाथ।

ç'udks"k

vfr y?kq mÙkjh; ç'u ¼2 vad½

प्रश्न.1 बौद्ध ग्रंथ किस प्रकार तैयार एवं संरक्षित किये गये ?

प्रश्न.2 स्तूप क्या थे ?

प्रश्न.3 स्तूपों की संरचना किस तरह होती थी ?

प्रश्न.4 जैन धर्म के मुख्य सिद्धान्त क्या है ?

प्रश्न.5 बौद्ध के अनुयायियों के बारे में आप क्या जानते हैं ?

y?kq mÙkjh; ç'u ¼4 vad½

प्रश्न.1 जैन धर्म के भारत के विभिन्न भागों में प्रसार के कारण बताईये।

प्रश्न.2 भारतीय समाज पर बौद्ध धर्म के प्रभावों का वर्णन की कीजिये।

प्रश्न.3 महावीर और बुद्ध के विचारों की तुलना ब्राह्माणों के विचारों से कीजिये।

प्रश्न.4 बुद्ध के जन्म से लेकर ज्ञान प्राप्ति तक की यात्रा का संक्षेप में वर्णन कीजिये।

प्रश्न.5 ''जैन दर्शन द्वारा महत्व पूर्ण बताए गए अहिंसा और त्याग के सिद्धान्त अपनी छाप छोड़ गए है'' महावीर के अनुसार इस कथन का समर्थन कीजिए।

nh?kZ mÙkjh; ç'u ¼8 vad½

प्रश्न.1 ''जैन दर्शन द्वारा महत्वपूर्ण बताये गये अहिंसा और त्याग के सिद्धांत अपनी छाप छोड़ गये है'' महावीर के संदेश के अनुसार इस कथन का समर्थन कीजिऐ।

fo"k; & 5

;kf=;ksa d s utfj,

lekt ds ckjs esa mudh le>

(लगभग 10वीं से 17वीं सदी तक)

egRoiw.kZ fcUnq

1. अल–बिरुनी तथा किताब–उल–हिन्द

1.1 ख्वारिज्म से पंजाब तक

- अल–बिरुनी का बचपन, शिक्षा
- ख्वारिज्म के आक्रमण के पश्चात सुल्तान द्वारा अल–बिरुनी को बंधक के रूप में गजनी लाना
- अल–बिरुनी की भारत के प्रति रूचि उत्पन्न होना
- अल–बिरुनी के यात्रा वृत्तांत
- विभिन्न भाषाओं का ज्ञाता

1.2 किताब–उल–हिन्द

- विशिष्ट शैली का प्रयोग
- दन्त कथाओं से लेकर खगोल विज्ञान और चिकित्सा संबंधी कृतियां

2.. इब्न–बतूता का रिहला

2.1 रिहला इब्न–बतूता द्वारा लिखा गया यात्रा वृत्तांत

- सामाजिक तथा राजनैतिक जीवन की जानकारियों से भरपूर
- मध्य एशिया के रास्ते सिन्ध पहुँचना
- दिल्ली आकर मुहम्मद बिन तुगलक से मिलना
- दिल्ली का काजी नियुक्त होना
- मध्य भारत के रास्ते मालाबार पहुँचना
- भारत के अनेक स्थानों का भ्रमण
- चीन की यात्रा
- भारत के सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक जीवन का विवरण प्रस्तुत करना
- यात्रा मार्गो का सुरक्षित न होना

2.2. जिज्ञासाओं का उपयोग

- मोरक्को वापस जाने के बाद अनुभवों को दर्ज किए जाने का आदेश दिया

3. फांस्वा बर्नियर :–

- एक विशिष्ट चिकित्सक
- एक प्रसिद्ध फ्रांसीसी जौहरी

- बहुआयामी व्यक्तित्व
- मुगल दरबार से जुड़े रहना
- दाराशिकोह का चिकित्सक

3.1 पूर्वी और पश्चिम की तुलना

- भारतीय स्थिति की तुलना यूरोपीय स्थिति से करना
- भारतीय स्थिति को दयनीय बताना
- उसकी कृति का अनेक भाषाओं में अनुवाद किया गया

4.1. एक अपरिचित संसार की समझ

- अल–बिरुनी तथा संस्कृतवादी परंपरा
- अनेक समस्याओं का सामना
- पहली समस्या भाषा, धार्मिक अवस्था, प्रथा में भिन्नता, तीसरा अभिमान का होना
- संस्कृत ग्रंथों का सहारा लेना

4.2 अल–बिरुनी का जाति व्यवस्था का वर्णन :–

- भारत में ब्राह्मणवादी व्यवस्था
- प्राचीन फारस के सामाजिक वर्गों को दर्शाना

5. इब्न बतूता तथा अनजाने को जानने की उत्कंठा तथा उपमहाद्वीप एक वैश्विक संचार तंत्र का हिस्सा

- नारियल और पान
- इब्न बतूता द्वारा नारियल और पान का विवरण
- इब्न बतूता और भारतीय शहर
- उपमहाद्वीप के शहरों का विवरण
- दिल्ली की प्रशंसा
- दिल्ली तथा दौलताबाद की तुलना
- बाजार विभिन्न गतिविधियों के केन्द्र
- शहरों की समृधि का विवरण
- भारतीय मालों का निर्यात

5.2. संचार की एक अनूठी प्रणाली :–

- व्यापारियां की सुविधा के लिए व्यापारिक मार्गो पर पूरी सुविधाए
- कुशल काम प्रणाली
- कुशल गुप्तचरों का होना

6. वर्नियर तथा अपविकसित पूर्व :–

- वर्नियर द्वारा भारत की तुलना यूरोप की विशेषकर फ्रांस से
- वर्नियर का आलोकचनात्मक अन्तरदृष्टि तथा घन चिन्तन
- भारत को पश्चिमी दुनिया की तुलना में निम्न कोटि का बताना

vfr y?k mÙkjh; ç'u ¼2 vd½

प्रश्न 1. सती प्रथा के कौन से तत्वों ने बर्नियर का ध्यान अपनी ओर खींचा ?

उत्तर
1. पश्चिमी व पूर्वी समाजों में महिलाओं के प्रति बर्ताव में अंतर
2. अल्पवयस्क विधवा को बलपूर्वक सती करना ।

प्रश्न 2. भारत आने वाले दो पुर्तगाली लेखकों के नाम बताइए ।

उत्तर
1. जैसुइट रोबर्टो नोबिली – 16वीं शताब्दी में भारतीय ग्रंथो का यूरोपीय भाषा में अनुवाद ।
2. दुआर्ते बारबोसा – दक्षिण भारत में व्यापार और समाज का विवरण लिखा।

प्रश्न 3. अलवरुनी ने भारत की न्याय व्यवस्था के बारे में क्या लिखा है ?

उत्तर
- कठोर एवं रुढ़िवादी न्याय व्यवस्था
- लेकिन उदारता एवं मानवीयता पर आधारित न्याय
- लिखित शिकायतें, मुकदमों की सुनवाई गवाहों की गवाही पर आधारित निर्णय
- फौजदारी कानून नरम थे
- ब्राह्मण करमुक्त एवं राजकीय दंड से मुक्त थे ।

प्रश्न 4. मध्यकालीन भारत आने वाले विदेशी यात्रियों के विवरण की कोई एक विशेषता लिखिए ।

उत्तर
1. व्यक्तिगत पूर्वधारणाओं एवं रूचियों के आधार पर लेखन
2. ऐतिहासिक तथ्यों के विषय में निष्पक्षता से वर्णन
3. मध्यकालीन भारत के सामाजिक व सांस्कृतिक जीवन का वर्णन ।

प्रश्न 5. 'दावा' और 'उलूक' से आप क्या समझते हैं?

उत्तर दोनों एक प्रकार की तीव्रगामी डाक व्यवस्था हैं–
1. दावा – पैदल डाक प्रणाली
2. उलूक – घुड़सवार डाक प्रणाली

प्रश्न 6. इब्न बतूता के वृतांत की कोई दो कमियाँ बताइए ।

उत्तर प्रत्येक घटना को प्रतिदिन नहीं लिखा
- बहुत सी बातें उसे याद नहीं रही।
- बहुत सी बातें अपने मित्रों से सुनकर लिखीं।
- उसके वृतांत में 'गलत नामो' व 'गलत मार्गो' जैसी गंभीर गलतियाँ है।

y?k mÙkjh; ç'u ¼4 vad½

प्रश्न 7. इब्नबतूता ने भारतीय शहरों का किस प्रकार वर्णन किया है ?

- भारतीय शहर– घने बसे हुए अधिक समृद्धशाली, भीड़भाड़ वाली सड़कें ।
- रंगीन व रोशनीयुक्त बाजार ।
- बाजार– सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र एवं व्यापारिक लेन–देन का स्थल ।
- प्रत्येक बाजार में एक मंदिर व एक मस्जिद ।
- सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए स्थान ।

प्रश्न 8. इब्न बतूता और बर्नियर ने जिन दृष्टिकोणों से भारत में अपनी यात्राओं के वृतांत लिखे थे, उनकी तुलना कीजिए तथा अंतर बताइए।

उत्तर इब्न बतूता का दृष्टिकोण

- वर्णनात्मक शैली
- प्रत्येक अपरिचित एवं अनोखी दिखने वाली घटनाओं व वस्तुओं को रेखान्कित करना।
- अपने वृतांत से सुदूर पाठकों व श्रोताओं कों प्रभावित करना।

बर्नियर का दृष्टिकोण

- एक अलग बुद्धिजीवी परंपरा से संबंधित
- भारत की स्थितियों की तुलना व भिन्नता का वर्णन यूरोपीय देशों से
- यूरोप को अधिक महान दिखाने का प्रयास
- भारत को यूरोप के विपरीत अर्थात निम्न कोटि का दर्शाने का प्रयास

प्रश्न 9. इब्न बतूता द्वारा दास प्रथा के संबंध में दिए गए साक्ष्यों का विवेचन कीजिए।

उत्तर दास प्रथा के संबंध में साक्ष्य–

- खुले बाजार में दासों की बिक्री
- दासों की विभिन्न श्रेणियां
- महिला दासियों की नियुक्ति सुल्तान की सेवा में
- घरेलू कार्यों के लिए दासों का प्रयोग
- महिला दासियों की अमीरों की मुखबरी एवं गुप्त सूचनाएं देने हेतु नियुक्ति
- उपहार में भेंट करने के लिए दासों को खरीदना एक प्रथा थी।
- हमलों और अभियानों में बलपूर्वक दास–दासियाँ प्राप्त किये जाते थे।

प्रश्न 10. किताब उल – हिन्द पर एक लेख लिखिए।

- अलबिरूनी द्वारा अरबी भाषा में लिखित पुस्तक
- लेखन शैली सरल, तरलता, समझने में आसान
- 80 अध्यायों में विभाजित– विभिन्न विषयों पर लेखन
- धर्म, दर्शन, त्योहार, खगोल विज्ञान, मूर्तिकला, रीति– रिवाज, प्रथाओं, सामाजिक जीवन, मापनविधियों, आदि विषयों का वर्णन
- प्रत्येक अध्याय का आरम्भ एक प्रश्न से, फिर संस्कृतवादी परम्पराओं पर आधारित वर्णन, अंत में अन्य संस्कृतियों से तुलना।

प्रश्न 11. 12वीं शताब्दी में इब्नबतूता द्वारा वर्णित भारत की सामाजिक दशा का वर्णन कीजिए ।

उत्तर भारत की सामाजिक दशा–

- बाल विवाह
- विधवा पुनर्विवाह नहीं कर सकती थीं
- सती प्रथा का व्यापक प्रचलन
- विभिन्न देवी देवताओं की पूजा
- भद्र वर्ग द्वारा एक ही ईश्वर की पूजा
- अनेक धर्मों का चलन
- लगभग 42 धार्मिक परम्पराएं देश में प्रचलित
- हिन्दू धर्म का विभिन्न धार्मिक सम्प्रदायों में विभाजन

nh?kZ mÙkjh; ç'u ¼8 vad½

प्रश्न 12. चर्चा कीजिए कि बर्नियर का वृतांत किस सीमा तक इतिहासकारों कों समकालीन ग्रामीण समाज कों पुनर्निर्मित करने में सक्षम करता है ?

उत्तर मुगलकाल में समस्त भूमि पर सम्राट का अधिकार

- निजी संपति की कमी
- भूमि पर राजकीय स्वामित्व, राज्य व उसके निवासियों के लिए हानिकारक
- भू–धारक अपने उत्तराधिकारी को भूमि नहीं दे सकते थे
- भू–स्वामियों द्वारा भूमि की बेहतरी की उपेक्षा
- कृषि का विनाश, किसानों का शोषण
- समाज के सभी वर्गों के जीवन स्तर में गिरावट
- समाज में केवल अति धनी और अति निर्धन दो वर्ग
- मध्यम वर्ग नहीं

- कई यूरोपीय यात्री बर्नियर के दृष्टिकोण से प्रभावित थे
- किन्तु बर्नियर द्वारा ग्रामीण समाज का वर्णन सच्चाई से दूर था

प्रश्न 13. जाति व्यवस्था के सम्बन्ध में अलबिरूनी की व्याख्या पर चर्चा कीजिए।

उत्तर जाति व्यवस्था ब्राह्मणवादी दृष्टिकोण से प्रभावित

- समाज चार वर्णों – ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र में विभाजित
- फारस का समाज भी चार वर्गों में विभाजित
- अपवित्रता की मान्यता को अस्वीकार किया
- प्रकृति के नियमानुसार हर वस्तु अपवित्र से पवित्र हो जाती है
- वास्तविक जीवन में जाति व्यवस्था अधिक कठोर नहीं थी
- अछूतों से किसानों व जमींदारों के लिए सस्ता श्रम उपलब्ध करने की अपेक्षा करना

lkr vkèkkfjr ç'u

?kkl y: l: fudyrk i{kh

प्रश्न 14. यह ''रिहला'' से लिया गया एक उदाहरण हैः

अपने जन्म स्थान तेंजियर से मेरा प्रस्थान गुरुवार को हुआ .... अपनी यात्रा आरम्भ करने के लगभग 30 वर्ष बाद।

(अ) इब्नबतूता कौन था ? उसने कौन सी किताब लिखी ?

(आ) मोहम्मद बिन तुगलक के दरबार में इब्नबतूता कितने समय तक ठहरा?

(इ) उन देशों के नाम बताइए जिन्हें पार कर इब्नबतूता भारत पंहुचा।

उत्तर (अ) मोरक्को के तैन्जियर का निवासी। पुस्तक का नाम ''रिहला''

(आ) आठ वर्षों तक दरबार में रहा

(इ) सीरिया, इराक, फारस, यमन, ओमान, पूर्वी अफ्रीका, मक्का, मध्य एशिया से भारत में प्रश्नवेश।

eY; ijd ç'u

प्रश्न 15. चौदहवीं शताब्दी में यात्राएं करना अधिक कठिन एवं जोखिम पूर्ण था। क्या आप इस कथन से सहमत है ?

उत्तर हाँ क्योंकि :–

- सदैव डाकुओं द्वारा लूटे जाने का भय
- यात्रियों को अपने घर की याद सताना, बीमार पड़ना
- आवागमन के साधनों का अभाव

प्रश्न 16. "ट्रेवल्स इन मुगल एम्पायर" लेखन के पीछे बर्नियर का मुख्य उद्देश्य क्या था?

उत्तर बर्नियर का मुख्य उद्देश्य –

- भारत की स्थितियों की यूरोप से तुलना
- यूरोपियों द्वारा भारत के लिए उचित व सही निर्णय लेना ।
- यूरोप की श्रेष्ठता को दर्शाना ।

प्रश्न 17. लोग किन उद्देश्यों से यात्रा करते थे ?

उत्तर मुख्य उद्देश्य –

- रोजगार के अवसर की तलाश
- व्यापार उन्नति हेतु
- प्राकृतिक आपदाओं से बचने
- सैनिक, पुरोहित अथवा तीर्थयात्री के रूप में
- नए स्थलों की खोज हेतु

ekufp= dk;Z

प्रश्न 18. विश्व मानचित्र पर उन देशो को चिन्हित कीजिए जिनकी यात्रा इब्नबतूता ने की थी। कौन–2 से समुद्रों को उसने पार किया ?

उत्तर इब्नबतूता द्वारा भ्रमण किये गये देश :–

1. मोरक्को
2. सीरिया
3. फारस
4. ओमान
5. भारत
6. श्रीलंका
7. मक्का
8. चीन
9. इराक
10. मालदीव
11. सुमात्रा
12. यमन

समुद्र जो इब्नबतूता ने पार किये–

1. उत्तरी अटलांटिक सागर
2. हिन्द महा सागर
2. अरब सागर
4. दक्षिणी चीनी सागर
5. दक्षिणी अटलांटिक सागर
6. लाल सागर
7. बंगाल की खाड़ी
8. पूर्वी चीनी सागर

मानचित्र में स्वयं अंकित करें।

fo"k; & 6

Hkfä ,o lQh ijEijk,
èkkfed fo'okl esa cnyko
(लगभग 8वीं से 18वीं सदी तक)

egRoi.kZ fcUnq

1. धार्मिक विश्वासों और आचरणों की गंगा–जमुनी बनावट
   - साहित्य और मूर्तिकला में देवी देवता का दृष्टिकांत होना
   - आराधना की परिपाटी का विस्तृत होना।

1.1. पूजा प्रणालियों का समन्वय।
   - दो प्रक्रियाओं का कार्यरत होना
   - एक ब्राह्मणीय विचारधारा दूसरा ब्राह्मणों द्वारा, स्त्री, शूद्रों, सामाजिक वर्गों की भाषाओं को स्वीकार करना
   - मुख्य देवता को जगन्नाथ के एक स्वरूप में प्रस्तुत करना। उदाहरण– उड़ीसा में पुरी
   - स्थानीय देवियों को मुख्य देवताओं की पत्नी के रूप में मान्यता

1.2. भेद और सघर्ष
   - देवी आराधना पद्धति को तांत्रिक नाम देना
   - वर्ग और वर्ण भेद की अवहेलना
   - भक्ति रचनाएँ भक्ति उपासना के अंश होना

2. उपासना की कविताएँ :–
   - प्राम्भिक भक्ति परंपरा
   - भक्ति परंपरा में विविधता
   - भक्ति परंपरा के 2 वर्ग–सगुण और निर्गुण

2.1. तमिलनाडु के अलवर और नयनार संत :–
   - तमिल में विष्णु और शिवजी स्तुति
   - ईष्ट का निवासस्थल घोषित करना

2.2. जाति के प्रति दृष्टिकोण :–
   - अस्पृश्य जातियों का द्वेष
   - अलवर और नयनार की रचनाओं के वेदों के समान महत्व देना

2.3. स्त्रीभक्ति
   - स्त्रियों द्वारा पितृसत्तात्मक आदर्शों को चुनौती

2..4. राज्य के साथ संबंध

- तमिल भक्ति रचनाओं बोद्ध और जैन धर्म के प्रति विरोध
- विरोध का राजकीय अनुदान की प्रतिस्पर्धा
- कांस्य प्रतिमाओं का ढालना
- सुंदर राष्ट्र का निर्माण
- चोल सम्राट की संत कविओं पर विशेष कृपा

3. कर्नाटका की वीर शैव परंपरा

- नवीन आंदोलन का उदय
- अनुयायी वीर शैव का लिंगायत कहलाए
- लिंगायतों द्वारा पुनर्जन्म पर प्रश्नचिन्ह

4. उत्तरी भारत में धार्मिक उफान

- उत्तरी भारत में शिव और विष्णु की उपासना
- उत्तर भारत के राजपूत राज्यों का उत्थान
- धार्मिक नेताओं का रूढ़िवादी साँचे से बाहर होने के कारण दस्तकारी उत्पादन का विस्तार तुर्कों का आगमन

5. दुशालों के नए ताने–बाने रू इस्लामी परंपराएँ :–

- 711 ई. में मुहम्मद बिन कासिम अरब सेनापति द्वारा सिंध विजय
- सल्तनत की सीमा का प्रसार
- 16वीं शताब्दी में मुगल सल्तनत की स्थापना
- मुसलमान शासकों द्वारा उलझा के मार्गदर्शन पर चलना

5.2 लोक प्रचलन में इस्लाम :–

- इस्लाम के आ जाने के बाद परिवर्तनों का पूरे उपमहाद्वीप पर प्रभाव
- इस्लाम का सैधांतिक बातों पर बल देना
- मालाबार तट पर बसने वाले मुस्लमान व्यापारियों द्वारा स्थानियों आचारों का मानना

5.3 समुदायों के नाम :–

- लोगों का वर्गीकरण जन्मस्थान के आधार पर
- नियमों का पालन करना

6. सूफी मत का विकास :–

- ईश्वर की भक्ति और उसके आदर्शों के पालन पर बल सूफियों द्वारा कुरान की व्याख्या निजी अनुभवों पर

6.1 खानकाह और सिलसला :–

- 12 शताब्दी में सूफी सिलसलों का गठन
- पीर की मृत्यु के पश्चात दरगाह भक्तिस्थल के रूप में स्थापित होना

6.2 खानकाह के बाहर

- रहस्यवादी फकीर का जीवन
- शरिया की अवहेलना करने वाले बे–शरिया कहलाए

7. उपमहाद्वीप में चिश्ती सिलसिला

7.1 चिश्ती खानकाह में जीवन

- स्थानीय परंपराओं को आत्मसात करना

7.2 चिश्ती उपासनारू जियारत और कव्वाली

- मुईनुद्दीन दरगाह में 14 बार आना
- कव्वालों द्वारा रहस्यवादी गुणगान
- चिश्ती उपसना पद्धति

7.3 भाषा और सम्पर्क

- चिश्तियों द्वारा स्थानीय भाषा अपनाना
- सूफी कविता का आरंभ

7.4 सूफी और राज्य

- चिश्ती संप्रदाय द्वारा सादगी का जीवन
- सूफ संतो की धर्मनिष्ठा विद्वता उनकी लोकप्रियता का कारण आलिया का मध्यस्थ होना

8. नवीन भक्ति पंथ

- उत्तरी भारत में संवाद और असहमति

8.1 देवीय वस्त्र की बुनाई व कबीर

- कबीर बानी में तीन विशिष्ट परिपाटियों का संकलन
- कबीर द्वारा परम सत्य का वर्णन
- इस्लामी दर्शन के ईश्वरवाद को समर्थन हिन्दुओं के बहु देववाद का खंडन
- कबीर को भक्ति मार्ग पर लाने वाले गुरु रामानंद

8.2 बाबा गुरुनानक और पवित्र शब्द

- गुरुनानक द्वारा निर्गुण भक्ति का प्रचार
- भगवान उपासना के लिए निरंतर स्मरण व नाम का जाप
- आदि ग्रंथ साहिब का संकलन

8.3 मीराबाई–भक्तिमय राजकुमारी

- भक्ति परंपरा का सुप्रसिद्ध कवियत्री
- मीरा द्वारा जातिवादी सामाजिक रूढ़ियों का उल्लंघन

9. धार्मिक परंपराओं के इतिहास का पुननिर्माण

- विचारों, आस्थाओं और आचारों को समझना
- धार्मिक परंपराओं का अन्य परंपराओं के अनुसार परिवर्तित होना

vfr y?kq mÙkjh; ç'u ¼2 vad½

प्रश्न 1. इस्लाम के मुख्य चार सिद्धान्त क्या हैं ?

- एक अल्लाह व पैगम्बर में विश्वास
- नमाज (दिन में पांच बार)
- जकात (गरीबों को दान)
- हज यात्रा
- रमजान महीने में रोजे रखना

प्रश्न 2. लिंगायत समुदाय की मुख्य शिक्षाएं क्या थी ?

- जाति प्रथा का विरोध
- पुनर्जन्म पर प्रश्नचिन्ह
- बालविवाह में अविश्वास
- विधवा पुनर्विवाह को प्रोत्साहन

प्रश्न 3. चर्चा कीजिये कि अलवार, नयनार और वीर शैवों ने किस प्रकार जाति प्रथा की आलोचना प्रस्तुत की?

- विभिन्न सामाजिक समुदायों के भक्तों का आना
- जाति प्रथा के विचार व ब्राह्मणों की सत्ता को चुनौती दी

प्रश्न 4. कौन सा तमिल ग्रन्थ तमिल वेद के रूप में जाना जाता है ?

- नलयिरा दिव्य प्रश्न बन्धम
- संस्कृत के चार वेदों के समान महत्वपूर्ण

प्रश्न 5. अंडाल और करइक्काल अम्मइयार कौन थी ? उनका क्या योगदान था ?

- अंडाल– अलवार स्त्री भक्त (विष्णु की उपासक) कई कविताओ की रचनायें की
- करइक्काल अम्मइयार– नयनार स्त्री भक्त (शिव की उपासक) अपने उद्देश्य प्राप्ति हेतु घोर तपस्या का मार्ग अपनाया । दोनों स्त्री भक्तों की जीवन पद्धति व रचनाओं ने पितृसत्तात्मक आदर्शों को चुनौती दी ।

प्रश्न 6. धर्म के इतिहासकार भक्ति परंपरा को किस प्रकार बांटते है ?

- भक्ति परंपरा को दो मुख्य वर्गों में बांटा है
- सगुण भक्ति
- निर्गुण भक्ति

y?kq mÙkjh; ç'u ¼ 4 vad ½

प्रश्न 7. तमिल भक्ति संतो का चोल शासकों के ऊपर होने वाले प्रभावों का विश्लेषण कीजिये ?

- चोल शासकों द्वारा भूमिदान एवं विष्णु शिव मंदिरों का निर्माण
- शिव की नटराज रूप में धातु प्रतिमायें मंदिर में स्थापित की

- सम्राटों द्वारा दैवीय समर्थन पाने व् अपनी सत्ता के प्रदर्शन हेतु तमिल सन्तों का समर्थन
- सम्राटों द्वारा तमिल भाषा के शैव भजनों का गायन मंदिर में प्रचलित किया
- 'तवरम' ग्रन्थ के रूप में तमिल भजनों का संकलन

प्रश्न 8. शेख निजामुद्दीन औलिया के खानकाह में जीवन की मुख्य विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर यह खानकाह गियासपुर में स्थित है।

- कई छोटे कमरे एवं एक बड़ा हॉल सामूहिक प्रार्थना हेतु।
- शेख सुबह शाम आगुन्तकों से भेंट करता था।
- शरणार्थियों के लिए आश्रय स्थल
- लंगर की व्यवस्था (लोगो द्वारा दिए गए दान से)
- अनेक धनी व दरबार के अधिकारी भी शेख का आशीर्वाद लेने आए।
- कुछ विशेष परंपराओं का पालन करना।
- शेख द्वारा कई आध्यात्मिक वारिसों का चुनाव किया जाना।

प्रश्न 9. चिश्ती सूफी संतो तथा राज्य के मध्य संबंधो का विश्लेषण कीजिए।

उत्तर चिश्ती संत संयम व सादगी का जीवन जीते थे, किन्तु सत्ता वर्ग द्वारा दिए अनुदान को भी स्वीकार करते थे।

- शासकों द्वारा करमुक्त भूमि अनुदान एवं दान सम्बन्धी न्यास स्थापित करना।
- दान में मिले धन का दैनिक कार्यो के लिए प्रयोग, व्यक्तिगत प्रयोग में नहीं।
- शासकों द्वारा अपने निर्णय लेने में सूफी संतों से समर्थन प्राप्त करना।
- शासकों द्वारा सूफी दरगाहों का निर्माण में सहयोग।
- शासकों व संतों द्वारा सामान आचारों का प्रयोग करना।

प्रश्न 10. उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए कि संप्रदाय के समन्वय से इतिहासकार क्या अर्थ निकलते हैं ?

उत्तर संप्रदाय के समन्वय का अर्थ :–

- दो प्रकार की प्रक्रियाएँ प्रचलित हुईं :–
- ब्राह्मणीय विचारधारा का प्रचार
- स्त्रियों, शूद्रों व अन्य सामाजिक वर्गों की आस्थाओ व आचरणों को ब्राह्मणों द्वारा स्वीकार किया जाना।
- जगन्नाथ (उड़ीसा के प्रमुख देवता) को विष्णु के एक स्वरूप के रूप में प्रस्तुत किया जाना।
- अनेक 'महान' व 'लघु' धार्मिक विचारधाराएं एवं पद्धतियां प्रचलित हुई।
- विष्णु भगवान् को एक नए रूप में प्रस्तुत किया गया।
- स्थानीय देवी की उपासना सिन्दूर से पोते गए पत्थर के रूप में।
- स्थानीय देवियों की पौराणिक परंपरा के अनुसार देवताओं की पत्नी के रूप में मान्यता।

प्रश्न 11. सूफीवाद के चिश्ती सिलसिला के प्रसार का वर्णन कीजिए।

उत्तर भारत में सूफियो के कई सिलसिले प्रचलन में हैं ।

- भारत में चिश्ती सिलसिला सबसे अधिक प्रचलन में
- शेख मुईनुद्दीन चिश्ती जिन्हें ख्वाजा भी कहते है सबसे पहले चिश्ती संत
- अजमेर, उत्तरः–प्रदेश, बिहार, बंगाल, उड़ीसा, व दक्कन भारत चिश्ती सिलसिलों की स्थापना
- अन्य चिश्ती संत– शेख कुतबुद्दीन बख्तियार काकी, शेख फरुद्दीन गज ए शंकर, शेख निजामुद्दीन औलिया, बाबा फरीद आदि ।
- हिन्दूओं को इस्लाम में परिवर्तित करना
- अपने विचारों का जनभाषा में प्रचार
- लोगों से मिलने हेतु खानकाहों की स्थापना
- निम्न वर्गों तक इस्लाम का प्रचार
- मुल्ला अधिक लोकप्रिय
- सुल्तानों द्वारा शेखों को खानकाह का निर्माण हेतु कर मुक्त भूमिदान ।
- क्षेत्रीय भाषा में काव्य रचना ।

प्रश्न 12. भक्ति आन्दोलनों के उदय के कारणों का वर्णन कीजिए ।

उत्तर भक्ति आन्दोलनों के उदय के कारण –

- हिन्दू धर्म की कुरीतियां
- इस्लाम के प्रसार का भय
- सूफी संतों का प्रभाव
- वैष्णववाद का प्रभाव
- अनेक धर्म सुधारकों का उदय जैसे – नामदेव, रविदास, रामानंद, सूरदास, तुलसीदास, मीराबाई, कबीर, आदि ।

nh?kZ mÙkjh; ç'u ¼8 vad½

प्रश्न 13. उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिए कि क्यों भक्ति और सूफी चिंतकों ने अपने विचारों को अभिव्यक्त करने के लिए विभिन्न भाषाओं का प्रयोग किया ?

उत्तर प्रमुख कारण –

- अपनी शिक्षाओं को जनसामान्य तक पहुँचाने तथा स्थानीय लोगों द्वारा स्वीकार करने हेतु।
- चिश्ती संतों द्वारा हिन्दी का प्रयोग
- बाबा फरीद द्वारा क्षेत्रीय भाषा में काव्य रचना
- मसनवी का लेखन (लम्बी कविताए)– ईश्वर के प्रति प्रेम को मानवीय प्रेम के रूप में दर्शाना।
- उदाहरण मलिक मोहम्मद जायसी का पद्मावत

- कर्नाटक में दक्खनी (उर्दू का रूप) में लिखी छोटी कविताएँ – चिश्ती संतों द्वारा रचित लोरीनामा, शादीनामा, ऐसी ही रचनाओं के उदाहरण
- सूफी संत कर्नाटक की भक्ति परम्परा से प्रभावित लिंगायतों के कन्नड़ वचन और पढ़रपुर के संतों द्वारा लिखे मराठी के अभंगों का सूफी संतों पर प्रभाव।

eY; vkèkkfjr ç'u

प्रश्न 14. बाबा गुरुनानक का सन्देश उनके भजनों और उपदेशो में निहित है। इनसे पता लगता है कि उन्होंने निर्गुण भक्ति का प्रचार किया। धर्म के सभी बाहरी आडम्बरों को उन्होंने अस्वीकार किया जैसे यज्ञ, आनुष्ठानिक स्नान, मूर्ति पूजा व कठोर तप, हिन्दू और मुसलमानों के धर्मग्रन्थ को भी उन्होंने नकारा।

(अ) गुरुनानक की मुख्य शिक्षाएं क्या थीं ?

(आ) इस अवतरण से आपको क्या शिक्षा मिलती है ?

उत्तर (अ) गुरुनानक सभी बाहरी आडम्बरों जैसे अन्धविश्वास, जातिप्रथा, ब्राह्मणीय सर्वोच्चता के विरुद्ध मानव सेवा, आपसी प्रेम, भाईचारे को सबसे बड़ा धर्म मानना।

(आ) शिक्षा– नैतिक मूल्य –

- तर्क के आधार पर परंपराओ को अपनाना, अन्धविश्वास के आधार पर नहीं।
- मानवतावाद – सभी के साथ समानता, भाईचारे का व्यवहार।
- धर्मनिरपेक्षता– सभी धर्मो के प्रति समान सम्मान भाव रखना।

lksr vkèkkfjr ç'u

प्रश्न 15. मुगल शहजादी जहाँआरा की तीर्थ यात्रा – 1643

अल्लाहताला की तारीफ के बाद यह फकीरा जहाँआरा राजधानी आगरा से अपने पिता (बादशाह शाहजहाँ) के संग पाक और बेजोड़ अजमेर के लिए निकली चूँकि गुलाबी दुपट्टा जो मेरे सिर पर था, मै उतार चुकी थी, इसलिए उसे मैंने मुकद्दस मजार के ऊपर रखा।

(अ) अजमेर की यात्रा किसने व क्यों की ?

(आ) इस दरगाह के निर्माण के लिए किसने धन दिया? इस दरगाह पर आने वाला सर्वप्रथम शासक कौन था ?

(इ) यह दरगाह इतनी प्रसिद्ध क्यों है ?

उत्तर (अ) जहाँआरा तथा शाहजहाँ ने शेख का आशीर्वाद लेने हेतु यात्रा की।

(आ) सुल्तान गियासुद्दीन खिलजी द्वारा निर्माण, मुहम्मद बिन तुगलक पहला आने वाला शासक था।

(इ) शेख की सदाचारिता, धर्मनिष्ठा तथा उनके आध्यात्मिक वारिसों की महानता और राजसी मेहमानों द्वारा दिए गए समर्थन व सहयोग के कारण।

प्रश्न 16. भारत के मानचित्र पर 3 सूफी स्थल और 3वें स्थल जो मंदिरों (विष्णु, शिव, तथा देवी से जुडा एक मंदिर) से सम्बंधित है अंकित कीजिए ?

उत्तर तीन सूफी स्थल –

1. अजमेर – (ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती)
2. लाहौर – (दाता गंज बख्श)
3. पाक पट्टन (पाकिस्तान)– शेख फरीद शक्कर गंज)

तीन मंदिर स्थल

1. कलकत्ता – दुर्गा देवी मंदिर
2. कर्नाटक – (तन्जावुर, चिदम्बरम)–शिव (नयनार), विष्णु (अलवार) मंदिर

मानचित्र में स्वयं अंकित करें।

fo"k; & 7

,d lkezkT; dh jktèkkuh fot;uxj

(लगभग चौदहवीं से सोलहवीं सदी तक)

1. कालिन मैकेन्जी द्वारा हम्पी भग्नावेष का सर्वेक्षण

2. राय, नायक तथा सुलतान
   - विजयनगर साम्राज्य की स्थापना
   - भवन निर्माण की तकनीकों का विकास

2.1 शासक और व्यापारी
   - युद्धकला अश्वसेना पर आधारित होना
   - पुर्तगालियों द्वारा पश्चिमी तट पर व्यापारिक और सामाजिक केन्द्रों की स्थापना

2.2 राज्य का चरमोत्कर्ष तथा पतन
   - राजनीति में सत्ता के दावेदार
   - कृष्णदेव राय द्वारा राज्य का विस्तार तथा दृढ़िकरण
   - कृष्णदेव राय द्वारा माँ के नाम पर उपनगर की स्थापना
   - कृष्णदेव राय के उत्तराधिकारियों को चुनौतियों का सामना
   - तालीकोट का युद्ध
   - रामराय की जोखिम भरी नीति

2.3 राय तथा नायक
   - सेना द्वारा किलों पर नियंत्रण
   - नायक, अमरनायक की भूमिका

3. विजयनगर राजधानी तथा उसके परिच्छेद

3.1 जलसंपदा
   - कमलपुरम जलाशय का निर्माण

3.2 किलें बंदियाँ तथा सड़कें
   - फारस के शासक द्वारा अब्दुर रज्जाक को दूत के रूप में कालीकट भेजना
   - दूत का कालीकट की किलेबंदी से प्रभावित होना
   - कृषि क्षेत्रों का किलेबंद भूभाग
   - नरगीय भाग की आंतरिक किलेबंदी
   - सुरक्षित प्रवेश द्वार विशिष्ट स्थापत्य के नमूने
   - इंडो इस्लामिक शैली का प्रयोग

3.3 शेहरी केंद्र

- शहरी केंद्र का उत्तरी पूर्वी कोना अमीरों का रिहायशी क्षेत्र
- कमल कुण्ड जलाशय नगर निवासियों के पानी के स्रोत

4. राजकीय केंद्र

- संप्रदायों और मंदिरों को राजा का संरक्षण
- संरचनाओं तथा मंदिरों में अंतर

4.1 महानवमी डिब्बा

- संरचनाओं का नामकरण भवनों के आकार तथा कार्यों के आधार पर
- विशालकाय मंच

4.2 राजकीय केंद्र में स्थित अन्य भवन

- (कमल) लोटस् महल परिषदीय सदन
- मंदिर धार्मिक केंद्र तथा राजकीय केंद्र

5. धार्मिक केंद्र

5.1 राजधानी का चयन

- विरूपाक्ष मंदिर धार्मिक मान्यताओं से संबंध

5.2 गोपुरम् और मण्डप

- गोपुरम् अथवा राजकीय प्रवेश द्वार
- मंदिर परिसरों की चारित्रिक विशेषता रथ गलियां
- महलों, मंदिरों तथा बाजारों का आंकलन

vfr y?k mÙkjh; ç'u ¼2 vad½

प्रश्न 1 कॉलिन मैकेंजी कौन था ?

उत्तर 1. ईस्ट इंडिया कंपनी का एक कर्मचारी।
2. यह एक अभियंता और पुराविद थे।
3. इसी ने 1800 में हम्पी की खोज की थी।

प्रश्न 2 अमरनायक प्रणाली क्या है ?

उत्तर 1. अमरनायक प्रणाली विजयनगर साम्राज्य की एक प्रमुख राजनीतिक खोज थी।
2. इसके कई तत्व दिल्ली सल्तनत की इकता प्रणाली से लिए गए थे।

प्रश्न 3 आपके विचार में कृषि क्षेत्रो को किलेबंद भूभाग में क्यों समाहित किया जाता था ?

उत्तर 1. ताकि शत्रुओं द्वारा लंबी घेराबंदी के समय अनाज की पूर्ति निरंतर होती रहे और वो समर्पण करने से बच सकें।

y?kq mÙkjh; ç'u ¼4 vad½

प्रश्न 1 विजयनगर की जल आवश्यकताओं को किस प्रकार पूरा किया जाता था ?

उत्तर
1. जल आवश्यकता तुंगभद्रा नदी द्वारा बने प्राकृतिक कुंड से पूरी होती थी।
2. अन्य जल हौजों का भी निर्माण किया गया था।
3. कमलपुरम जलाशय इसीलिए बनाया गया था।
4. हिरिया नहर भी इसीलिए बनाई गयी थी।

प्रश्न 2 विजयनगर साम्राज्य के मंदिरों की मुख्य विशेषताओं का उल्लेख करें।

उत्तर
1. वास्तुकार इंडो–इस्लामिक वास्तुशैली से प्रभावित थे।
2. मंदिरों की विशाल संरचना।
3. गोपुरम और मंडप का निर्माण।
4. मंदिर राजाओं की शक्ति और संसाधनो के प्रतीक थे।
5. गर्भगृह के ऊपर कई मंजिलों का निर्माण जिन्हें विमान कहते हैं।
6. द्रविड़ शैली होते हुये भी इसकी अपनी विशिष्टता थी।
7. मंदिरों में कल्याण मंडप– जिसका उपयोग नृत्य, संगीत, नाटक एवं दैवीय विवाहों के आयोजन में होता था।

nh?kZ mÙkjh; ç'u ¼8 vad½

प्रश्न 1 विजयनगर साम्राज्य के पतन के लिए उत्तर–दायी प्रमुख कारणो का उल्लेख करो।

उत्तर
1. केन्द्रीय सरकार की कमजोरी।
2. कमजोर उत्तराधिकारी।
3. कई राजवशों के शासन के कारण।
4. बहमनी साम्राज्य के साथ लगातार संघर्ष।
5. सेना की भूमिका।
3. तालीकोटा का युद्ध।

प्रश्न 2:– विजयनगर साम्राज्य के प्रशासन की मुख्य विशेषताओं का उल्लेख करो।

उत्तर
1 राजा– शक्ति का केंद्र।
2. उसके सहयोगी मंत्री।
3. प्रांतीय प्रशासन।
4. स्थानीय प्रशासन।
5. न्यायिक व्यवस्था।

6. वित्तीय व्यवस्था।
7. सैन्य व्यवस्था।
8. अमरनायक प्रणाली।

प्रश्न 3 विजयनगर के महान शासक कृष्ण देव राय की उपलब्धियों का उल्लेख करो।

उत्तर

1. उसका काल विस्तार और स्थायित्व का काल।
2. व्यापक सहनशीलता
3. कई क्रमिक युद्धों के बाद विजयनगर एक शक्तिशाली सैनिक शक्ति बन गया।
4. शांति और समृद्धि।
5. प्रभावी प्रशासन।
6. उत्पादकता से पूर्ण कृषि।
7. आंतरिक और बाह्य समुद्री व्यापार में वृद्धि।
8. महान निर्माता।
9. तेलगु का विद्वान।
10. तेलगु, कन्नड एवं तमिल कवियों का आश्रयदाता।
11. न्याय प्रिय शासक।

fo"k; & 8

fd lku] tehnkj vkj jkT;

—f"k lekt vkj exy lkekT;

(लगभग सोलहवीं और सत्रहवीं शताब्दियाँ)

vfr y?k mÙkjh; ç'u ¼2 vd½

प्रश्न 1 मुगल साम्राज्य में कृषि के बारें में सूचना देने वाले किन्ही दो स्रोतो के नाम लिखो।

उत्तर
1. आइन–ए–अकबरी।
2.. विदेशी यात्रियों के विवरण।
3. ब्रिटिश भारत के रिकार्ड।

प्रश्न 2 मुगल सम्राट कृषि के विस्तार में रुचि क्यों लेते थे ?

उत्तर क्योंकि भूराजस्व उनकी आमदनी का मुख्य स्रोत था।

प्रश्न 3 खुदकाश्त और पाहिकाश्त कौन थे ?

उत्तर ये दो तरह के किसान थे–

खुदकाश्त – वे थे जो उसी गाँव में रहते थे जहां उनकी जमीन थी।

पहिकाश्त – वे खेतिहर जो दूसरे गाँव से आते थे।

प्रश्न 4 सोलहवीं–सत्रहवीं सदी में कृषि विस्तार के लिए उत्तरः–दायी करको को लिखिए।

उत्तर
1. जमीन की बहुतायत।
2. मजदूरो की मौजूदगी।
3. किसानों की गतिशीलता।
4. सिचाई के साधन।

प्रश्न 5 क्या 16 वीं एवं 17 वीं सदी के गाँवों को एक छोटा गणराज्य कहना उचित है ?

उत्तर नही, क्योंकि संपत्ति की व्यक्तिगत मिल्कियत थी। जाति, लिंग के आधार पर गहरा भेदभाव था। शक्तिशाली समूह कमजोर वर्ग का शोषण करता था।

y?k mÙkjh; ç'u ¼4 vd½

प्रश्न 1 ग्राम पंचायत और उसके प्रमुख की भूमिका का उल्लेख करें।

उत्तर
1. पंचायत का प्रधान एक मुखिया होता था।
2. पंचायत का खर्च चलाने में सभी योगदान करते थे।
3. गाँव में जाने वाले राजस्व अधिकारियों की खातिरदारी।
4. समुदाय हित के कार्य।

5. जाति के दायित्वों को पूरा करना।
6. लोगो के आचरण पर नजर रखना।
7. जुर्माना लगाने और दंड देने का अधिकार।

प्रश्न 2 कृषि उत्पादन में महिलाओं के योगदान का उल्लेख करें।

उत्तर
1. खेतों में पुरुषो के साथ काम करना।
2. बुआई, निराई, कटाई तथा मड़ाई का कार्य।
3. सूत कातना, वर्तन बनाना, कपड़ों पर कढ़ाई करना।
4. अन्य दूसरे कृषि कार्य में सहयोग।

प्रश्न 3 मुगलों की भूराजस्व व्यवस्था का संक्षेप में वर्णन करें।

उत्तर
1. आमदनी का मुख्य स्रोत।
2. इसके दो चरण थे (अ) कर निर्धारण (ब) वास्तविक वसूली।
3. कृषि उत्पादन पर नियंत्रण एवं कर निर्धारण।
4. अमल गुजार राजस्व अधिकारी।
5. करों का भुगतान नगद अथवा फसल के रूप में।
6. भूमि की पैमाइश तथा वर्गीकरण।
7. भूमि की उर्वरता के आधार पर कर।

nh?kZ mÙkjh; ç'u ¼8 vad½

प्रश्न 1 मुगल भारत में जमींदारों की भूमिका का उल्लेख करें।

उत्तर
1. उत्पादन में सीधे भाग न लेने के बावजूद उत्पादन पर नियंत्रण।
2. जमीन के मालिक जो इसे बेच भी सकते थे।
3. उन्हे कई सामाजिक और आर्थिक विशेषाधिकार प्राप्त थे।
4. उच्च्य जाति समबद्ध।
5. राज्य को अपनी सेवाएँ देते थे।
6. भूराजस्व वसूलने का अधिकार।
7. सैनिक संसाधन पर नियंत्रण।
8. कृषि भूमि के विकास में योगदान।
9. समाज में ऊंची हैसियत।

प्रश्न 2 मनसबदारी प्रथा क्या है ? इसके गुण–दोष पर प्रकाश डालिए।

उत्तर
1. अकबर के काल में प्रचलित
2. सभी सरकारी अधिकारियों के दर्जे और पदों में दो तरह के ओहदे थे – जात और सवार।
3. जात पद और वेतन का सूचक। सवार–घुड़सवारों की संख्या।

गुणः– 1. दर्जे योग्यता से मिलते थे

2. सैन्य सेवाएँ उपलब्ध।

3. विद्रोह रोकने मे सहायक।

4. भष्टाचार रोकने मे सहायक।

दोषः– 1. विलासी जीवन।

2. पैसे का दुरुपयोग।

3. सिपाहियों की वफादारी मनसबदारों मे।

प्रश्न 3 आइन–ए–अकबरी आज भी महत्वपूर्ण है। क्यों ?

उत्तर 1. क्योंकि यह पूरे मुगल साम्राज्य की झांकी प्रस्तुत करता है।

2. उस समय की महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाओं की जानकारी।

3. राज्य, लोगों तथा उत्पादन की जानकारी।

4. विभिन्न रीति–रिवाजों, साहित्य, धर्म तथा परम्पराओं की जानकारी।

5. मुगल प्रांतो के बारे मे सूचना।

lkr vkèkkfjr ç'u ¼fo"k; 8 dk 5ok lkr½

प्रश्न 1 अकबर द्वारा भूमिवर्गीकरण की व्याख्या करें।

उत्तर पोलज, परौती, चचर, बंजर।

प्रश्न 2 दो किस्म की भूमियों का कर कैसे निर्धारित किया जाता था ?

उत्तर दोनों किस्मों की भूमियों के उत्पादन को मिलाकर फिर एक तिहाई कर वसूलना।

प्रश्न 3 कृषि के भूराजस्व के कुछ अन्य तरीके अपने आप सुझाइये।

उत्तर ककूत।

fo"k; & 9

'kkld vkSj bfroÙk

eqxy njckj

(लगभग सोलहवीं और सत्रहवीं शताब्दियाँ)

vfr y?kq mÙkjh; ç'u ¼2 vad½

प्रश्न 1. मुगल इतिवृत्त क्या है ?

उत्तर 1. मुगलों द्वारा तैयार कराये गये।

2. साम्राज्य और उसके दरबार के अध्ययन के महत्वपूर्ण स्रोत।

प्रश्न 2 सुलह–ए–कुल क्या है ?

उत्तरः–ः– 1. अकबर की धार्मिक नीति।

2. इसका अर्थ है पूर्ण शान्ति।

3. इसका आदर्श था – शान्ति और स्थायित्व के स्रोत के रूप में बादशाह सभी धार्मिक और नृजातीय समूहों से ऊपर था, वह शान्ति एवं न्याय सुनिश्चित करता था।

प्रश्न 3 "किताबखाना" क्या था ?

उत्तर 1. शाब्दिक अर्थ पुस्तकालय।

2. यह एक ऐसी जगह थी वहाँ बादशाह की पांडुलिपियों का संग्रह रखा और नई पांडुलिपियों की रचना की जाती थी।

y?kq mÙkjh; ç'u ¼4 vad½

प्रश्न 1 अकबरनामा किसने लिखा ? संक्षेप में इसकी विषयवस्तु का उल्लेख करें।

उत्तर 1. इसे अबुल फजल ने लिखा।

2. तीन जिल्दों में विभाजित। जिनमें प्रथम दो इतिहास, तीसरी जिल्द आइन–ए–अकबरी है।

3. पहली जिल्द में आदम से लेकर अकबर के जीवन के एक खगोलीय कालचक्र तक का मानव इतिहास।

4. दूसरी जिल्द अकबर के 46वें शासन वर्ष (1601) पर खत्म होती है।

5. अकबर के काल का विस्तृत विवरण।

6. सामाजिक, प्रशासनिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक जानकारी।

प्रश्न 2 दीन–ए–इलाही के आदर्शों को संक्षेप में उल्लेख करो।

उत्तर 1. अकबर द्वारा राजधर्म के रूप में प्रचलित।

2. ईश्वर एक है। अकबर पैगंबर के प्रतिनिधि।

3. अल्लाह–उ–अकबर का उच्चारण।
4. इसके अनुयायियों द्वारा अग्नि को पवित्र एवं सूर्य देवता की पूजा। शाकाहारी।
5. सभी धर्मों का सम्मान।
6. जीवन भर अपने संकल्पों का पालन।

प्रश्न 3 मुगलकाल में शासको का समूह कैसा था ?

उत्तर
1. मुगल आभिजात वर्ग में विभिन्न नृजातीय तथा धार्मिक समूहों से नियुक्ति होती थी।
2. यह एक गुलदस्ते की तरह था।
3. तुरानी, ईरानी, राजपूत भारतीय मुसलमान इसमे शामिल थे।

प्रश्न 4 संक्षेप में मुगल प्रांतीय प्रशासन के बारें में लिखो।

उत्तर
1. प्रांतीय सरकार का प्रमुख गवर्नर (सूबेदार) होता था।
2. गवर्नर सीधा बादशाह को प्रतिवेदन प्रस्तुत करता था।
3. प्रांत – सरकारों में बंटे थे।
4 सरकार – परगनों में विभाजित थे जो कानूनगो, चौधरी, और काजी की देखरेख में थे।
5. प्रत्येक विभाग को कार्यालयी लिपिकों की सहायता प्राप्त थी।

प्रश्न 5 अकबर की धार्मिक नीति को संक्षेप में लिखो।

उत्तर
1. अकबर सभी धर्मो को सम्मान समझता था।
2. धर्म निरपेक्ष दृष्टिकोण।
3. विभिन्न धर्मों के लोगो से संवाद।
4. सभी धार्मिक संप्रदायों को स्वतन्त्रता।
5 सभी धर्मों को आर्थिक सहायता।
6 सुलह–ए–कुल का आदर्श।

nh?kZ mÙkjh; ç'u ¼8 vad½

प्रश्न 1 मुगलों के अंतर्गत वास्तुकला का संक्षेप में उल्लेख करो ?

उत्तर
1. बाबर हुमायूँ को निर्माण का समय ही नही मिला।
2. अकबर ने आगरे का किला, फतेहपुर सीकरी में नयी राजधानी, बुलंद दरवाजा, सलीम चिश्ती का मकबरा।
3. पंचमहल, जोधाबाई एवं बीरबल का महल बनवाया।
4. जहांगीर ने अकबर का मकबरा – सिकंदरा आगरा मे बनवाया।

5. शाहजहाँ– जामा मस्जिद, लाल किला, ताजमहल।
6. औरंगजेब – शाही मस्जिद लाहौर।

प्रश्न 2 मुगल राजस्व के आदर्श के तत्वों का संक्षेप में उल्लेख करो।

उत्तर

1. दैवीय प्रकाश की अवधारणा – इसके अनुसार एक पदानुक्रम के तहत यह दैवीयप्रकाश राजा में संप्रेषित होता था जिसके बाद राजा अपनी प्रजा के लिए आध्यात्मिक मार्गदर्शन का स्रोत बन जाता था।
2. एकीकरण का स्रोत – सुलह–ए–कुल।
3. सुलह–ए–कुल का आदर्श लागू किया गया।
4. मुगल अभिजात वर्ग में सभी वर्गों को शामिल करना।
5. धर्मनिरपेक्ष धार्मिक नीति।
6. सामाजिक अनुबंध के रूप में न्यायपूर्ण।

प्रश्न 3 मुगल दरबार के दैनिक कार्यों तथा विशेष उत्सवों के बारे में उल्लेख करे।

उत्तर

1. शासक पर केन्द्रित दरबार की भौतिक व्यवस्था ने शासक के अस्तित्व को समाज के हृदय के रूप में प्रदर्शित किया।
2. राजसिंहासन सत्ता का केंद्र।
3. दरबार में किसी की हैसियत – उसके राजा के पास या दूर बैठने से निर्धारित।
4. शासक को किए गए अभिवादन।
5. दरबारी समाज में सामाजिक नियंत्रण का व्यवहार।
6. राजनयिक दूतों संबंधी नयाचारों में सुस्पष्टता।
7. बादशाह के दिन की शुरुआत व्यक्तिगत धार्मिक प्रार्थनाओं से फिर झरोखा दर्शन।
8. इसके बाद सरकार के प्राथमिक कार्यों का संचालन।
9. गोपनीय विषयों पर चर्चा।
10. त्योहारों/उत्सवों को मनाना।

fo"k; & 10

mifuos'kokn vkSj nsgkr

ljdkjh vfHkys[kksa dk vè;;u

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

vfr y?kq mÙkjh; ç'u ¼2 vad½

प्रश्न 1 अनेक जमींदारियों को स्थायी बंदोबस्त के बाद क्यों नीलाम किया गया ?

उत्तर कृषि उत्पादों की कीमतें बहुत कम थी। ईस्ट इंडिया कम्पनी ने लगान की उच्च मात्रा निर्धारित कर दी थी।

प्रश्न 2 जमींदारों को नियंत्रित करने के लिए ईस्ट इंडिया कम्पनी ने क्या कदम उठाए

उत्तर
1. जमींदारों की सेनाओं को भंग कर दिया गया।
2. न्यायालयों को अंग्रेज कलेक्टरों के नियंत्रण में कर दिया गया।

प्रश्न 3 जोतदारों ने जमींदारों का किस प्रकार प्रतिरोध किया ?

उत्तर
1. उन्होंने जमींदारों को अपने कर्तव्य पूरा करने से रोका।
2. उन्होंने किसानों को जमींदारों के विरूद्ध संगठित किया।

प्रश्न 4 कब और किसने स्थायी बंदोबस्त लागू किया ?

उत्तर लार्ड कार्नवालिस ने 1793 ईस्वी में स्थायी बंदोबस्त लागू किया था।

प्रश्न 5 रैयतवाड़ी व्यवस्था के क्या अवगुण थे ?

उत्तर भूराजस्व अत्यधिक था। लगान चुकाना अनिवार्य था।

प्रश्न 6 पाँचवीं रिपोर्ट क्या थी ?

उत्तर ईस्ट इंडिया कम्पनी की प्रशासनिक गतिविधियों के बारे में 1813 में पाँचवीं रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी।

y?kq mÙkjh; ç'u ¼4 vad½

प्रश्न 7 18वीं शताब्दी में अंग्रेजों द्वारा पहाड़ियों के प्रति अपनाई गई नीतियों की परख कीजिए।

उत्तर
1. अंग्रेजों ने सर्वप्रथम उन्मूलन की नीति अपनाई।
2. भागलपुर के कलेक्टर क्लीवलैण्ड ने शांति स्थापना की नीति अपनाई।
3. शांति स्थापना की नीति के तहत पहाड़ी मुखियाओं को अपने लोगों को अनुशासन में रखने के लिए कहा गया।
4. पहाड़िया लोगों ने पहाड़ों और गहरे वनों में जाकर बाहरी लोगों के प्रति लगातार संघर्ष की नीति बनाए रखी।

प्रश्न 8 दामिन–ए–कोह क्या था? 18वीं शताब्दी के दौरान संथालों ने अंग्रेजों का प्रतिरोध क्यों किया ?

उत्तर दामिन–ए–कोह अंग्रेजों द्वारा संथालों को दिया गया विशाल क्षेत्र था। औपनिवेशिक सरकार ने उनकी भूमि पर अधिक कर लगा दिए थे। साहूकार ब्याज की उच्च दरें वसूल कर रहे थे। साहूकार उनकी जमीनें छीन रहे थे। जमींदार उनके प्रदेशों पर नियंत्रण का दावा कर रहे थे।

प्रश्न 9 जमींदार अपनी जमींदारियों पर किस प्रकार नियंत्रण बनाए रखते थे ?

उत्तर
1. बेनामी बिक्री से सम्पत्ति कम कीमतों में जमींदार के पास आ जाती थी।
2. नए जमींदारों पर पुराने जमींदारों ने हमले किए।
3. किसानों ने बाहरी लोगों का प्रतिरोध किया।
4. कुछ जमींदारिया महिलाओं की सम्पत्ति घोषित कर दी गई।

प्रश्न 10 जोतदार जमींदार से अधिक शक्तिशाली क्यों थे ?

उत्तर
1. जमींदारों के पास विस्तृत भूक्षेत्र था।
2. वह स्थानीय ऋणदाता था।
3. वह स्थानीय व्यापारी था।
4. जोतदार गाँव में रहता था।
5. जोतदार जमींदारों को अपने कर्तव्य पूरे नहीं करने देता था।

प्रश्न 11 अमेरिकी गृहयुद्ध ने भारत में रैयत समुदाय के जीवन को किस प्रकार प्रभावित किया ?

उत्तर
1. बम्बई के व्यापारियों ने किसानों को अधिक कपास उगाने के लिए प्रोत्साहित किया।
2. साहूकार लम्बी अवधि के ऋण देने के लिए तैयार हो गए।
3. 1860–1864 के मध्य कपास उत्पादक क्षेत्र दुगना हो गया।
4. सरकार किसानों से अधिक भूराजस्व वसूलने लगी।
5. केवल धनी किसानों को लाभ प्राप्त हुआ।

प्रश्न 12 किसानों का इतिहास लिखने में सरकारी स्रोतो के उपयोग के बारे में क्या–क्या समस्याएँ आती हैं?

उत्तर
1. सरकारी स्रोतों घटनाओं के बारे में सरकारी सरोकार और अर्थ प्रतिबिम्बित करते हैं।
2. सरकार इस बात से सहमत नहीं थी कि उसकी कार्यवाहियों से असंतोष पैदा हुआ।
3. सरकारी स्त्रोतों को अखबारों, गैर सरकारी विवरणों, कानूनी विवरणों से प्रमाणित करना चाहिए।

nh?kZ mÙkjh; ç'u ¼8 vad½

प्रश्न 13 पहाड़िया लोगों की आजीविका संथालों की आजीविका से किस रूप में भिन्न थी ?

उत्तर
1. पहाड़िया स्थानांतरी कृषि करते थे और जंगली पदार्थों से निर्वाह करते थे। संथाल स्थायी कृषक थे।

2. पहाड़िया लोगों की खेती कुदाल पर आश्रित थी। संथाल हल से खेती करते थे। (3) खेती के अलावा जंगली पदार्थ भी पहाड़िया लोगों के जीवन निर्वाह के साधन थे। संथालों ने यायावर जीवन त्याग कर स्थायी कृषक का जीवन अपना लिया था। (4) अपने व्यवसायों के कारण पहाड़िया लोगों का जीवन घनिष्ट रूप से जंगल से जुड़ा हुआ था। संथाल एक निश्चित क्षेत्र में रहते थे। (5) पहाड़िया मैदानों में भोजन, ताकत और कर के लिए लगातार हमले करते रहते थे। संथाल अंग्रेजों, साहूकारों और व्यापारियों के साथ घनिष्ट संबंध रखते थे। (6) पहाड़िया बाजार में बेचने के लिए जंगली पदार्थों का संग्रह करते थे, परन्तु संथाल इसे पसंद नहीं करते थे।

प्रश्न 14 दक्कन के रैयत ऋणदाताओं के प्रति क्रूद्ध क्यों थे ?

उत्तर
1. रैयतवाड़ी भूराजस्व व्यवस्था किसान और सरकार के मध्य की गई सीधी भूराजस्व व्यवस्था थी।
2. किसान को अनेक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए धन की आवश्यकता थी।
3. उसके एक बार साहूकार के चंगुल में फस जाने पर उससे निकलना कठिन था।
4. कर्ज चुकाने पर असमर्थ होने पर उसे साहूकार को अपना सर्वस्व देना पड़ता था।
5. वह साहूकार से जमीन और जानवर किराये पर लेता था।
6. साहूकार ऋण के भुगतान के समय रसीद नहीं देता था।
7. अनुबंध पत्रों में जाली आँकड़े भर दिए जाते थे।
8. किसानों की फसलों का कम दाम आंका जाता था।
9. सरकार ने भूराजस्व 50 से 100 प्रतिशत तक बढ़ा दिया था।
10. अमेरिका गृहयुद्ध के बाद साहूकारों ने अग्रिम ऋण देना बंद कर दिया था।
11. ऋणदाताओं ने प्रति तीसरे वर्ष अनुबंध पत्रों का नवीनीकरण करना शुरू कर दिया था।

uhps fy[kk lkr dk i<dj ç'uk d mÙkj nhft;A

16 मई, 1875 को पूना के जिला मजिस्ट्रेट ने पुलिस आयुक्त को लिखाः

शनिवार दिनांक 15 मई को सूपा में आने पर मुझे इस उपद्रव का पता चला। एक साहूकार का घर पूरी तरह जला दिया गया। लगभग एक दर्जन मकानों को तोड़ दिया गया और उनमें घुसकर वहाँ के सारे सामान को आग लगा दी गई। खाते पत्र, बांड, अनाज, देहाती कपड़ा सड़कों पर लाकर जला दिया गया। वहाँ राख के ढ़ेर अब भी देखे जा सकते हैं। मुख्य कांस्टेबल ने 50 लोगों को गिरफ्तार किया। लगभग 2000 रु. का चोरी का माल छुड़ा लिया गया। अनुमानतः 25000 रु. से अधिक की हानि हुई। साहूकारों का दावा है कि 1 लाख रु. से ज्यादा का नुकसान हुआ।

प्रश्न 1 कहाँ और कैसे दक्कन में विद्रोह हुए ?

उत्तरः उपद्रव पूना जिले के एक बड़े गाँव सूपा में शुरू हुआ। यह एक विपणन केन्द्र था जहाँ अनेक व्यापारी और साहूकार रहते थे। 12 मई 1875 को आसपास के ग्रामीण इलाकों के रैयत इकट्ठा हो गए, उन्होंने साहूकारों से उनके बहीखातों और ऋणबंधों की मांग करते हुए उन पर हमला बोल दिया, उन्होंने अनेक बहीखाते जला दिए और अनाज की दुकानें लूट ली।

प्रश्न 2 विद्रोह को कुलचने के लिए अंग्रेजों ने क्या कदम उठाए ?

उत्तरः अंग्रेजों ने गाँव में पुलिस स्टेशन स्थापित किया। सेनाएँ बुला ली गई। 95 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया और उनमें से बहुतों को दंडित किया गया।

प्रश्न 3 किसानों द्वारा विद्रोह करने के दो कारण बताओ ?

उत्तरः भूराजस्व की दर अधिक थी और वसूली का तरीका कठोर था। ऋणदाता कानूनों का दुरूपयोग और बहीखातों में हेराफेरी करते थे।

fo"k; & 11

foækgh vkj jkT;

1857 dk vknkyu vkj mld O;k[;ku

vfr y?kq mÙkjh; ç'u ¼2 vd½

प्रश्न 1 सहायक संधि किसने लागू की थी। इसे स्वीकार करने वाले चार राज्यों के नाम बताओ ?

उत्तर लॉर्ड वेलेजली ने सहायक संधि लागू की थी। प्रारम्भिक सहायक राज्य हैदराबाद, अवध, मैसूर, सूरत, तंजोर थे।

प्रश्न 2 1857 के विद्रोह के दो सैनिक कारण बताओ ?

उत्तर (1) ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा उच्चता की भावनाएँ दिखाई जा रही थी।

(2) चर्बी लगे कारतूस।

प्रश्न 3 अवध में विद्रोह व्यापक क्यों था ?

उत्तर (1) अंग्रेजों ने नवाब वाजिद अलीशाह को गद्दी से हटा दिया था।

(2) जमींदार, तालुकेदार और किसान अंग्रेजों को पसंद नहीं करते थे।

प्रश्न 4 1857 के विद्रोह के दो आर्थिक कारण बताओ ?

उत्तर (1) किसानों का अंग्रेजों और साहूकारों द्वारा शोषण हो रहा था।

(2) शिल्पकार बेरोजगार थे।

प्रश्न 5 विलय नीति क्या थी?

उत्तर प्राकृतिक उत्तराधिकारी के अभाव में देशी राज्य ब्रिटिश साम्राज्य में विलय हो जाते थे।

प्रश्न 6 1857 के विद्रोह के कौन से चार केन्द्र अंग्रेजों के विरूद्ध अधिक आक्रामक थे ?

उत्तर दिल्ली, लखनऊ, कानपुर, झाँसी, ग्वालियर।

प्रश्न 7 बहुत सारे स्थानों पर विद्रोही सिपाहियों ने नेतृत्व संभालने के लिए पुराने शासकों से क्यों आग्रह किया ?

उत्तर (1) देशी राजा लोगों के स्वाभाविक नेता थे।

(2) उनका विश्वास था कि हिन्दू मुस्लिम एकता जरूरी थी।

(3) वे अंग्रेजों के पहले के संसार की पुनः स्थापना चाहते थे।

(4) दिल्ली मुगलकाल में भारत की राजधानी थी और अंतिम मुगल बादशाह वहीं रहता था। अतः उसे विद्रोहियों ने नेतृत्व संभालने का आग्रह किया।

(5) अधिकतर राजाओं के पास नेतृत्व और संगठन का अनुभव था।

प्रश्न 8 विद्रोहियों के बीच एकता स्थापित करने के लिए क्या उपाय किए गए ?

उत्तर (1) हिन्दूओं और मुसलमानों ने समान रूप से बहादुर शाह से नेतृत्व स्वीकार करने के लिए आग्रह किया।

(2) विद्रोह के दौरान जारी की घोषणाओं में सभी वर्गों से समान रूप से अपील की गई।

(3) सभी समुदायों की भावनाओं का सम्मान किया गया।

(4) पोस्टरों द्वारा अंग्रेजों के पूर्व के काल को गौरवान्वित किया गया।

(5) सैनिक नियंत्रण समिति में हिन्दूओं और मुसलमानों को बराबर प्रतिनिधित्व दिया गया।

प्रश्न 9 अंग्रेजों ने विद्रोह कुचलने के लिए क्या कदम उठाए ?

उत्तर (1) समस्त उत्तरी भारत में मार्शल लॉ लगा दिया गया।

(2) सभी अंग्रेजों को भारतीयों को दंडित करने का अधिकार दिया।

(3) कानून और मुकदमें की सामान्य प्रक्रिया बंद कर दी गई।

(4) ब्रिटिश सेना ने अनेक दिशाओं से मदद की।

(5) अनेक देशी राजाओं ने विद्रोहियों के विरूद्ध मदद की।

(6) विद्रोहियों को क्रूरतापूर्वक दंडित किया गया।

प्रश्न 10 1857 के विद्रोह को निर्धारित करने में धार्मिक विश्वासों की किस हद तक भूमिका थी ?

उत्तर (1) साधारण भारतीय बिना किसी भेदभाव की नई शिक्षा के विरूद्ध थे।

(2) मिशनरी स्कूलों में बाईबल का अध्ययन अनिवार्य था।

(3) जेलों में ईसाई धर्म का प्रचार सामान्य बात थी।

(4) ईसाई धर्म स्वीकार करने वालों को पैतृक सम्पत्ति में हिस्सेदार बनाने के लिए एक कानून पास किया गया।

(5) सामान्य सेवा भर्ती अधिनियम के अनुसार सैनिकों को भारत के किसी भी हिस्से में सेवा के लिए भेजा जा सकता था।

(6) सरकार ने पुरानी राइफलों को नई राइफलों से बदलने का निश्चय किया।

प्रश्न 11 उन साक्ष्यों के बारे में चर्चा कीजिए जिनसे पता चलता है कि विद्रोही योजनाबद्ध और समन्वित ढंग से काम कर रहे थे ?

उत्तर (1) अधिकतर छावनियों के सैनिक विद्रोह कर रहे थे।

(2) मेरठ में विद्रोह करने के बाद विद्रोहियों ने दिल्ली की ओर रूख किया। वे मुगल बादशाह का समर्थन चाहते थे

(3) संदेशवाहक एक स्थान से दूसरे स्थान पर संदेशों का संचार कर रहे थे।

(4) देशी अफसरों की पंचायतों का रात में आयोजन होता था और सामूहिक निर्णय लिए जाते थे।

(5) चपाती एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजना सामान्य बात थी। (6) नया प्रशासन स्थापित किया गया।

प्रश्न 12 1857 के विद्रोह की मजबूतियाँ और कमियाँ क्या थीं ?

उत्तर मजबूतियाँ–

(1) हिन्दूओं और मुसलमानों में सहयोग

(2) सामान्य लोग भी विद्रोह कर रहे थे

(3) सभी विद्रोही स्वतंत्रता चाहते थे।

कमियाँ–

(1) विद्रोह का सभी क्षेत्रों में प्रसार नहीं हो सका,

(2) सभी समुदायों ने समर्थन नहीं किया,

(3) अनेक राजा अंग्रेजों के समर्थक थे,

(4) विद्रोही नेता परस्पर संदेह और ईर्ष्या करते थे,

(5) विद्रोही सैनिक सुसज्जित नहीं थे।

nh?kZ mÙkjh; ç'u ¼8 vad½

प्रश्न.13 विद्रोह अवध में इतना व्यापक क्यों था ? किसान, तालुकदार और जमींदार उसमें क्यों शामिल हुए ?

उत्तर (1) अवध के सभी लोग अंग्रेजों की शोषण करने वाली व्यवस्था के विरोधी थे।

(2) वाजिद अली शाह लोकप्रिय शासक था और उसके अनेक पुत्र थे परन्तु अंग्रेजों ने उसे शासन से हटा दिया।

(3) अवध के सभी लोग नवाब की सत्ता पुनः स्थापित करना चाहते थे।

(4) बेगम हजरत महल विद्रोहियों की नेता थी।

(5) अनेक बड़े विद्रोही नेता अवध में काम कर रहे थे।

(6) सभी लोग असंतुष्ट थे।

(7 ताल्लुकेदारों की सेनाओं का विघटन कर दिया गया और उनके किले नष्ट कर दिए गए। ताल्लुकेदार एकमुश्त बंदोबस्त से बुरी तरह प्रभावित हुए

(8) अंग्रेजों ने जमींदारों की जमींदारियाँ छीन ली थी। जमींदार अंग्रेजों की गतिविधियाँ पसन्द नहीं करते थे।

(9) किसान 50: भूराजस्व पसन्द नहीं करते थे। लगान जमा कराना अनिवार्य था, इसलिए किसान अपनी सम्पत्तियाँ बेच रहे थे।

प्रश्न 14 विद्रोही क्या चाहते थे? विभिन्न सामाजिक दृष्टि में कितना फर्क था ?

उत्तर (1) विद्रोही भारत से अंग्रेजी शासन का खात्मा चाहते थे और भारत में अंग्रेजों के पहले के संसार की स्थापना चाहते थे।

(2) सभी वर्गों के हितों को चोट पहुँची थी। इससे सभी वर्गों में सामान्य असंतोष का विकास हो गया था।

(3) राजा और जागीरदार अपने राज्यों और जागीरों को पुनः पाना चाहते थे।

(4) भारतीय व्यापारी व्यापार में रियासतें चाहते थे। वे अपने बहीखातों और लेनदेन में हस्तक्षेप नहीं चाहते थे।

(5) किसान उदार भूराजस्व उदार वसूली के साधनों के साथ चाहते थे। वे जमींदारों और साहूकारों द्वारा किए जा रहे शोषण को समाप्त कराना चाहते थे।

(6) सरकारी नौकर उत्तम आदर, वेतन, शक्ति और गरिमा चाहते थे।

(7) भारतीय दस्तकार और कारीगर उत्तम व्यावसायिक परिस्थितियाँ चाहते थे।

(8) पंडित, फकीर और विद्वान लोग भारतीय संस्कृति और धर्म की रक्षा चाहते थे।

प्रश्न 15 1857 के विद्रोह के बारे में चित्रों से क्या पता चलता है ? इतिहासकार इन चित्रों का किस तरह विश्लेषण करते हैं ?

उत्तर (1) अंग्रेज चित्रकारों ने अंग्रेजों को हीरो के रूप में दिखाया।

(2) थॉमस जोन्स द्वारा बनाया चित्र द रिलीफ आफ लखनऊ त्राता के रूप में प्रसिद्ध है।

(3) कोलिन केम्पबेल और जैम्स ओट्रम ने विद्रोहियों को कुचलते हुए लखनऊ पर पुनः अधिकार किया था। लखनऊ की पुनर्विजय को पुनःजीवन, नायकाई प्रतिरोध और सम्पूर्ण विजय के रूप में देखा गया।

(4) इन मेमोरियम जोसेफ नोएल का प्रसिद्ध चित्र था। उसने अंग्रेज महिलाओं और बच्चों की असहायवस्था को व्यक्त किया।

(5) मिस व्हीलर को रक्षात्मक नायिका के रूप में चित्रित किया गया।

(6) रानी लक्ष्मीबाई को वीरांगना के रूप में चित्रण से भारतीयों को संघर्ष की प्रेरणा मिली।

(7) अंग्रेजों के निर्दयी चित्र बदला लेने की भावना से प्रेरित थे।

(8) भारतीय सैनिकों के क्रूर चित्र अंग्रेजों के विरूद्ध मजबूती के प्रतीक थे।

(9) भारतीय चित्रकारों ने राष्ट्रीयता और देशभक्ति को प्रोत्साहन दिया।

fo"k; & 12

vkifuosf'kd 'kgj

uxjhdj.k] uxj&;kstuk] LFkkiR;

egRoi.kZ fcUnq

स्त्रोतः— 1. ईस्ट इंडिया कंपनी के रिकार्ड

2. जनगणना रिपोर्ट

3. नगरपालिकाओं के रिपोर्ट

- 1900—1940 तक नगरीय जनसख्या 10 प्रतिशत से बढकर 13 प्रतिशत हो गई।
- 18 वीं शताब्दी के अंत तक मद्रास, बम्बई तथा कलकत्ता महत्वपूर्ण बंदरगाह नगर के रूप में विकसित हो चुके थे
- यातायात के नए साधनों जैसे ट्राम, बसे, घोड़े गाड़ियाँ इत्यादि ने लोगों को अपने घरों से दूर काम करने के स्थान पर जाना संभव बना दिया।
- कई भारतीय शासकों ने यूरोपीय भवन निर्माण शैली को आधुनिकता तथा साम्यता का प्रतीक माना तथा इस शैली के भवन बनवाकर अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने का प्रयास किया।
- स्थानीय लोगों की बस्तियों को "ब्लैक टाउन" कहा जाता था। अंग्रेजो की बस्तियों को ब्लैक टाउन से अलग रखने क्र लियर बीच में दीवार बनाई गई थी।
- पेठ एक तमिल शब्द है जिसका मतलब होता है बस्ती, जबकि पुरम शब्द गाँव के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

vfr y?kq mÙkjh; ç'u ¼2 vad½

प्रश्न 1 जनगणना के क्या उद्देश्य थे ?

उत्तर (1) शहरीकरण का अध्ययन

(2) ऐतिहासिक परिवर्तनों को जानना।

प्रश्न 2 हिल स्टेशनों के गुण बताओ ?

उत्तर (1) वे सीमाओं की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण थे।

(2) वे स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए लाभदायक थे।

प्रश्न 3 औपनिवेशिक काल में उदित हुए दो औद्योगिक शहरों के नाम बताओ ?

उत्तर (1) कानपुर चमड़ा, ऊनी और सूती वस्त्र उद्योग में अग्रणी था।

(2) जमशेदपुर लौह एवं इस्पात उद्योग में अग्रणी था।

प्रश्न 4 रेलों ने शहरों को किस प्रकार प्रभावित किया ?

उत्तर (1) जमालपुर, बरेली, वालतेयर जैसे शहरों का विकास हुआ।

(2) कुछ औद्योगिक केन्द्रों का विकास हुआ।

प्रश्न 5 शहरों और गाँवों में क्या अंतर था ?

उत्तर (1) गाँवों में लोग कृषि और पशुपालन से जीवन निर्वाह करते हैं।

(2) शहरों के लोग अनेक व्यवसाय करते हैं–जैसे सेवायें, व्यापार, दुकानदारी और उद्योग।

प्रश्न 6 अंग्रेजों ने नगर नियोजन का कार्य अपने हाथों में क्यों रखा ?

उत्तर (1) अंग्रेज भारतीयों से दूर अलग और सुरक्षित आवासों में रहना चाहते थे।

(2) अंग्रेज सभी बीमारियों से मुक्त साफ और स्वास्थ्यप्रद शहर चाहते थे।

y?kq mÙkjh; ç'u ¼4 vad½

प्रश्न 7 औपनिवेशिक संदर्भ में शहरीकरण के रूझानों को समझने के लिए जनगणना संबंधी आंकड़े किस हद तक उपयोगी थे ?

उत्तर (1) अंग्रेजों को विभिन्न शहरों में रहने वाले गोरे और काले लोगों के बारे में सूचनाएँ मिलीं।

(2) अंग्रेजों को शहरों के विस्तार के बारे में जानकारी मिली।

(3) अंग्रेजों को लोगों के जीवन स्तर के बारे में जानकारी मिली।

(4) अंग्रेजों को अनेक बीमारियों के बारे में सूचना मिली।

(5) जनगणना के आंकड़ों से उम्र, लिंग, जाति और व्यवसायों के बारे में जानकारी मिली।

(6) जनगणना के आंकड़ों को समाजिक आंकड़ों में बदला जा सकता था।

प्रश्न 8 औपनिवेशिक शहरों में रिकार्ड संभालकर क्यों रखे जाते थे ?

उत्तर (1) अंग्रेजी शासन आंकड़ों और सूचनाओं पर आधारित था।

(2) अंग्रेज व्यावसायिक गतिविधियों के लिए व्यापारिक गतिविधियों के लिए अधिक जानकारी पाना चाहते थे।

(3) वे शहरों का विस्तार और गति को नियंत्रित करना चाहते थे।

(4) वे मजबूत प्रशासन के लिए रिकार्ड संभालकर रखते थे।

(5) जनसुविधाओं का विस्तार करने के लिए रिकार्ड जरूरी थे।

(6) अनुभवों के लिए रिकार्ड जरूरी थे।

प्रश्न 9 व्हाइट और ब्लैक टाउन शब्दों का क्या महत्व था ?

उत्तर व्हाइट टाउन–

(1) औपनिवेशिक शहर में जिस किलेबंद क्षेत्र में यूरोपीय रहते थे उसे व्हाइट टाउन कहते थे।

(2) रंग और धर्म इसका मुख्य आधार था।

(3) डच और पुर्तगाली यूरोपीय ईसाई थे। अतः वे व्हाइट टाउन में रह सकते थे।

ब्लैक टाउन–

(1) किलेबंद क्षेत्र के बाहर भारतीयों का निवास क्षेत्र ब्लैक टाउन था।

(2) अंग्रेजों के साथ आर्थिक संबंध रखने वाले भारतीय वहाँ रहते थे।

प्रश्न 10 प्रमुख भारतीय व्यापारियों ने औपनिवेशिक शहरों में खुद को किस तरह स्थापित किया ?

उत्तर (1) ब्रिटिश साम्राज्य के विस्तार के साथ भारतीय व्यापारी, मध्यस्थ और माल के आपूर्तिकर्ता शहरों के अंग बन गए

(2) रेलवे के विस्तार के साथ भारतीय व्यापारियों ने शहरों में उद्योग स्थापित करने शुरू कर दिए।

(3) धनी भारतीय एजेन्टों और मध्यस्थों ने बाजारों के निकट दालानी मकानों का निर्माण कराया।

(4) भारतीय व्यापारियों ने भावी निवेश और लाभ के लिए शहरों में बड़ी जमीनों को खरीदा।

(5) उन्होंने पश्चिमी जीवनशैली का अनुसरण करना शुरू कर दिया।

प्रश्न 11 19वीं शताब्दी में शहरों के नियोजन को प्रभावित करने वाली प्रमुख चिन्ताएँ क्या थीं ?

उत्तर (1) नगर को समुद्र के निकट बसाना वाणिज्यिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए प्रमुख चिंता थी।

(2) सुरक्षा के उद्देश्य की पूर्ति के लिए पृथक और पूर्ण रूप से सुरक्षित बस्तियों में रहना चाहते थे।

(3) स्थान की बनावट और भू उपयोग को समझने के लिए मानचित्रों को तैयार करना जरूरी था।

(4) शहर को अधिक स्वास्थ्यप्रद बनाने के लिए खुले स्थानों का निर्माण किया गया।

(5) शहरों के रखरखाव के लिए पर्याप्त धन जुटाना एक अन्य चिंता थी।

प्रश्न 12 18वीं शताब्दी में शहरी केन्द्र किस प्रकार परिवर्तित हो गए ?

उत्तर (1) मुगल साम्राज्य के विनाश के साथ उनके प्रशासन से जुड़े शहरों का विनाश होने लगा।

(2) क्षेत्रीय राजधानियाँ लखनऊ, हैदराबाद, श्रीरंगपट्टम, पूना महत्व पाने लगे।

(3) व्यापारी, प्रशासक, कारीगर और अन्य लोग काम और संरक्षण की तलाश में नई राजधानियों में रहने लगे।

(4) ईस्ट इंडिया कम्पनी ने राजनीतिक नियंत्रण पाने के साथ मद्रास, कलकत्ता और बंबई का तेजी से विकास किया।

nh?kZ mÙkjh; ç'u ¼8 vad½

प्रश्न 13 औपनिवेशिक शहर में सामने आने वाले नए तरह के सार्वजनिक स्थान कौन से थे ? उनके क्या उद्देश्य थे ?

उत्तर (1) नए औपनिवेशिक शहर राजनीतिक सत्ता और आर्थिक गतिविधियों के केन्द्र थे।

(2) वाणिज्यिक गतिविधियों के लिए गोदाम, वाणिज्यिक कार्यालय, बीमा एजेन्सियाँ, यातायात डिपो और बैंकिंग संस्थान स्थापित किए गए।

(3) प्रमुख औपनिवेशिक शहर बंदरगाह शहरों के रूप में काम करते थे। वहाँ जहाजों को लादने और सामान उतारने का काम किया जाता था।

(4) समुद्र तट से दूर कम्पनी के प्रमुखप्रशासनिक कार्यालयों की स्थापना की गई।

(5) रेलवे का तेजी से विकास होने के कारण औपनिवेशिक शहर शेष भारत से जुड़ गए। शहरों में रेलवे स्टेशनों, रेलवे वर्कशॉप और रेलवे कॉलोनियों का उदय होने लगा।

(6) फौजियों को ठहराने, सीमा की रक्षा और शत्रु पर आक्रमण के लिए हिल स्टेशन विकसित किए गए। ये हिल स्टेशन सेनीटोरियम का भी काम करने लगे।

(7) सार्वजनिक स्थान जैसे टाउन, उ।ान, सिनेमा हॉल भी अस्तित्व में आने लगे थे।

(8) किले, सरकारी कार्यालय, शिक्षा संस्थान, धार्मिक भवन, व्यावसायिक डिपो विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए विकसित किए गए।

(9) अंग्रेजों ने बैठकों और मनोरंजन के लिए क्लबों का विकास किया।

प्रश्न 14 नए शहरों में सामाजिक संबंध किस तरह बदल गए ?

उत्तर सामंजस्य का अभाव, अत्यधिक गरीबी और अत्यधिक अमीरी, मिलने के अवसर, नए सामाजिक समूह, अनेक व्यावसायियों की मांग, नए सामाजिक समूह, मध्यम वर्ग का विस्तार, अनेक साधनों से विचारों की अभिव्यक्ति, सामान्य जागरूकता का विकास, महिलाओं का प्रभाव, परम्परागत रीति–रिवाजों में परिवर्तन, गरीबों की अपनी संस्कृति, जीवन में अनेक संघर्ष।

प्रश्न 15 विभिन्न औपनिवेशिक स्थापत्य कला शैलियाँ कौन–कौन सी थीं ?

उत्तर (1) नवशास्त्रीय शैली – प्राचीन रोम से व्युत्पन्न, रेखागणितीय संरचनाएँ, टाउन हॉल, एलफिन्सटन चौक।

(2) नवगोथिक शैली – मध्यकालीन चर्चों से व्युत्पन्न, ऊँची उठी छते, नोकदार मेहराब, बारीक साज–सज्जा, बम्बई सचिवालय, बोम्बे यूनिवर्सिटी, बोम्बे हाई कोर्ट।

(3) इंडो सारासेनिक शैली – भारतीय और यूरोपीयन शैली का मिश्रण, गुंबद, छतरी, जाली, मेहराब, गेट वे ऑफ इंडिया, ताजमहल होटल।

fo"k; & 13

egkRek xkèkh vkSj jk"Vªh; vkanksyu

¼lfou; voKk vkSj mlls vkxs½

- गांधीजी स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले सभी नेताओं में सर्वाधिक प्रभावशाली और सम्मानित है।
- मोहनदास करमचंद गाँधी दक्षिण अफ्रीका में दो दशक रहने के बाद जनवरी 1915 में भारत वापस आए
- दक्षिण अफ्रीका में गांधीजी ने पहली बार सत्याग्रह के रूप में जानी गई अहिंसात्मक विरोध की अपनी विशिष्ट तकनीक का इस्तेमाल किया और विभिन्न धर्मों के बीच सौहार्द बढ़ाने का प्रयास किया।
- गोखले की सलाह से इस भूमि और इसके लोगों को जानने के लिए गांधीजी ने एक वर्ष की यात्रा की।
- उनकी पहली महत्वपूर्ण सार्वजनिक उपस्तिथि फरवरी 1916 में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के उद्घाटन समारोह में हुई।
- अपनी भाषण के माध्यम से उन्होंने भारतीय विशिष्ट वर्ग को आड़े हाथों लिया और लाखों गरीब भारतीयों का समर्थन किया।
- उन्होंने सफलता पूर्वक 1917 में चम्पारण सत्याग्रह और 1918 में खेड़ा सत्याग्रह और अहमदाबाद कपड़े मिल के मजदूरों का समर्थन किया।
- 1919 देश भर में रोलेट एक्ट के खिलाफ अभियान, रोलेट सत्याग्रह से गांधीजी एक सच्चे राष्ट्रीय नेता बने।
- 1920 जलियांवाला हत्याकांड के बाद अंग्रेजी शासन के खिलाफ असहयोग आंदोलन, खिलाफत आंदोलन का समर्थन, अंग्रेजों के साथ पूरी तरह असहयोग, स्कूल, कॉलेज और कचहरियों का बहिष्कार।
- चौरी चोरा हत्याकांड और आंदोलन वापिस लेना।
- गांधीजी एक लोकप्रीय नेता होने के कारण – आम लोगों की तरह वस्त्र पहनते थे, उनकी तरह रहते थे और उनकी तरह ही भाषा बोलते थे।
- 1924 जेल से रिहा होने के बाद गांधीजी अपना ध्यान रचनात्मक कार्य जैसे,चरखा को लोकप्रीय बनाना, हिन्दू–मुसलमान एकता, छुआछूत को समाप्त करने को लगाया।
- 1928 साईमन कमीषन, गांधीजी का राजनीति में पुनः प्रवेश।
- 1929 लाहोर में कांग्रेस का अधिवेशन,पूर्ण स्वराज्य की मांग।
- 1930 दांडी मार्च, नमक कानून का उलंघन – सविनय अवज्ञा आंदोलन।
- देश के विशाल भाग में वन कानून का उलंघन, फैक्ट्री कामगरों का हड़ताल, वकीलों का ब्रिटिश अदालतों का बहिष्कार, वि।ार्थियों का सरकारी शिक्षा संस्थानों का बहिष्कार।
- 1930 गोलमेज सम्मेलन, कांग्रेस ने बहिष्कार किया।
- 1931 गाँधी– इर्विन समझौता।
- 1935 गवर्नमेंट आफ इंडिया एक्ट
- 1937 प्रांतों में चुनाव 11 में से 8 प्रांतों में कांग्रेस की सरकारें
- 1939 द्वीतीय विश्व युद्ध, कांग्रेसी मंत्रीमंडलों द्वारा इस्तीफा।

- 1940 मुस्लिम लीग का लाहोर अधिवेशन तथा उनके द्वारा पृथक राष्ट्र की मांग।
- 1942 क्रिप्स मिशन की असफलता, भारत छोड़ों आंदोलन, पूरे भारत में जनआंदोलन।
- 1946 केबिनेट मिशन, कांग्रेस और मुस्लिम लीग को एक संघीय व्यवस्था पर राजी करने में असफलता, बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और पंजाब में सम्प्रदायिक दंगे।
- 1946 लार्ड माउंटबेटन का वायस राय बनना, भारत का विभाजन, औपचारिक सत्ता हस्तातरण, भारत को स्वतंत्रता की प्राप्ति।
- राजधानी में हो रहे उत्सवों में गांधीजी की अनुपस्तिथि,कलकत्ते में 24 घंटे के उपवास।
- बंगाल में शांति स्थापना के लिए अभियान चलाने के बाद गांधीजी का दिल्ली आगमन, यहाँ से दंगाग्रस्त पंजाब के जिलों में जाने का विचार 30 जनवरी 1948 नाथूराम गोडसे द्वारा गांधीजी को गोली मारकर हत्या कर दी गई।

nk vad okys ç'u

प्रश्न 1 महात्मा गाँधी को भारतीय राष्ट्र का पिता क्यों माना गया है ?

उत्तर क्योंकि राष्ट्रवाद इतिहास में प्रायः एक अकेले व्यक्ति को राष्ट्र निर्माण के साथ जोड़कर देखा जाता है जैसे इटली के गैरीबाल्ड़ी, अमेरिका के जार्जवाशिगटन और वियतनाम के साथ हो.ची. मिन्ह।

प्रश्न 2 लाल, बाल, पाल कौन थे ?

उत्तर
- लाल–लाला लाजपत राय (पंजाव)
- बाल–बाल गंगाधर तिलक (महाराष्ट्र)
- पाल–विपिन चन्द्र पाल (बंगाल)

प्रश्न 3. नरमपंथी कौन थे ?

उत्तर राष्ट्रवादियों (उदारवादियों) का वह समूह जो एक क्रमिक व लगातार प्रयास करते रहने के विचार का हिमायती था जैसे – गाँधी, गोखले आदि।

प्रश्न 4. रोलट एक्ट क्या था ?

उत्तर 1919 का, यह बढते राष्ट्रवाद को रोकने वाला एक एक्ट था जो बिना जाँच के किसी को कारावास में डाल सकता था।

प्रश्न 5. असहयोग आंदोलन क्यों चलाया गया ?

उत्तर
- खलाफत (टर्की) के प्रतिदुर्व्यवहार एवम् जलियावाला बाग कांड के विरूद्ध।
- .स्वराज प्राप्ति के लिए।

प्रश्न 6. खिलाफत आंदोलन क्यों प्रारम्भ हुआ ?

उत्तर
- तुर्की के प्रति किए गए अन्याय के विरूद्ध।
- तुर्की के सुलतान या खिलाफत को बनाए रखने के किए।

प्रश्न 7. 1931 का गाँधी–इरविन समझौता क्या था ?

उत्तर
- इसके अन्तर्गत गाँधी जी ने सविनय अवज्ञा आन्दोलन बन्द कर दिया।
- इसके बदले इरविन बंदियो को रिहा करने के लिये राजी।
- गाँधी जी द्वतीय गोलमेज सम्मेलन के लिए राजी।

प्रश्न 8. गाँधी जी ने असहयोग आंदोलन क्यों प्रारम्भ किया ? इसे वापस क्यों ले लिया गया ?

उत्तर
- रोलेट एक्ट के विरोध में।
- जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड़ के विरूद्ध।
- खिलाफत आंदोलन के सन्दर्भ में।
- पूर्ण स्वराज की प्राप्ति के लिए।
- इसे चौरी–चौरा की हिंसा के कारण गाँधीजी ने वापस ले लिया।

प्रश्न 9. साल्ट मार्च (नमक यात्रा) के महत्व पर प्रकाश डालिये।

उत्तर
- इसी घटना के चलते गाँधीजी दुनिया की नजर में आए।
- प्रथम राष्ट्रीय गतिविधि जिसमें महिलाओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।
- नमक यात्रा के कारण ही अंग्रेजों को लगा कि अब वे बहुत दिन राज नहीं कर पाएंगे

nh?kZ mÙkjh; ç'u ¼8vad½

प्रश्न 10. असहयोग आंदोलन के मुख्य उद्देश्य और कार्यक्रम (विधि) क्या थे ?

उत्तर
- जलियांवाला बाग हत्याकांड के विरूद्ध आंदोलन।
- स्वराज की माँग।
- खिलाफत आंदोलन को सहारा देना।
- हिन्दू मुस्लिम एकता।
- रोलेट एक्ट, प्रेस अधिनियम के खिलाफ।

विधि – 1. अहिंसात्मक तरीके से आंदोलन चलाना।
2. ब्रिटिश सरकार से असहयोग।
3. कोर्ट, आफिस, स्कूल, कालेजों का बहिष्कार।
4. हड़ताल एवम् प्रदर्शन।

प्रश्न 11. महात्मा गाँधी ने किस प्रकार राष्ट्रवादी आंदोलन के स्वरूप को बदल दिया ?

उत्तर
- गाँधी जी ने गरीबों, किसानों, मजदूरों के लिए कार्य किया।
- बनारस/चम्पारन/अहमदावाद, खेड़ा के आंदोलनों में जन भागीदारी द्वारा।
- गाँधी जी का प्रेरक व्यक्तित्व।
- गाँधी वादी विचार धारा द्वारा।

- सत्याग्रह द्वारा जन भागेदारी।
- रचनात्मक कार्यो द्वारा।
- अपनी राजनीतिक प्रणाली द्वारा।
- गाँधी जी के करिश्माई व्यक्तित्व द्वारा।

Lefr ;kX; rF;&

1915– दक्षिण अफ्रीका से गांधीजी का भारत लौटना।

1916–बनारस में गाँधी जी का व्याख्यान।

1917–चम्पारन आंदोलन।

1918–अहमदाबाद (मजदूरों) खेड़ा (किसानों) का आंदोलन।

1919–रोलेट एक्ट एवम् सत्याग्रह (मार्च–अप्रैल)।

1919–जलियावाला बाग हत्याकांड़ (अप्रैल)।

1920–21–असहयोग एवम् खिलाफत आंदोलन।

1922– असहयोग आंदोलन वापस।

1929–लाहौर अधिवेशन, पूर्ण स्वराज कांग्रेस का लक्ष्य।

1930–दांडी मार्च, संविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारम्भ।

1931–गांधी–इरविन समझौता (मार्च) दूसरा गोलमेज सम्मेलन (दिसम्बर)।

1935–भारत सरकार अधिनियम पारित।

1942–भारत छोड़ो आंदोलन शुरू (अगस्त)।

1946–कैबिनेट मिशन।

1947–भारत स्वतन्त्र (15, अगस्त)

1948– गाँधीजी की हत्या।

fo"k; & 14

foHkktu dk le>uk

jktuhfr] Lef̀r] vuqHko

vfr y?kq mÙkjh; ¼2 vad½

प्रश्न 1. छाया सीमा (शैडो लाइन्स) पद की विभाजन के सन्दर्भ में व्याख्या कीजिए।

उत्तर भारत–पाकिस्तान को विभाजित करने के लिए रातों–रात सरहद पर खड़ी की गई सीमारेखा। (केवल मानी गई)

प्रश्न 2. 1945 के बाद भारत के प्रति ब्रिटिश सरकार के रवैये में आए परिवर्तनों के दो कारण बताइए।

उत्तर 2.
1. अन्तराष्ट्रीय परिस्थितियों में बदलाव।
2. ब्रिटेन में लेबर पार्टी का सत्ता में आना।

प्रश्न 3. विभाजन के इतिहास के पुननिर्माण के लिए चार स्रोत लिखिए

उत्तर 3.
1. मौखिक वृत्तान्त
2. डायरियां
3. संस्मरण
4. स्वलिखित ब्यौरे।

y?kq mÙkjh; ç'u ¼4 vad½

प्रश्न 4. विभाजन ने किस प्रकार भारत और पाकिस्तान के लोगों को प्रभावित किया ?

उत्तर 4.
1. दोनों तरफ के हजारों लोग मारे गए, महिलाओं का बलात्कार हुआ।
2. करोडो उजड़ गए बेघर होगए, शरर्णार्थी बन गए।
3. सम्पत्ति एवम् रोजगार खत्म हो गए।
4. दोस्त–रिश्तेदार बिछड़ गए।
5. क्षेत्रीय संस्कृतियों से वंचित हो गए।

प्रश्न 5. विभाजन के लिए मौखिक सोतों को इक्ट्ठा करते समय किन्हीं चार सावधानियों का उल्लेख करें –

उत्तर 5.
1. आत्मीय संबंध विकसित करना।
2. निजी पीड़ा और सदमे में झाँकने से परहेज।
3. याददाश्त की समस्या को समझना।
4. अन्य स्रोंतों का भी प्रयोग करना।

nh?kZ mÙkjh; ç'u ¼8 vad½

प्रश्न 6. 1947 में भारत विभाजन के प्रमुख कारण क्या हैं ? क्या इसे टाला जा सकता था ?

उत्तर अंग्रेजो की बाँटों और राज्य करो नीति।

1. मुस्लिमों के प्रति तुष्टीकरण की नीति।
2. विभिन्न आयोगों की संस्तुतियाँ।
3. आंतरिक सरकार की विफलता।
4. कांग्रेस – मुस्लिम लीग में सहयोग का अभाव।
5. साम्प्रदायिकता का विकास।
6. हिन्दू–मुस्लिम दंगे।
7. साम्प्रदायिक पार्टियाँ और नेताओं की भूमिका।

नही, इसे टालना संभव नहीं लग रहा था क्योंकि पूरे देश में गृह युद्ध, हिंसा, मारकाट का वातावरण बना था।

प्रश्न 7. भारतीय महिलाओं पर विभाजन का क्या प्रभाव पड़ा ?

उत्तर

1. निर्ममता से उन्हें दंडित किया गया।
2. हजारों महिलाओं का कत्ल और बलात्कार हुआ।
3. पुनर्वास की समस्या।
4. उनसे किसी प्रकार की राय नहीं ली गई।
5. बहुत सी महिलाओं ने आत्महत्या कर ली।
6. उन्हें बार–बार बेचा और खरीदा गया।

fo"k; & 15

lafo/kku dk fuekZ.k
,d u, ;qx dh 'kq:vkr

महत्वपूर्ण बिन्दु

- नेहरु जी का उद्देश्य प्रस्ताव, महत्व
- संविधान निर्माण के पूर्व तात्कालिक समस्यायें राजनैतिक एकीकरण, साम्प्रदायिक दंगे, आर्थिक संसाधनों की कमी, विस्थापितों की समस्या संविधान निर्माण की चुनौती
- संविधान निर्माण संविधान सभा का गठन अक्टूबर 1946 में कैबिनेट मिशन योजना के अनुसार किया गया
- संविधान सभा में चर्चा जनमत का प्रभाव, नागरिकों के अधिकारों का निर्माण, अल्पसंख्यक और दमितों के अधिकारों का प्रश्न ।
- राष्ट्रभाषा, भाषा विवाद, गांधीजी के राष्ट्रभाषा संबधी विचार, हिंदी का समर्थन
- संविधान की विशेषताएँ लिखित एवं विशाल संविधान, केन्द्र व राज्य शक्ति विभाजन, स्वतंत्र न्यायपालिका, धर्मनिरपेक्षता, संसदीय प्रणाली, शक्तिशाली केंद्र, व्यस्क मताधिकार, मौलिक अधिकार
- राज्य की शक्तियाँ
  - ✓ संघवाद की ओर
  - ✓ शक्तियों का विभाजन
  - ✓ सूचियों का निर्माण
  - ✓ केंद्र बिखर जायेगा
  - ✓ बहुमत शक्तिशाली केंद्र के पक्ष में

  आज हमे एक शक्तिशाली सरकार की आवश्यकता है
  - ✓ एक शक्तिशाली केंद्र समय की मांग
- राष्ट्र की भाषा
  - ✓ हिंदी और तमिल आमने–सामने
  - ✓ हिन्दुस्तानी हिंदी राजभाषा
- हिंदी की हिमायत
  - ✓ हिंदी राजभाषा बनी
- वर्चस्व का भय
  - ✓ दक्षिण में हिंदी का कड़ा विरोध
  - ✓ चर्चाओं का दौर शुरू
  - ✓ हिंदी राजभाषा के रूप में स्वीकार्य

vfr y?kq mÙkjh; ¼2 vad½

प्रश्न 1. जवाहर लाल नेहरू द्वारा प्रस्तुत उद्देश्य प्रस्ताव के प्रमुख आदर्श क्या हैं?

उत्तर
1. भारत एक स्वतन्त्र सम्प्रभु गणराज्य।
2. नागरिकों को न्याय, सम्मान व स्वतन्त्रता।
3. अल्पसंख्यकों को रक्षात्मक प्रावधान।
4. पिछड़ी जनजातियों के लिए प्रावधान।
5. लोकतन्त्र, समाजवाद, शान्ति एवम् मानव कल्यांण।

प्रश्न 2. भारतीय संविधान का महत्व लिखिये।

उत्तर
1. वृहद लोकतन्त्र।
2. धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र।
3. सभी नागरिकों को मौलिक अधिकार।

प्रश्न 3. संविधान सभा क्या है ?

उत्तर 300 सदस्यों वाली यह निर्वाचित संविधान सभा भारतीय संविधान के प्रारूप को लिखने के लिये बनाई गई थी।

y?kq mÙkjh; ç'u ¼4 vad½

प्रश्न 4. महात्मा गांधी हिन्दुस्तानी को राष्ट्रीय भाषा का दर्जा क्यों देना चाहते थे ?

उत्तर
1. क्योंकि यह जन सामान्य की भाषा थी।
2. अधिकांश क्षेत्रीय भाषाएं इसके बहुत नजदीक थी।
3. संस्कृत निष्ठ हिन्दी और फारसी निष्ठ उर्दू दोनों की मेल थी।
4. यह बहु सांस्कृतिक भाषा थी।
5. यह सभी को जोड़ने में सक्षम थी।

प्रश्न 5. गोबिन्द बल्लभ पंत पृथक निर्वाचिका के विरूद्ध क्यों थे ?

उत्तर
1. इससे अल्पसंख्यक अन्य समुदायों से अलग–थलग पड़ जाएंगे।
2. इससे अल्पसंख्यक कभी बहुसंख्यकों में नहीं मिल पाएंगे।
3. वे खण्ड़ित निष्ठा के विरूद्ध थे।

प्रश्न 6. एक मजबूत केन्द्र के पक्ष में कुछ तर्क दीजिए।

उत्तर
1. शान्ति एवम् कानून व्यवस्था के लिए।
2. अन्तर्राष्ट्रीय परिवेश में राष्ट्र की मजबूत स्थिति।
3. आतंकवाद एवम् साम्प्रदायिकता को रोकने के लिए।
4. राष्ट्रीय सुरक्षा।

nh?kZ mÙkjh; ç'u ¼8 vad½

प्रश्न 7. संविधान सभा के समक्ष क्या–क्या चुनौतियाँ थीं ?

उत्तर

1. भारत में अनेक भाषा, धर्म, संस्कृतियों का होना।
2. देश में संवैधानिक संकट।
3. पृथक निर्वाचिका की स्थापना।
4. राज्य–केन्द्र सरकार के बीच शक्ति का बंटवारा।
5. राष्ट्र भाषा की समस्या।
6. अनुसूचित / जनजाति / अल्पसंख्यकों / दलितों की समस्या।

Lefr ;kX; rF;&

1946	संविधान सभा के अधिवेशन प्रारम्भ।
1947 जनवरी	मुस्लिम लीग द्वारा संविधान सभा समाप्त कराने की मांग।
14 अगस्त	पाकिस्तान की स्वतन्त्रता।
15 अगस्त	भारत की स्वतन्त्रता।
1949 दिसम्बर	संविधान पर हस्ताक्षर।
1950	26 जनवरी – संविधान लागू।

Model Question Paper with Blue Print and Marking Scheme

BLUE PRINT

Subject : Hisotry Class : XII Marks : 80 Time : 3 Hours 80

S. No	Theme	VSA (2) Marks	SA (04) Marks	LA (08) Marks	Passage Based Questions	Map	Total
01	1 to 4	2(1)	4+4	8(1)	7(1)	-	25
02	5 to 9	2(1)	4+4	8(1)	7(1)	-	25
03	10 to 15	2(1)	4+4	8(1)	7(1)	-	25
	Map					5(2+3)	05
	Total	2x3=6	4x6 = 24	8x3=24	7x3 = 21	5	80

* Value based question from any book (out of three)
* One 4 marks optional question given (Extra)
* One 8 marks optional question (Extra)

Model Question Paper
2016-17
History

Time allotted : 3 Hour M.M. : 80

General Instructions :

1. Answer all the questions.Marks are indicated against each question.
2. Answer to questions No.1 to 3 carrying 2 marks should not exceed 30 words each.
3. Answer to questions No.4 to 9 carrying 4 marks should not exceed 100 words each. Students should attempt only five questions in this section.
4. Question 10 (For 4 Marks) is a value based question and compulsory Question.
5. Answer to questions No.11 to 13 carrying 8 marks should not exceed 350 words each.
6. Questions 14 to 16 are source based questions and have no internal choice.
7. Question 17 is a map question which includes identification and significant test items. Attach the map with the answer sheet.

[k.M ¼v½

PART-A

नीचे दिए गए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

Answer all the questions given below . 2X3=6

1. छठी से चौथी शताब्दी ई.पू. में मगध सबसे अधिक शक्तिशाली महाजनपद किस प्रकार बन गया ? दो कारण बताइए । 2

   How did Magadha become the most powerful Mahajanapada between Sixth to Fourth century BCE? Give two reasons.

2. अलवार और नयनार कौन थे ? 2

   Who were Alawar and Nayanars?

3. अंग्रजों द्वारा नियुक्त जनगणना आयोग के सामने आंकड़ो के एकत्रीकरण तथा वर्गीकरण में आने वाली किन्हीं दो कठिनाइयों का वर्णन करें । 2

   State any two difficulties faced by the Census Commission appointed by the British in collecting and classifying census data.

[k.M ¼c½

vuHkkx&1

निम्नलिखित में से किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

PART-B

Section -I

Answer any five of the following questions: 4X5=20

4. ''हड़प्पा शहरों की सबसे अनूठी विशेषताओं में से एक सावधानी पूर्वक नियोजित जल निकास प्रणाली थी''। स्पष्ट कीजिए कीजिए । 4

   One of the most distinctive features of the Harappan Cities was the carefully planned drainage system Elaborate.

5. छठी शताब्दी ई.पू. में भारत में पौराणिक हिन्दू धर्म के उदय के बारे में संक्षेप में वर्णन कीजिए । 4

Describe in brief about the growth of Puranic Hinduism in India during sixth century BCE.

6. ''मुगलशासकों ने बड़े प्रभावशाली तरीके से विजातीय जनसाधारण को शाही संरचना के अन्तर्गत सम्मिलित किया'' ।, इस कथन की पुष्टि कीजिए ? 4

"Mughal Rulers efficiently assimilated heterogeneous population within an imperial edifice". Support the statement.

7. ''विजय नगर एक विशिष्ट स्थापत्य शैली में अभिलक्षित था।'' इस कथन की विजय नगर के धार्मिक स्थापत्य के उदाहरणों सहित पुष्टि कीजिए । 4

"Vijayanagara was characterized by a distinctive building style". Support this statement with the sacred architectural examples of Vijayanagara.

8. अमरावती स्तूप की नियति साँची स्तूप से कैसे भिन्न थी ? 4

How was the fate of Amravati Stupa different from the Sanchi Stupa ? Explain.

9. 1830 के बाद रैयत समुदाय की ऋण दाताओं द्वारा ऋण न दिये जाने के अनुभवों की आलोचनात्मक परख कीजिए । 4

Critically examine the experience of the Ryats on the refusal of money landers to extend loans to them after 1830.

[k.M ¼c½

अनुभाग–2

PART-B

Section -II

मूल्य आधारित प्रश्न (अनिवार्य)

Value based questions (compulsory)

10. साम्प्रदायिकता को हल करने के लिए समकालीन भारत में कबीर और नानक की शिक्षाएं कहॉ तक प्रासंगिक हैं? 4

How far true the teachings of Kabir and Nanak are relevant in contemporary India to resolve communalism ?

[k.M ¼l½

अनुभाग–3

PART-C

Section -III

Long Answer Questions

किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

Answer any three questions given below: 8X3=24

11. सूफी मत की मुख्य धार्मिक विश्वासों और आचारों की व्याख्या कीजिए ? 8

Discuss the major beliefs and practices that characterized Sufism.

12. मौर्य प्रशासन की मुख्य विशेषतायें क्या थीं ? 8

What are major features of Mauryan Administration?

13. उन साक्ष्यों के बारे में चर्चा कीजिए जिनसे पता चलता है कि विद्रोही योजनाबद्ध और समन्वित ढ़ंग से काम कर रहे थे । 8

Discus the evidence that indicates planning and coordination on the part of the rebels.

14. अंग्रेजो से असहयोग के सन्दर्भ में सितम्बर 1920 में हुए कलकत्ता अधिवेशन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा क्या निर्णय लिए गये ? इन निर्णयों को लागू करने में नागपुर वार्षिक अधिवेशन में किस प्रकार गति प्रदान की गयी । 8

Explain the decisions taken by the Indian National Congress at the Calcutta Session of September 1920 regarding Non-co operation with the British. How did the Annual Session at Nagpur gear itself for implementing these?

खण्ड ड़ PART-D

Source Based Questions 7X3=21

15. सम्राट के अधिकारी क्या–क्या कार्य करते थे ?

मेगस्थनीज के विवरण का एक अंश दिया गया है । साम्राज्य के महान अधिकारियों में से कुछ नदियों की देखरेख और भूमि मापन का काम करते है जैसा कि मिस्र में होता था । कुछ प्रमुख नहरों से उपनहरों के लिए छोड़े जाने वाली पानी के मुखद्वार का निरीक्षण करते है ताकि हर स्थान पर पानी की समान पूर्ति हो सके । यही अधिकारी अधिकारियों का संचालन करते है और अधिकारियों के कृत्यों के आधार पर उन्हें इनाम या दंड़ देते है । वे कर वसूली करते है और भूमि से जुड़े सभी व्यवसायो का निरीक्षण करते है, साथ ही लकड़हारो, बढ़ई, लुहारों और खनन कर्ताओं का भी निरीक्षण करते है ।

1. राज्य के महान अधिकारियो के कर्तव्यो के बारे में बताएं । 3
2. सैन्य गतिविधियो के समन्वय के लिए उप समितियो की भूमिका के बारे में बताए । 2
3. अशोक ने साम्राज्य की एकजुटता के लिए क्या किया ? 2

Read the following paragraph carefully and answer the questions that follows -

What the king's officials did?

Here is an paragraph from the account of Megasthenes:

Of the great officers of state, some……….. Superintend the rivers, measures of the land, as is done in Egypt, and inspect the sluices by which water is let out from the main canals into their branches, so that everyone may have an equal supply of it. The same person have charge also of the hunts man, and are entrusted with the power of rewarding or punishing them according to their deserts. They collect the taxes and superintend the occupations connected with land; as those of the woodcutters, the carpenters, the blacksmith and miners.

(i). Explain the duties of the great officers of the state.

(ii). Explain the roll of sub-committees for coordinating military activities.

(iii) What did Ashoka do to hold the Empire together?

16. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

lrh ckfydk

यह संभवतः बर्नियर के वृतांत के सबसे मार्मिक विवरणों में से एक है :

लाहौर में मैने एक बहुत ही सुन्दर अल्पव्यस्क विद्यवा जिसकी आयु मेरे विचार से बारह वर्ष से अधिक नहीं थी, की बोलि होते हुए देखी । उस भयानक नर्क की ओर जाते हुए वह असहाय छोटी बच्ची जीवित से अधिक मृत प्रतीत हो रही थी, उसके मस्तिश्क की व्यथा का वर्णन नहीं किया जा सकता, वह कॉपते हुए बुरी तरह से रो रही थी, लेकिन तीन या चार ब्राह्णण, एक बूढ़ी औरत, जिसने उसे अपनी आस्तीन के नीचे दबाया हुआा था, की सहायता ये उस अनिच्छुक पीड़िता को जबरन घातक स्थल की ओर ले गए, उसे लकड़ियों पर बैठाया, उसके हाथ और पैर बॉध दिए ताकि वह भाग न जाए और इस स्थिति में उस मासूम प्राणी को जिन्दा जला दिया । मैं अपनी भवनाओं को दबाने में और उनके कोलाहलपूर्ण तथा व्यर्थ के क्रोध को बाहर आने से रोकने में असमर्थ था।

1. बर्नियर ने सती प्रथा का विवरण किस प्रकार दिया ? 3
2. बर्नियर की अनुच्छेद में अभिव्यक्त भावनाओं का वर्णन कीजिए । 2
3. बर्नियर ने महिलाओं के साथ किए जाने वाले बर्ताव को पश्चिमी और पूर्वी समाजों के बीच भिन्नता का एक महत्वपूर्ण संकेतक कैसे माना है ? स्पष्ट कीजिए । 2

Read the following paragraph carefully and answer the questions that follows -

The child Sati

This is perhaps one of the most Poignant descriptions by Bernier:

At Lahore I saw a most beautiful young widow sacrificed, who could not, I think, have been more than 12 years of age, The poor little creature appeared more dead alive who see approached the dreadful pit : the agony of her mind cannot be described ; she trembled and wept bitterly ; but three or four Brahmans, assisted by an old women who held her under the arm, forced the unwilling victim towards the fatal spot, seated her on the wood, tied her hands and feet, lest she should run away, and in that situation the innocent creature was burned alive. I found it difficult to express my feelings and to prevent their bursting forth into clamorous and unavailing rage………. .

1. How has Bernier describe the practice of Sati?
2. Describe the feelings of Bernier that he has expressed in the passage.
3. Explain how Bernier has highlighted the treatment of women as a crucial marker of difference between western and Eastern societies.

17. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

अंगूर की एक छोटी सी टोकरी

करांची हवाई अड्डे पर 1949 में हुई मुलाकात का व्योंरा –खुशदेव सिंह की जुबानी : मेरे दोस्त मुझे हवाई अड्डे के एक कमरे में ले गये जहॉ हम सव वैठकर गपशप करने लगे (और) साथ ही दोपहर का खाना भी खाया । मुझे करांची से रात 2:30 बजे की उड़ान से लंदन जाना था । शाम को 5:00 बजे मैने अपने दोस्तों से निवेदन

किया कि उन्होंने वड़ी फराखदिली से मुझे अपना समय दिया है । मेरी समझ से अव उनसे सारी रात रुकने की उम्मीद करना तो बड़ी ज्यादती होगी और वे यह तकलीफ न ही उठायें । मगर रात के खाने तक कोई भी नहीं उठा । फिर उन्होंने कहा कि वे लोग जा रहे हैं और मै जहाज पर चढ़ने से पहिले थोड़ा आराम कर लूॅ । मैं रात के करीच पौने दो बजे उठा और जव दरवाजा खोला तो पाया कि वे सवके सव तव तक वहीं थे । वे सव जहाज तक मेरे साथ आए और विछुड़ने के पहिले उन्होंने मुझे अंगूरों की एक छोटी सी टोकरी भेंट की । मेरे लिये प्यार के इस उमड़ते सैलाव और इस पड़ाव से मुझे मिली खुशी के लिये कृतज्ञता व्यक्त करने को मेरे पास शब्द नहीं थे ।

1.खुशदेव सिंह कौन थे ? 1

2.वह अन्य समुदायों के प्रिय क्यों थे । 3

3.अब्दुल लतीफ ने अपने पिता का कर्ज किस तरह उतारा था । 3

Read the following passage carefully and answer the questions that follows -

A small basket of Grapes

This is what Khushdeva Singh writes about his experience during one of his visit to Karachi in 1949.

My friends took me to a room at the airport where we all sat down and talked (and) had lunch together. I had to travel from Karachi to London at 2:30 PM.At 5:00 PM I told my friends that they had given me so generously of their time. I thought it would be too much for them to wait the whole night and suggested that they must spare themselves from the trouble. But nobody left until it was dinner time.Then they said they were leaving and that I must have a little rest before emplaning. I got up about 1:45 AM and when I opened the door I saw that all of them were still there. They all accompanied me to the plane and before parting presented me with a small basket of grapes. I had no words to express my gratitude for the overwhelming affection which I was treated and the happiness this stop overhead given me.

(i).Who was Khushdeva Singh?

(ii).Why was he loved by all communities?

(iii).How Abdul Latif discharged his father's debt?

खण्ड :(घ)

PART-E

Map Questions: 2+3=5

18.दिए गए भारत के राजनीतिक रेखा मानचित्र पर निम्न लिखित को दर्शाएं– 2

(1) अमृतसर

(2) लखनऊ

उसी मानचित्र पर भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन से संबंधित तीन स्थानों को अ, ब, स के रूप में चिन्हित किया गया है । उन्हें पहचानें और उनके पास दी गई रेखा पर उनके नाम लिखें । 3

On the given political outline map of India locate and label the following -

a) Amritsar

b) Lucknow

On the same map three places related to Indian National Movement have been marked as A, B, C. Identify them and write their names on the lines drawn near them.

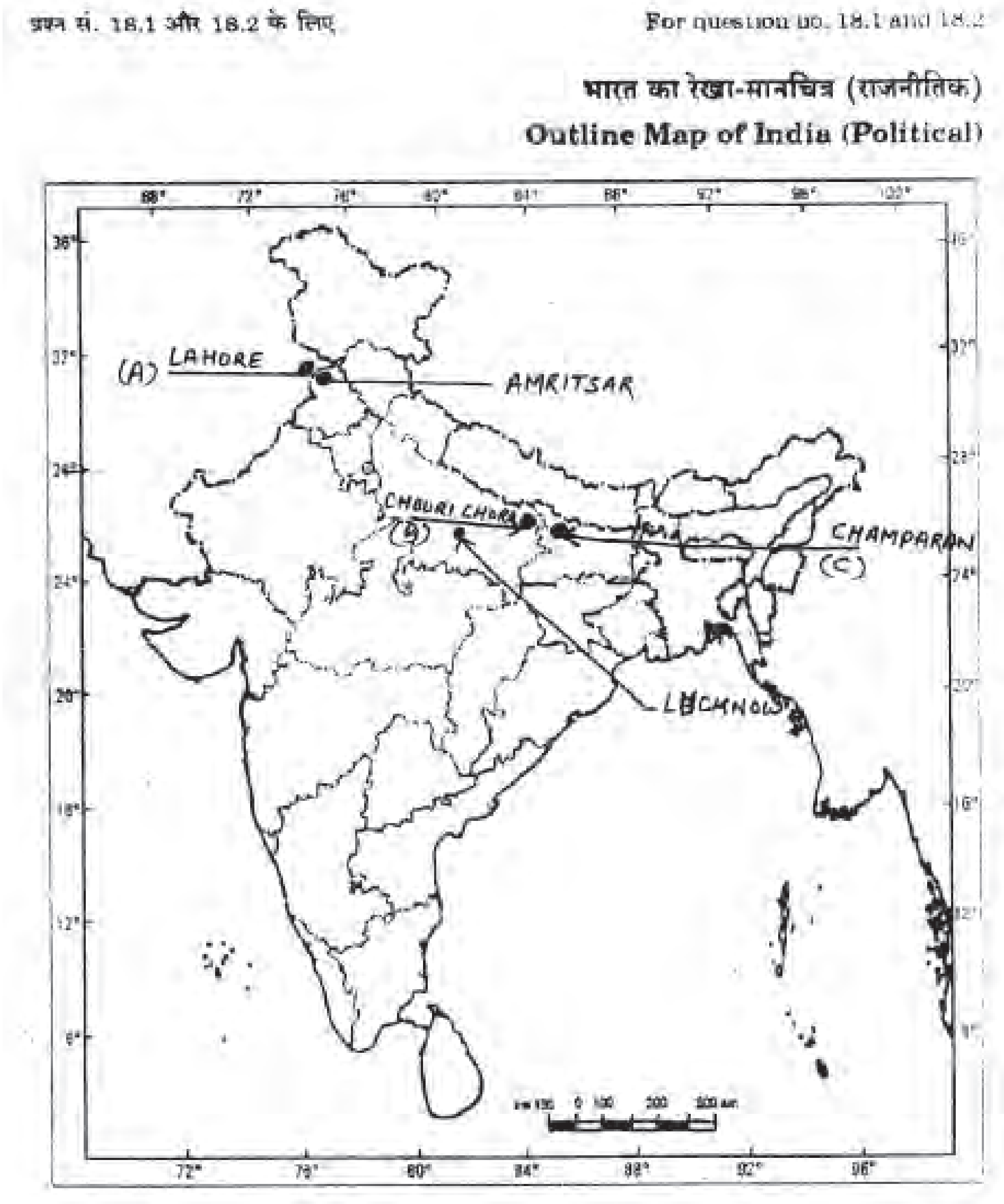

Marking Scheme

Class : XII (History)

Q1. A. Availability of Iron
B.Fertile and productive land.

Q2. Alwar - Devotee of Vishnu
Nayanar - Devotee of Shiva

Q3. 1.People refused to co-operate or gave proper answer.
2.Pepole were not entrusted to give any information of their house hold/women.

Q4. 1.Road and streets were laid out as grid pattern.
2.Every house had at least one wall along a street.
3.Drains were covered properly.
4.There was a provision of main hole (any other relevant point)

Q5. 1.During this period there was a bond between the devotee and the God.
2.The head was visualized as one of love and devotion/Bhakti.
3.Concept of Incarnation (ten avatars)
4.Worship of mother goddess.

Q6. 1.The nobility was recruited from diverse ethnic and religious groups.
2.Turani and Iraman nobles had accompanied Humus.
3.Rajputs were giving servers in the court of Akabar.
4.Akabar got married to daughter of Rajput Chief Raja Bharmal.

Q7. 1.Water resources - e.g. - Hiriya Canal
2.Fortification and Road.
3.The royal center - About thirty building complexes have been identified as palaces.
4.Mahanavmi Debbi, Hazararama Temple lot us temple. (Any other relevant point)

Q8. 1.Amaravati was discovered before scholars understood to preserve thing, where they had been found instead of removing them from side.
2.Rulers of Bhopal - Shajahan Begurum Provided money for the preservation of Sanihi but Amaravati could not (explanation)

Q9 1.The Riot found very difficult to pay their loans back.
2.Peasans dependence on money lenders increased.
3.They now needed loans every buy their daily needs.
4.Peasant economy was collapsed (Any other relevant point)

Q10. 1.Kabir and Nanak promoted the unity of Hindu and Muslim.
2. Kabir described intimate reality - as Allah.

Part : C

Q11. Major beliefs and Practices of Sufism:

i).They believed on God, equality, brotherhood.

ii). One could reach God through personal devotion.

iii).All religions are different path for reaching the same God.

iv).They favoured religious toleration and opposed to forcible conversion to Islam.

v).They were organized into twelve silica's. which means a chain, signifying a continuous link between a master and disciple.

vi)After the death of Shaikh or Pir, his tomb (dargah) attracted a lot of followers. This resulted in the Practice of ziyarat to his grace on his death anniversary.

vii).Dance and music are essential part of the ziyarat . This included mystical chants performed by qawwals.

viii).They remember god by reciting zikr.

Q12. Main feature of Mauryan Administration :

i).There were five major Provinces.

ii).Administrative control was strongest in areas around the capital and the provincial centers.

iii).Communication along both hand and riverine.

iv).There were six committee, e.g. - military activity navy, transport, food committee, arranging for bulk carts to carry equipment, food for soldiers and fodder for animals.

Q13. Evidence that:

i).The sequence of events of every cantonment followed a similar pattern.

ii).The repays would capture the bell of arms and plunder the treasury, Govt. building - jails, courts, Post-offices etc. were also destroyed and plundered.

iii).Common people also joined the spays.

iv).Peasants also attacked the moneylenders and rich people.

v).Evidence exists that - there was communication between the spay line of various cantonments.

iv).Repays lined together in the spay line, shared a common lifestyle and mostly came from the same caste.

Q14. Decisions taken by INC at the Calcutta session

i).It supported non-co-operation till the Punjab and khilafat wrongs were removed and swaraj established.

ii).To boycott govt. educational institutions, law courts and legislature.

iii).To surrender them litles and honors and to practice hand spinning and hand weaving to produce Khadi,

iv).Resignation from govt. service and mass civil disobedience including refusal to pay taxes.

Nagpur Session -

i)It endorsed the decision to defy the govt. peacefully and made changes in the constitution of the congress.

ii).Provincial congress committee was reorganized.

iii).Congress led by a working committee of 15 members.

iv).The membership of the congress was reduced to four annas to enable the rural and urban poor's to become members.

v).This was enable to reach down to the villages, small towns & Mohallas.

vi).It became an organizer and leader of masses.

Q15. i).Some of the officers measured the lands and collected taxes. They also supervised those whose work was connected with the land notably woodcutters, carpenters and blacksmith. Others supervised the dams and rivers to ensure that everyone got an equal supply of water. Others were in charge of hunts man who were entrusted with the power of rewarding or punishing as required.

ii) The military administration was interested to the war office consisting of 30 members and of 6 sub-committees consisting 5 members each infantry, cavalry, war elephant and transport.

iii).Ashoka introduced dhamma. He preached moral values. He appointed Dharm Mahamatra. He constructed Stupas & Viharas. He asked for good behave with slaves.

Q16. i).He had described that some women seemed to embrace death cheerfully others were forced to die.

ii).He was surprised to see the beautiful young widow's sacrifices. She was crying and looking like dead.

iii).Burnier was comparing social traditions of East & West. He wanted to show that there was no such type of any social evil in Europe.

Q17. i).Khushdev Singh was a Sikh doctor.

ii).He was a doctor by profession and was kind hearted to other communities members for example he provided protection, shelter, love and security to many migrants irrespective their religions.

iii).By providing photocopy by facility and books to research scholar.

Q18. i).By the student

ii). (A) Lahore (B) Chauri-Chaura (C) Champaran

श्न सं. 18.1 और 18.2 के लिए

For question no. 18.1 and 18.2

भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक)

Outline Map of India (Political)

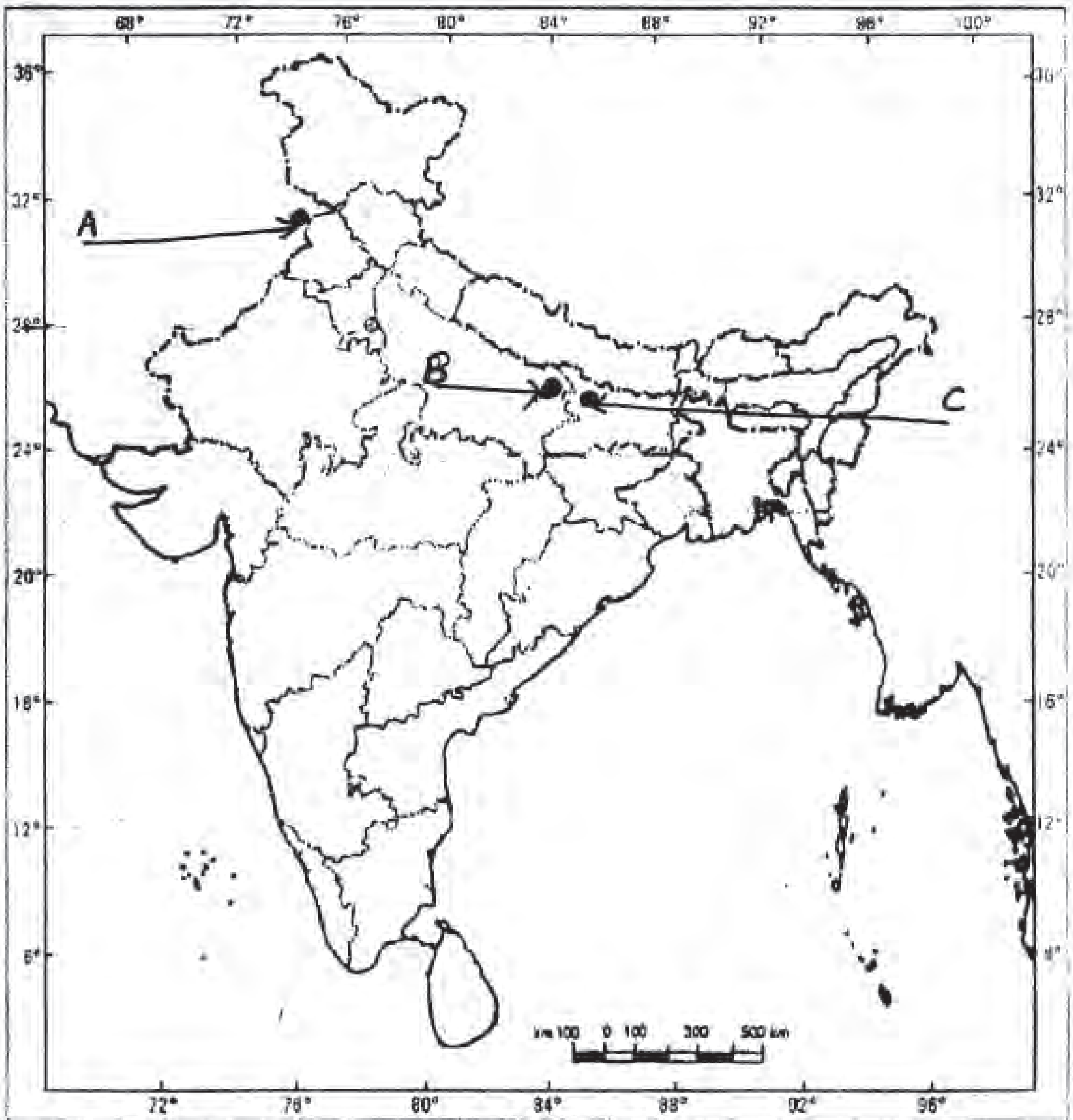

Last Four Years CBSE Question Papers for Practice
Note: - (The Students will follow the pattern of question paper-2016 only. The others CBSE question papers are only for practice.)

SET-2

2016

कोड नं.
Code No. **61/2**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 13+1 मानचित्र हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 17 प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।
- Please check that this question paper contains **13** printed pages and **1** Map
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains **17** questions.
- **Please write down the Serial Number of the question before attempting it.**
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

इतिहास

HISTORY

निर्धारित समय : 3 घण्टे
Time allowed : 3 hours

अधिकतम अंक : 80
Maximum Marks : 80

सामान्य निर्देश :

(i) **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित किए गए हैं।

(ii) प्रश्न संख्या 1 से 3 **दो** अंकों वाले हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 30 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

(iii) प्रश्न संख्या 4 से 9 **चार** अंकों वाले हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए। विद्यार्थियों को इस खण्ड से केवल **पाँच** प्रश्नों को हल करना चाहिए।

(iv) प्रश्न संख्या 10 मूल्य आधारित प्रश्न है और **अनिवार्य** है, यह प्रश्न भी **चार** अंक का है।

(v) प्रश्न संख्या 11 से 13 **आठ** अंकों वाले हैं। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 350 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

(vi) प्रश्न संख्या 14 से 16 स्रोत आधारित हैं। इनमें कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है।

(vii) प्रश्न संख्या 17 मानचित्र सम्बन्धी है, जिसमें लक्षणों को पहचानना तथा महत्वपूर्ण मदों को दर्शाना शामिल है। मानचित्र को उत्तर-पुस्तिका के साथ नत्थी कीजिए।

General Instructions :

(i) Answer **all** the questions. Some questions have choice. Marks are indicated against each question.

(ii) Answer to questions no. 1 to 3 carrying 2 marks should not exceed 30 words each.

(iii) Answer to questions no. 4 to 9 carrying 4 marks should not exceed 100 words. Students should attempt only **five** questions in this section.

(iv) Question 10 (for 4 marks) is a value based question and **compulsory** question.

(v) Answer to questions no. 11 to 13 carrying 8 marks should not exceed 350 words.

(vi) Questions 14 to 16 are source based questions and have no internal choice.

(vii) Question 17 is a **Map question** includes identification and significant test items. Attach the map with the answer-sheet.

खण्ड - क

PART - A

नीचे दिए गए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2x3=6

Answer all the questions given below :

1. उन्नीसवीं शताब्दी में यूरोपवासियों को स्तूपों में दिलचस्पी क्यों थी ? दो कारण लिखिए। 2

Why were the Europeans during the nineteenth century interested in the Stupas ? Give two reasons.

2. कराइक्काल अम्मयार किस प्रकार नयनार परंपरा की महान आकृति बनी ? स्पष्ट कीजिए। 2

How did Karaikkal Ammaiyar become the greatest figure of Nayanar tradition ? Explain.

3. ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा मद्रास में स्थापित किलेबंदी का नाम लिखिए। इसकी किसी एक विशेषता का उल्लेख कीजिए। 2

Name the fortification of East India Company in Madras. Mention any one feature of it.

खण्ड - ख

PART - B

अनुभाग - I

SECTION - I

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 4x5=20

Answer any five of the following questions :

4. 'हड़प्पा शहरों की सबसे अनूठी विशिष्टताओं में से एक सावधानीपूर्वक नियोजित जल निकास प्रणाली थी'। स्पष्ट कीजिए। 4

'One of the most distinctive features of the Harappan cities was the carefully planned drainage system'. Elaborate.

5. "मुगल शासकों ने बड़े प्रभावशाली तरीके से विजातीय जनसाधारण को शाही संरचना के अंतर्गत सम्मिलित किया" इस कथन की पुष्टि कीजिए।

"Mughal rulers efficiently assimilated heterogeneous populace within an imperial edifice". Support the statement.

6. 'सटीक और विस्तृत आलेख तैयार करना, मुगल प्रशासन की मुख्य चुनौती थी'। उदाहरणों के साथ कथन की पुष्टि कीजिए। 4

'The keeping of the exact and detailed record was the major concern of the Mughal administration.' Support the statement with examples.

7. अमरावती स्तूप की नियति साँची स्तूप से कैसे भिन्न थी? स्पष्ट कीजिए। 4

How was the fate of Amravati stupa different from the Sanchi stupa? Explain.

8. 'परिसीमन कानून' क्या था? इसे 19 वीं शताब्दी का रैयतों के खिलाफ अत्याचार का प्रतीक क्यों माना गया था? कोई तीन कारण लिखिए। 1+3=4

What was the Limitation Law? Why was this considered as a symbol of oppression against the ryots of the 19th Century? Give three reasons.

9. 1857 के विद्रोह में अंग्रेजों के विरुद्ध उभरे भारतीय नेतृत्व के स्वरुप की उदाहरणों की मदद से परख कीजिए। 4

With the help of specific examples examine the nature of Indian leadership that emerged against the British in the revolt of 1857.

अनुभाग - II

SECTION - II

मूल्य आधारित प्रश्न (अनिवार्य) 4x1=4

VALUE BASED QUESTION (Compulsory)

10. **निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए :** 4

'**आर्य समाज,** 19 वीं सदी के आखिरी दशकों और प्रारंभिक 20 वीं शताब्दी का यह उत्तर भारतीय हिंदू सुधार आंदोलन (किसी अन्य धर्म में परिवर्तित हुए लोगों को वापस हिंदू बनाना) खास तौर पर पंजाब में सक्रिय था। वह वैदिक शिक्षा को पुनर्जीवित कर उसे विज्ञान की आधुनिक शिक्षा से जोड़ना चाहता था।'

आधुनिक भारत के वैज्ञानिक विकास मार्ग को प्रशस्त करने में मूल्य किस प्रकार समृद्ध भारतीय साहित्य से जुड़े हैं? स्पष्ट कीजिए।

Read the following passage and answer the question that follows :

'**Arya Samaj,** A North Indian Hindu reform organisation of the late nineteenth and early twentieth centuries, particularly active in Punjab (tried to bring back Hindus who had converted to some other religion) which sought to revive Vedic learning and combine it with modern education in the sciences'.

Illustrate how the values integrated with the rich Indian literature paved way for the scientific development of modern India.

खण्ड - ग

PART - C

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

LONG ANSWER QUESTIONS

नीचे दिए गए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 8x3=24

Answer all the questions given below :

11. मुगल काल के दौरान गाँवों में पंचायतों की भूमिका की परख कीजिए। 8

अथवा

मुगल काल के दौरान कृषि समाज में महिलाओं की भूमिका और स्थिति की परख कीजिए। 8

Assess the role played by Panchayats in the villages during Mughal period.

OR

Examine the status and role played by the women in the agrarian society during Mughal period.

12. भारत की संविधान सभा में भाषा के मुद्दे पर काफी बहस हुई। सभा के सदस्यों द्वारा इस विषय पर दी गई दलीलों की परख कीजिए। 8

अथवा

भारत की संविधान सभा ने केन्द्र सरकार की शक्तियों का संरक्षण किस प्रकार किया ? स्पष्ट कीजिए। 8

"Within the Constituent Assembly of India the language issue was intensely debated". Examine the views put forward by the members of the Assembly on this issue.

OR

How did the Constituent Assembly of India protect the powers of the central government ? Explain.

13. अशोक के अभिलेखों में मौर्यों का क्या वर्णन मिलता है? अभिलेख साक्ष्यों की सीमाओं का वर्णन कीजिए। 3+5=8

अथवा

महाजनपदों की किन्हीं तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। मगध किस प्रकार सबसे शक्तिशाली महाजनपद बना? स्पष्ट कीजिए। 3+5=8

What does Ashokan inscriptions tell about the Mauryas ? Describe the limitations of the inscriptional evidences.

OR

State any three features of Mahajanpadas. How did Magadha become the powerful Mahajanpada ? Explain.

खण्ड - घ

PART - D

स्रोत आधारित प्रश्न 7x3=21

SOURCE BASED QUESTIONS

14. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

यूरोप के लिए एक चेतावनी

बर्नियर चेतावनी देता है कि यदि यूरोपीय शासकों ने मुगल ढाँचे का अनुसरण किया तो :

उनके राज्य इस प्रकार अच्छी तरह से जुते और बसे हुए, इतनी अच्छी तरह से निर्मित, इतने समृद्ध, इतने सुशिष्ट तथा फलते-फूलते नहीं रह जाएँगे जैसा कि हम उन्हें देखते हैं। दूसरी दृष्टि से हमारे शासक अमीर और शक्तिशाली हैं; और हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि उनकी और बेहतर और राजसी ढंग से सेवा हो। वे जल्द ही रेगिस्तान तथा निर्जन स्थानों के, भिखारियों तथा क्रूर लोगों के राजा बनकर रह जाएँगे जैसे कि वे जिनके विषय में मैंने वर्णन किया है। (मुगल शासक) ... हम उन महान शहरों और नगरों को खराब हवा के कारण न रहने योग्य अवस्था में पाएँगे, तथा विनाश की स्थिति में, जिनके जीर्णोद्धार की किसी को चिंता नहीं है, व्यक्त टीले और झाड़ियों अथवा घातक दलदल से भरे हुए खेत, जैसा कि पहले ही बताया गया है।

(14.1) बर्नियर ने मुगल शासकों को दोषी क्यों ठहराया है? 3

(14.2) अबुल-फज़ल की आईने-अकबरी और बर्नियर के विवरण में क्या अंतर है? 2

(14.3) 'गर्व का अंत होता ही है जब कोई कार्य की उपेक्षा और शक्ति का प्रयोग अन्य पर करता है? कथन के संदर्भ में बर्नियर की चेतावनी को स्पष्ट कीजिए। 2

Read the following extract carefully and answer the questions that follow :

A warning for Europe

Bernier warned that if European kings followed the Mughal model :

Their kingdoms would be very far from being well-cultivated and peopled, so well built, so rich, so polite and flourishing as we see them. Our kings are otherwise rich and powerful; and we must avow that they are much better and more royally served. They would soon be kings of deserts and solitudes, of beggars and barbarians, such as those are whom I have been representing (the Mughals) ... We should find the great Cities and the great Burroughs (boroughs) rendered uninhabitable because of ill air, and to fall to ruine (ruin) without any bodies (anybody) taking care of repairing them; the hillocks abandon'd, and the fields overspread with bushes, or fill'd with pestilential marishes (marshes), as hath been already intimated.

(14.1) In what ways did Bernier condemn Mughal rulers ?

(14.2) What contrasts do the account of Bernier and Abul Fazl's Ain-i-Akbari ?

(14.3) Pride has its fall if power and negligence of duty rules any one'.

15. **निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

'कल हम नमक कर क़ानून तोड़ेंगे'

5 अप्रैल, 1930 को महात्मा गाँधी ने दाण्डी में कहा था :

जब मैं अपने साथियों के साथ दाण्डी के इस समुद्रतटीय टोले की तरफ चला था तो मुझे यकीन नहीं था कि हमें यहाँ तक आने दिया जाएगा। जब मैं साबरमती में था तब भी यह अफ़वाह थी कि मुझे गिरफ़्तार किया जा सकता है। तब मैंने सोचा था कि सरकार मेरे साथियों को तो दाण्डी तक आने देगी लेकिन मुझे निश्चय ही यह छूट नहीं मिलेगी। यदि कोई यह कहता कि इससे मेरे हृदय में अपूर्ण आस्था का संकेत मिलता है तो मैं इस आरोप को नकारने वाला नहीं हूँ। मैं यहाँ तक पहुँचा हूँ, इसमें शांति और अहिंसा का कम हाथ नहीं है ; इस सत्ता को सब महसूस करते हैं। अगर सरकार चाहे तो वह अपने इस आचरण के लिए अपनी पीठ थपथपा सकती है क्योंकि सरकार चाहती तो हम में से हरेक को गिरफ़्तार कर सकती थी। जब सरकार

यह कहती है कि उसके पास शांति की सेना को गिरफ़्तार करने का साहस नहीं था तो हम उसकी प्रशंसा करते हैं। सरकार को ऐसी सेना की गिरफ़्तारी में शर्म महसूस होती है। अगर कोई व्यक्ति ऐसा काम करने में शर्मिंदा महसूस करता है जो उसके पड़ोसियों को भी रास नहीं आ सकता, तो वह एक शिष्ट-सभ्य व्यक्ति है। सरकार को हमें गिरफ़्तार न करने के लिए बधाई दी जानी चाहिए भले ही उसने विश्व जनमत का खयाल करके ही यह फैसला क्यों न लिया हो। कल हम नमक कर कानून तोड़ेंगे। सरकार इसको बर्दाश्त करती है कि नहीं, यह सवाल अलग है। हो सकता है सरकार हमें ऐसा न करने दे लेकिन उसने हमारे जत्थे के बारे में जो धैर्य और सहिष्णुता दिखायी है उसके लिए वह अभिनंदन की पात्र है.....।

यदि मुझे और गुजरात व देश भर के सारे मुख्य नेताओं को गिरफ़्तार कर लिया जाता है तो क्या होगा? यह आंदोलन इस विश्वास पर आधारित है कि जब एक पूरा राष्ट्र उठ खड़ा होता है और आगे बढ़ने लगता है तो उसे नेता की जरूरत नहीं रह जाती।

(CWMG) कलेक्टेड वर्क्स ऑफ महात्मा गाँधी खंड 49

(15.1) गाँधी जी ने दांडी मार्च की शुरुआत क्यों की? 2

(15.2) 'नमक यात्रा' उल्लेखनीय क्यों थी? 3

(15.3) 'शांति और अहिंसा को सब महसूस करते हैं।' गाँधी जी ने ऐसा क्यों कहा? स्पष्ट कीजिए। 2

Read the following excerpt carefully and answer the questions that follows :

"Tomorrow we shall break the salt tax law"

On 5 April 1930, Mahatma Gandhi spoke at Dandi :

When I left Sabarmati with my companions for this seaside hamlet of Dandi, I was not certain in my mind that we would be allowed to reach this place. Even while I was at Sabarmati there was a rumour that I might be arrested. I had thought that the Government might perhaps let my party come as far as Dandi, but not me certainly. If someone says that this betrays imperfect faith on my part, I shall not deny the charge. That I have reached here is in no small measure due to the power of peace and non-violence: that power is universally felt. The Government may, if it wishes, congratulate itself on

acting as it has done, for it could have arrested every one of us. In saying that it did not have the courage to arrest this army of peace, we praise it. It felt ashamed to arrest such an army. He is a civilised man who feels ashamed to do anything which his neighbours would disapprove. The Government deserves to be congratulated on not arresting us, even if it desisted only from fear of world opinion. Tomorrow we shall break the salt tax law. Whether the Government will tolerate that is a different question. It may not tolerate it, but it deserves congratulations on the patience and forbearance it has displayed in regard to this party...... What if I and all the eminent leaders in Gujarat and in the rest of the country are arrested ? This movement is based on the faith that when a whole nation is roused and on the march no leader is necessary.

(CWMG), vol. 49 Collected works of Mahatma Gandhi

(15.1) Why did Gandhiji start the Dandi March ?

(15.2) Why was Salt March notable ?

(15.3) 'The power of peace and non-violence are universally felt'. Why did Gandhiji said so ?

16. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

द्रौपदी का विवाह

पांचाल नरेश द्रुपद ने एक स्वयंवर का आयोजन किया जिसमें यह शर्त रखी गई कि धनुष की चाप चढ़ा कर निशाने पर तीर मारा जाए; विजेता उनकी पुत्री द्रौपदी से विवाह करने के लिए चुना जाएगा। अर्जुन ने यह प्रतियोगिता जीती और द्रौपदी ने उसे वरमाला पहनाई। पांडव उसे लेकर अपनी माता कुंती के पास गए जिन्होंने बिना देखे ही उन्हें लाई गई वस्तु को आपस में बाँट लेने को कहा। जब कुंती ने द्रौपदी को देखा तो उन्हें अपनी भूल का एहसास हुआ, किंतु उनकी आज्ञा की अवहेलना नहीं की जा सकती थी। बहुत सोच-विचार के बाद युधिष्ठिर ने यह निर्णय लिया कि द्रौपदी उन पाँचों की पत्नी होगी।

जब द्रुपद को यह बताया गया तो उन्होंने इसका विरोध किया। किंतु ऋषि व्यास ने उन्हें इस तथ्य से अवगत कराया कि पांडव वास्तव में इंद्र के अवतार थे और उनकी पत्नी ने ही द्रौपदी

के रूप में जन्म लिया था। अत: नियति ने ही उन सबका साथ निश्चित कर दिया था। व्यास ने यह भी बताया कि एक बार युवा स्त्री ने पति प्राप्ति के लिए शिव की आराधना की और उत्साह के अतिरेक में एक के बजाय पाँच बार पति प्राप्ति का वर माँग लिया। इसी स्त्री ने द्रौपदी के रूप में जन्म लिया तथा शिव ने उसकी प्रार्थना को परिपूर्ण किया है। इन कहानियों से संतुष्ट होकर द्रुपद ने इस विवाह को अपनी सहमति प्रदान की।

(16.1) यह कहानी किस प्रकार दर्शाती है कि माता को सबसे बड़ा गुरु माना जाता था? 2

(16.2) कुंती ने द्रौपदी को भीषण परिस्थिति से क्यों नहीं बचाया? 3

(16.3) ऋषि व्यास और द्रुपद ने पाँच पुरुषों के साथ द्रौपदी के अनोखे विवाह को क्यों मान्यता दी? 2

Read the following excerpt carefully and answer the questions that follow :

Draupadi's Marriage

Drupada, the king of Panchala, organised a competition where the challenge was to string a bow and hit a target; the winner would be chosen to marry his daughter Draupadi. Arjuna was victorious and was garlanded by Draupadi. The Pandavas returned with her to their mother Kunti, who, even before she saw them, asked them to share whatever they had got. She realised her mistake when she saw Draupadi, but her command could not be violated. After much deliberation, Yudhisthira decided that Draupadi would be their common wife. When Drupada was told about this, he protested. However, the seer Vyasa arrived and told him that the Pandavas were in reality incarnations of Indra, whose wife had been reborn as Draupadi, and they were thus destined for each other. Vyasa added that in another instance a young woman had prayed to Shiva for a husband, and in her enthusiasm, had prayed five times instead of once. This woman was now reborn as Draupadi, and Shiva had fulfilled her prayers. Convinced by these stories, Drupada consented to the marriage.

(16.1) How does this story reveal that mother was considered as the highest guru ?

(16.2) Why didn't Kunti save Draupadi from the dire situation ?

(16.3) Why did Drupada and Sage Vyasa decide Draupadi's strange marriage with five men ?

खण्ड ङ

PART E

(मानचित्र प्रश्न / Map Question)

18. (18.1) भारत के दिए हुए राजनीतिक रेखा-मानचित्र (पृष्ठ 11 पर), पर निम्नलिखित को उपयुक्त चिह्नों से दर्शाइए तथा उनके नाम लिखिए : 2

(क) मोहन-जो-दाड़ो

(ख) दाड़ी

(18.2) भारत के दिए गए इसी राजनीतिक रेखा-मानचित्र पर, बौद्ध धर्म से से संबंधित तीन केन्द्र A, B और C अंकित किए गए हैं । उन्हें पहचानिए तथा उनके सही नाम उनके समीप खींची गईं रेखाओं पर लिखिए । 3

(18.1) On the given political outline map of **India** (on Page 11), locate and label the following with appropriate symbols :

(a) **Mohan-Jo-Daro**

(b) **Lahore**

(18.2) On the same outline map of **India**, three centres related **Buddhism** have been marked as A, B and C. Identify them and write their correct names on the lines drawn near them.

*नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों** के लिए प्र. सं. 18 के स्थान पर हैं :*

***Note :** The following questions are for **Visually Impaired Candidates only** in lieu of Q. No. 18 :*

(18.1) मुगल साम्राज्य के किन्हीं दो राजधानी शहरों का उल्लेख कीजिए । 2

(18.2) 1857 के विद्रोह से संबंधित किन्हीं तीन महत्त्वपूर्ण स्थानों का उल्लेख कीजिए । 3

(18.1) Mention any two capital cities of the Mughal Empire.

(18.2) Mention any three important places related with the Revolt of 1857.

प्रश्न सं. 18.1 और 18.2 के लिए

For question no. 18.1 and 18.2

भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक)

Outline Map of India (Political)

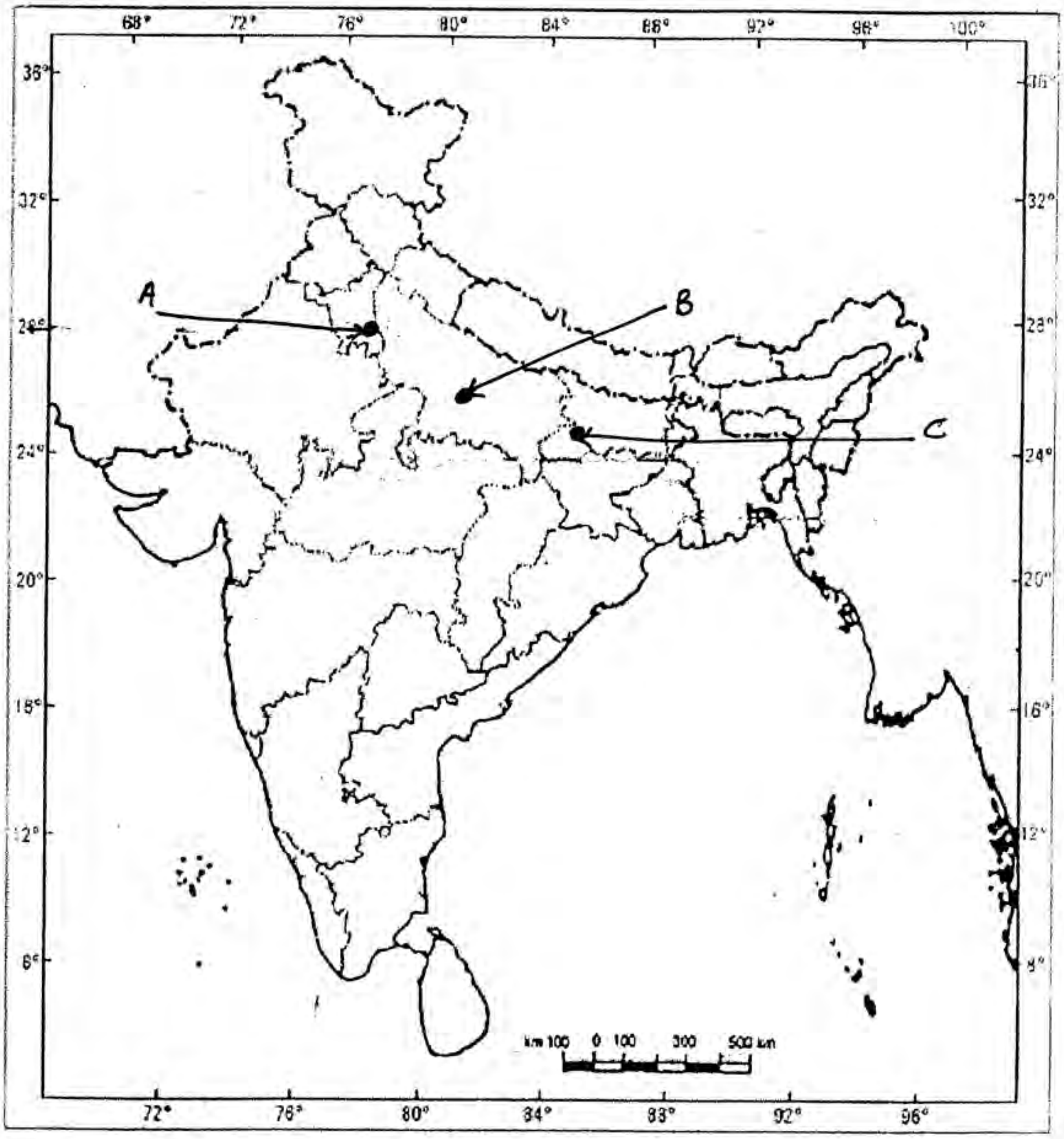

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

SET-2

Series SSO

कोड नं.
Code No. **61/2**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **10 + 1** मानचित्र हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।
- Please check that this question paper contains **10** printed pages and **1** Map.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains **18** questions.
- **Please write down the Serial Number of the question before attempting it.**
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

इतिहास

HISTORY

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 80*

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

सामान्य निर्देश :

(i) **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं । प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित किए गए हैं ।

(ii) प्रश्न संख्या 1 से 3 **दो** अंकों वाले हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **30** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।

(iii) प्रश्न संख्या 4 से 9 **चार** अंकों वाले हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **100** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए । विद्यार्थियों को इस खण्ड से केवल **पाँच** प्रश्नों को हल करना चाहिए ।

(iv) प्रश्न संख्या 10 मूल्य आधारित प्रश्न है और **अनिवार्य** है, यह प्रश्न भी **चार** अंक का है ।

(v) प्रश्न संख्या 11 से 14 **आठ** अंकों वाले हैं । इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **350** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए । विद्यार्थियों को इस खण्ड से किन्हीं **तीन** प्रश्नों को हल करना चाहिए ।

(vi) प्रश्न संख्या 15 से 17 स्रोत आधारित हैं । इनमें कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है ।

(vii) प्रश्न संख्या 18 मानचित्र सम्बन्धी है, जिसमें लक्षणों को पहचानना तथा महत्त्वपूर्ण मदों को दर्शाना शामिल है । मानचित्र को उत्तर-पुस्तिका के साथ नत्थी कीजिए ।

General Instructions :

(i) *Answer **all** the questions. Some questions have choice. Marks are indicated against each question.*

(ii) *Answer to questions no. 1 to 3 carrying **2** marks should not exceed **30** words each.*

(iii) *Answer to questions no. 4 to 9 carrying **4** marks should not exceed **100** words each. Students should attempt only **five** questions in this section.*

(iv) *Question no. 10 (for **4** marks) is a value based question and **compulsory**.*

(v) *Answer to questions no. 11 to 14 carrying **8** marks should not exceed **350** words each. Students should attempt only **three** questions from this section.*

(vi) *Questions no. 15 to 17 are source based questions and have no internal choice.*

(vii) *Map question 18 includes identification and significance test items. Attach the map with the answer-book.*

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

खण्ड क
PART A

*नीचे दिए गए **सभी** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :*

*Answer **all** the questions given below :*

1. प्रथम शताब्दी ई. में सिक्कों का इस्तेमाल कैसे किया जाता था ? दो उदाहरण दीजिए । 2

   How were the coins used in the first century CE ? Give two examples.

2. कबीर बीजक और कबीर ग्रंथावली दो विशिष्ट किन्तु परस्पर व्यापक परम्पराएँ हैं । इनको किस प्रकार सुरक्षित रखा गया है ? 2

   Kabir Bijak and Kabir Granthavali are the two distinct but overlapping traditions. How are they preserved ?

3. उस क्षेत्र का नाम लिखिए जहाँ 18वीं शताब्दी के दौरान लॉटरी कमेटी द्वारा नगर-नियोजन की शुरुआत की गई थी । उसकी किसी एक विशेषता का उल्लेख कीजिए । 2

   Name the region where the Lottery Committee initiated town planning during the 18th century. Mention any one feature of it.

खण्ड ख
PART B

अनुभाग I
SECTION I

*निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :*

*Answer any **five** of the following questions :*

4. विजयनगर का विट्ठल मन्दिर अनूठा क्यों था ? 4

   Why was Vitthala temple of the Vijayanagara unique ?

5. '1820 के दशक में बम्बई दक्कन राजस्व प्रणाली' का दूसरा नाम क्या था ? उसकी किन्हीं तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । *1+3=4*

   What was the other name of 'Bombay Deccan revenue system of 1820s'. Mention any three features of it.

6. पुरातत्त्वविदों द्वारा हड़प्पा सभ्यता की केन्द्रिय सत्ता के विषय में दिए गए विचारों का वर्णन कीजिए । *4*

Describe the opinions of the archaeologists over the central authority of the Harappan civilization.

7. "सटीक और विस्तृत आलेख तैयार करना, मुगल शासन के लिए मुख्य रूप से महत्त्वपूर्ण था ।" न्यायसंगत ठहराइए । *4*

"The keeping of exact and detailed records was a major concern of the Mughal administration." Justify.

8. इतिहासकारों ने मौर्य साम्राज्य के इतिहास की पुनर्रचना के लिए विभिन्न प्रकार के स्रोतों का उपयोग किया है । ऐसे किन्हीं चार स्रोतों का उल्लेख कीजिए । *4*

Historians have used a variety of sources to reconstruct the history of the Mauryan Empire. State any four such sources.

9. 1798 में लॉर्ड वेलेज़्ली द्वारा भारत के लिए तैयार की गई 'सहायक संधि प्रणाली' के प्रावधानों की परख कीजिए । *4*

Examine the provisions of 'Subsidiary Alliance system' devised by Lord Wellesley in 1798 for India.

अनुभाग II

SECTION II

मूल्य आधारित प्रश्न (अनिवार्य)

Value Based Question (Compulsory)

10. निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए :

डॉ. खुशदेव सिंह ने अपने कामों का बयान करते हुए लिखा है कि "एक इन्सान होने के नाते बिरादर इन्सानों के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी का निर्वाह करते हुए मेरी छोटी सी कोशिश ।"

"प्रेम द्वेष से मज़बूत होता है ।" इस मूल्य का सत्य भारत के विभाजन के समय किस प्रकार सिद्ध हुआ ? वे कौन-से मूल्य हैं, जिनके अविरत प्रयास से सिखाने और विकसित करने से द्वेष से बचा जा सकता है ? स्पष्ट कीजिए । *1+3=4*

Read the following passage and answer the question that follows :

Dr. Khushdeva Singh describes his work as "humble efforts I made to discharge my duty as a human being to fellow human beings."

"Love is stronger than hate." How true is this value which was proved at the time of the partition of India ? What are the values one needs to instill and nurture to avoid hatred ? Explain.

तीर चलाने में सिद्धहस्त हो गया। एक दिन कुरु राजकुमार अपने कुत्ते के साथ जंगल में शिकार करते हुए एकलव्य के समीप पहुँच गए। कुत्ता काले मृग की चमड़ी के वस्त्र में लिपटे निषाद को देखकर भौंकने लगा। क्रोधित होकर एकलव्य ने एक साथ सात तीर चलाकर उसका मुँह बंद कर दिया। जब वह कुत्ता लौटा तो पांडव तीरंदाज़ी का यह अद्‌भुत दृश्य देखकर आश्चर्यचकित हो गए। उन्होंने एकलव्य को तलाशा, उसने स्वयं को द्रोण का शिष्य बताया।

द्रोण ने अपने प्रिय शिष्य अर्जुन से एक बार यह कहा था कि वह उनके सभी शिष्यों में अद्वितीय तीरंदाज़ बनेगा। अर्जुन ने द्रोण को उनका यह प्रण याद दिलाया। द्रोण एकलव्य के पास गए जिसने उन्हें अपना गुरु मानकर प्रणाम किया। तब द्रोण ने गुरु दक्षिणा के रूप में एकलव्य से उसके दाहिने हाथ का अँगूठा माँग लिया। एकलव्य ने फ़ौरन गुरु को अपना अँगूठा काट कर दे दिया। अब एकलव्य तीर चलाने में उतना तेज़ नहीं रहा। इस तरह द्रोण ने अर्जुन को दिए वचन को निभाया : कोई भी अर्जुन से बेहतर धनुर्धारी नहीं रहा।

(15.1) द्रोण ने एकलव्य को अपना शिष्य बनाने के लिए मना क्यों किया ? 2

(15.2) एकलव्य की अपने गुरु की माँग पर क्या प्रतिक्रिया थी ? 2

(15.3) दिए गए अनुच्छेद में उल्लिखित *गुरु-शिष्य परम्परा* के दो वृत्तांतों का उल्लेख कीजिए। 3

Read the following extract carefully and answer the questions that follow :

"Proper" social roles

Here is a story from the *Adi Parvan* of the *Mahabharata* :

Once Drona, a Brahmana who taught archery to the Kuru princes, was approached by Ekalavya, a forest-dwelling *nishada* (a hunting community). When Drona, who knew the *dharma*, refused to have him as his pupil, Ekalavya returned to the forest, prepared an image of Drona out of clay, and treating it as his teacher, began to practise on his own. In due course, he acquired great skill in archery. One day, the Kuru princes went hunting and their dog, wandering in the woods, came upon Ekalavya. When the dog smelt the dark *nishada* wrapped in black deer skin, his body caked with dirt, it began to bark. Annoyed, Ekalavya shot seven arrows into its mouth. When the dog returned to the Pandavas, they were amazed at this superb display of archery. They tracked down Ekalavya, who introduced himself as a pupil of Drona.

Drona had once told his favourite student Arjuna, that he would be unrivalled amongst his pupils. Arjuna now reminded Drona about this. Drona approached Ekalavya, who immediately acknowledged and honoured him as his teacher. When Drona demanded his right thumb as his fee, Ekalavya unhesitatingly cut it off and offered it. But thereafter, when he shot with his remaining fingers, he was no longer as fast as he had been before. Thus, Drona kept his word : no one was better than Arjuna.

(15.1) Why did Drona refuse to have Ekalavya as his pupil ?

(15.2) How did Ekalavya react to the demand of his Guru ?

(15.3) Mention two versions of *Guru-Shishya Parampara* mentioned in the given extract.

16. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए

सती बालिका

यह संभवत: बर्नियर के वृत्तांत के सबसे मार्मिक विवरणों में से एक है :

लाहौर में मैंने एक बहुत ही सुन्दर अल्पवयस्क विधवा जिसकी आयु मेरे विचार में बारह वर्ष से अधिक नहीं थी, की बलि होते हुए देखी । उस भयानक नर्क की ओर जाते हुए वह असहाय छोटी बच्ची जीवित से अधिक मृत प्रतीत हो रही थी: उसके मस्तिष्क की व्यथा का वर्णन नहीं किया जा सकता; वह काँपते हुए बुरी तरह से रो रही थी; लेकिन तीन या चार ब्राह्मण, एक बूढ़ी औरत, जिसने उसे अपनी आस्तीन के नीचे दबाया हुआ था, की सहायता से उस अनिच्छुक पीड़िता को जबरन घातक स्थल की ओर ले गए, उसे लकड़ियों पर बैठाया, उसके हाथ और पैर बाँध दिए ताकि वह भाग न जाए और इस स्थिति में उस मासूम प्राणी को ज़िन्दा जला दिया गया । मैं अपनी भावनाओं को दबाने में और उनके कोलाहलपूर्ण तथा व्यर्थ के क्रोध को बाहर आने से रोकने में असमर्थ था ...

(16.1) बर्नियर ने इस व्यवहार को पूर्वी और पश्चिमी समाजों की भिन्नताओं का अत्यंत महत्त्वपूर्ण पहलू क्यों माना है ? 3

(16.2) भारतीय पितृात्मक समाज इस सामाजिक कुप्रथा में क्या भूमिका अदा करता है ? 2

(16.3) उपर्युक्त उल्लिखित काल में औरतों की स्थिति की तुलना आज के सन्दर्भ में कीजिए । 2

कॉलिन मैकेन्ज़ी

1754 ई. में जन्मे कॉलिन मैकेन्ज़ी ने एक अभियंता, सर्वेक्षक, तथा मानचित्रकार के रूप में प्रसिद्धि हासिल की । 1815 में उन्हें भारत का पहला सर्वेयर जनरल बनाया गया और 1821 में अपनी मृत्यु तक वे इस पद पर बने रहे । भारत के अतीत को बेहतर ढंग से समझने और उपनिवेश के प्रशासन को आसान बनाने के लिए उन्होंने इतिहास से सम्बन्धित स्थानीय परंपराओं का संकलन तथा ऐतिहासिक स्थलों का सर्वेक्षण करना आरंभ किया । वे कहते हैं, "ब्रिटिश प्रशासन के सुप्रभाव में आने से पहले दक्षिण भारत खराब प्रबंधन की दुर्गति से लंबे समय तक जूझता रहा ।" विजयनगर के अध्ययन से मैकेन्ज़ी को यह विश्वास हो गया कि कंपनी, "स्थानीय लोगों के अलग-अलग कबीलों, जो इस समय भी जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा थे, को अब भी प्रभावित करने वाले इनमें से कई संस्थाओं, कानूनों तथा रीति-रिवाज़ों के विषय में बहुत महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ" हासिल कर सकती थी ।

(14.1) भारत का पहला सर्वेयर जनरल कौन था ? उसका भारत में आने का उद्देश्य क्या था ? *1+2=3*

(14.2) विजयनगर साम्राज्य के अध्ययन के पीछे कॉलिन मैकेन्ज़ी का उद्देश्य क्या था ? स्पष्ट कीजिए । *3*

(14.3) मैकेन्ज़ी ने ब्रिटिश प्रशासन के आने से विजयनगर साम्राज्य पर सुप्रभावों का वर्णन किस प्रकार किया है ? स्पष्ट कीजिए । *2*

Read the following extract carefully and answer the question that follow :

The child sati

This is perhaps one of the most poignant descriptions by Bernier :

> At Lahore, I saw a most beautiful young widow sacrificed, who could not, I think, have been more than twelve years of age. The poor little creature appeared more dead than alive when she approached the dreadful pit: the agony of her mind cannot be described; she trembled and wept bitterly; but three or four of the Brahmanas, assisted by an old woman who held her under the arm, forced the unwilling victim toward the fatal spot, seated her on the wood, tied her hands and feet, lest she should run away, and in that situation the innocent creature was burnt alive. I found it difficult to repress my feelings and to prevent their bursting forth into clamorous and unavailing rage ...

(16.1) Why did Bernier consider this treatment as a crucial marker of the difference between western and eastern societies ?

(16.2) What role did the Indian patriarchal society play towards this social evil ?

(16.3) Compare the condition of the women of the era mentioned above to that of today.

17. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

"अंग्रेज़ तो चले गए, मगर जाते-जाते शरारत का बीज बो गए"

सरदार वल्लभ भाई पटेल ने कहा था :

> यह दोहराने का कोई मतलब नहीं है कि हम पृथक निर्वाचिका की माँग इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हमारे लिए यही अच्छा है । यह बात हम बहुत समय से सुन रहे हैं । हम सालों से यह सुन रहे हैं और इसी आंदोलन के कारण अब हम एक विभाजित राष्ट्र हैं ... । क्या आप मुझे एक भी स्वतंत्र देश दिखा सकते हैं जहाँ पृथक निर्वाचिका हो ? अगर आप मुझे दिखा दें तो मैं आपकी बात मान लूँगा । लेकिन अगर इस अभागे देश में विभाजन के बाद भी पृथक निर्वाचिका की व्यवस्था बनाए रखी गई तो यहाँ जीने का कोई मतलब नहीं होगा । इसलिए मैं कहता हूँ कि यह सिर्फ मेरे भले की बात नहीं है बल्कि आपका भला भी इसी में है कि हम अतीत को भूल जाएँ । एक दिन हम एकजुट हो सकते हैं ... । अंग्रेज़ तो चले गए, मगर जाते-जाते शरारत का बीज बो गए हैं । हम इस शरारत को और बढ़ाना नहीं चाहते । (सुनिए, सुनिए) । जब अंग्रेज़ों ने यह

विचार पेश किया था तो उन्होंने यह उम्मीद नहीं की थी कि उन्हें इतनी जल्दी भागना पड़ेगा । उन्होंने तो अपने शासन की सुविधा के लिए यह किया था । खैर, कोई बात नहीं । मगर अब वे अपनी विरासत पीछे छोड़ गए हैं । अब हम इससे बाहर निकलेंगे या नहीं ?

संविधान सभा बहस, खंड 5

(17.1) पृथक निर्वाचिका को एक बुराई क्यों माना गया है ? 2

(17.2) सरदार वल्लभ भाई पटेल द्वारा राजनीतिक एकता और राष्ट्र की स्थापना करने के लिए दिए गए तर्कों का उल्लेख कीजिए । 3

(17.3) पृथक निर्वाचिका की धारणा ने पृथक देश को कैसे अंजाम दिया ? 2

Read the following extract carefully and answer the questions that follow :

"British element is gone but they have left the mischief behind"

Sardar Vallabh Bhai Patel said :

It is no use saying that we ask for separate electorates, because it is good for us. We have heard it long enough. We have heard it for years, and as a result of this agitation we are now a separate nation ... Can you show me one free country where there are separate electorates ? If so, I shall be prepared to accept it. But in this unfortunate country if this separate electorate is going to be persisted in, even after the division of the country, woe betide the country; it is not worth living in. Therefore, I say, it is not for my good alone, it is for your own good that I say it, forget the past. One day, we may be united ... The British element is gone, but they have left the mischief behind. We do not want to perpetuate that mischief. (Hear, hear). When the British introduced this element they had not expected that they will have to go so soon. They wanted it for their easy administration. That is all right. But they have left the legacy behind. Are we to get out of it or not ?

CAD, VOL.V

(17.1) Why are separate electorates considered as a mischief ?

(17.2) State the arguments given by Sardar Vallabh Bhai Patel for building political unity and forging a nation.

(17.3) How did the philosophy of separate electorates result in a separate nation ?

खण्ड ङ
PART E

(मानचित्र प्रश्न / Map Question)

18. (18.1) **भारत** के दिए हुए राजनीतिक रेखा-मानचित्र (पृष्ठ 11 पर), पर निम्नलिखित को उपयुक्त चिह्नों से दर्शाइए तथा उनके नाम लिखिए : *2*

(क) धोलावीरा

(ख) आगरा – मुगलों का राजधानी शहर

(18.2) **भारत** के दिए गए इसी राजनीतिक रेखा-मानचित्र पर, 1857 के विद्रोह से संबंधित तीन केन्द्र A, B और C अंकित किए गए हैं । उन्हें पहचानिए तथा उनके सही नाम उनके समीप खींची गईं रेखाओं पर लिखिए । *3*

(18.1) On the given political outline map of **India** (on Page 11), locate and label the following with appropriate symbols :

(a) Dholavira

(b) Agra – the capital city of Mughals

(18.2) On the same outline map of **India**, three centres related to the Revolt of 1857 have been marked as A, B and C. Identify them and write their correct names on the lines drawn near them.

नोट : *निम्नलिखित प्रश्न **केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों** के लिए प्र. सं. 18 के स्थान पर हैं :*

Note : *The following questions are for **Visually Impaired Candidates only** in lieu of Q. No. 18 :*

(18.1) मुगल साम्राज्य के किन्हीं दो राजधानी शहरों का उल्लेख कीजिए । *2*

(18.2) 1857 के विद्रोह से संबंधित किन्हीं तीन महत्त्वपूर्ण स्थानों का उल्लेख कीजिए । *3*

(18.1) Mention any two capital cities of the Mughal Empire.

(18.2) Mention any three important places related with the Revolt of 1857.

प्रश्न सं. 18.1 और 18.2 के लिए

For question no. 18.1 and 18.2

भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक)
Outline Map of India (Political)

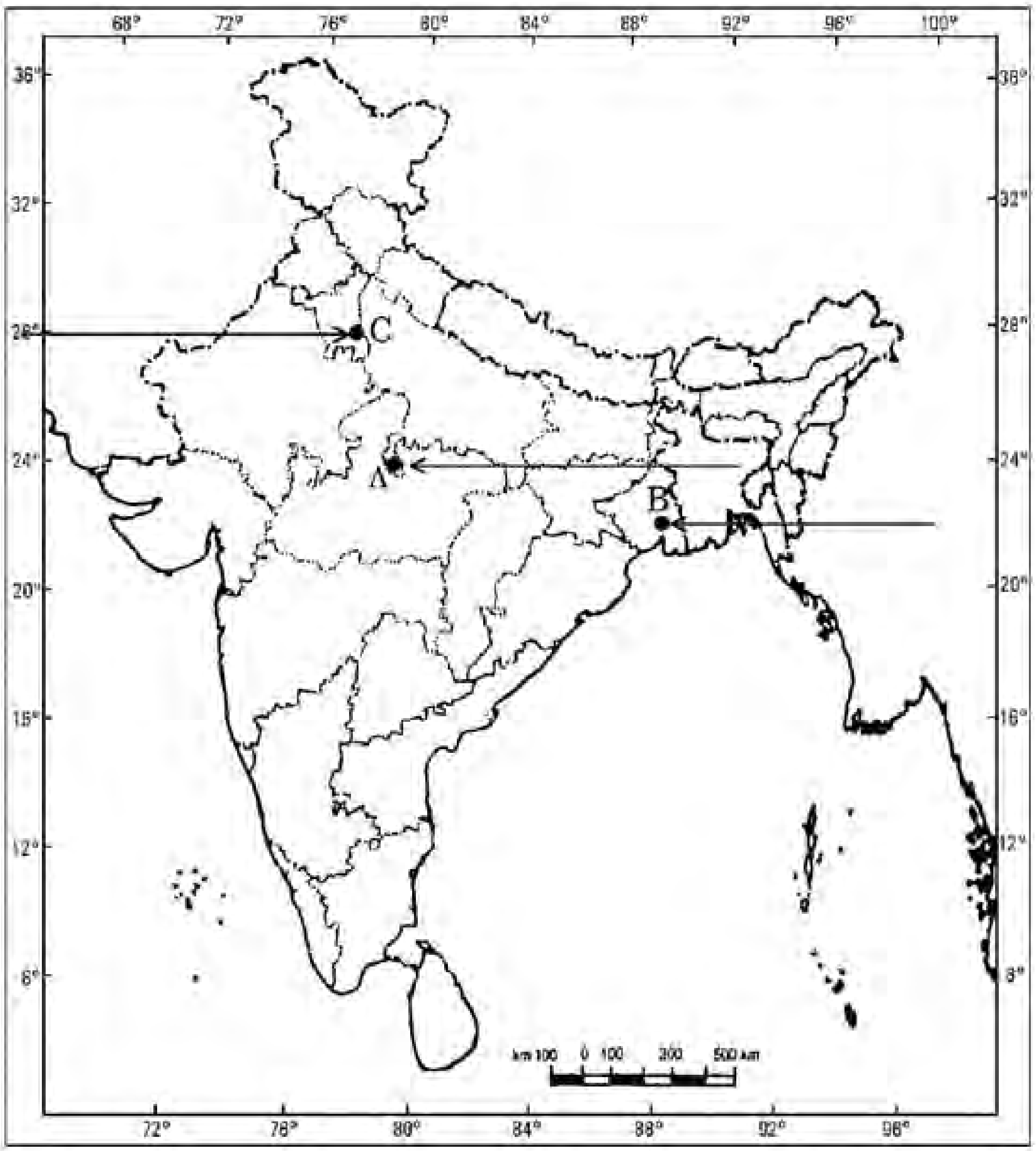

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

SET – 2

Series :SSO/C

कोड नं.
Code No. **61/2**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।
Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **10 + 1** मानचित्र हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।
- Please check that this question paper contains **10** printed pages + **1** Map.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains **18** questions.
- **Please write down the Serial Number of the question before attempting it.**
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

इतिहास

HISTORY

निर्धारित समय : 3 घंटे] *[अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours] *[Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

(i) ***सभी*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।* ***कुछ*** *प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिये गए हैं । प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित किए गए हैं ।*

(ii) *प्रश्न संख्या **1** से **3** **दो** अंक वाले हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **30** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।*

(iii) *प्रश्न संख्या **4** से **9** **चार** अंक वाले हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **100** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए । विद्यार्थियों को इस खण्ड से **केवल पाँच** प्रश्नों को हल करना चाहिए ।*

(iv) *प्रश्न संख्या **10** मूल्य आधारित **प्रश्न** है और **अनिवार्य** है, यह प्रश्न भी **चार** अंक का है ।*

(v) प्रश्न संख्या 11 से 14 आठ अंक वाले हैं । इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 350 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए । विद्यार्थियों को इस खण्ड से किन्हीं तीन प्रश्नों को हल करना चाहिए ।

(vi) प्रश्न संख्या 15 से 17 स्रोत आधारित हैं । इनमें कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है ।

(vii) प्रश्न संख्या 18 मानचित्र सम्बन्धी है, जिसमें लक्षणों को पहचानना तथा महत्त्वपूर्ण मदों को दर्शाना शामिल है । मानचित्र को उत्तर-पुस्तिका के साथ नत्थी कीजिए ।

General Instructions :

*(i) Answer **all** the questions. Some questions have choice. Marks are indicated against each question.*

(ii) Answer to questions no. 1 to 3, carrying 2 marks should not exceed 30 words each.

(iii) Answer to questions no. 4 to 9, carrying 4 marks, should not exceed 100 words each. Students should attempt only 5 questions in this section.

*(iv) Question 10 (for 4 marks) is a value based question and **compulsory**.*

(v) Answer to questions no. 11 to 14, carrying 8 marks should not exceed 350 words each. Students should attempt only 3 questions from this section.

(vi) Questions no. 15 to 17 are source based questions and have no internal choice.

(vii) Map Question 18 includes 'identification' and 'significance' test items. Attach the map with the answer-book.

खण्ड – क

PART – A

निम्नलिखित **सभी** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 × 3 = 6**

Answer **all** questions given below :

1. 'दक्कन दंगा आयोग' का गठन क्यों किया गया था ? स्पष्ट कीजिए । 2

Explain why 'Deccan Riots Commission' was set up.

2. हड़प्पन स्थलों की जल-निकास प्रणाली की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । 2

Mention two features of drainage system of the Harappan cities.

3. अकबर को मुग़ल बादशाहों में महानतम क्यों माना जाता है ? दो कारण लिखिए । 2

Why is Akbar considered to be the greatest of all the Mughal Emperors ? Give two reasons.

खण्ड – ख

PART – B

अनुभाग – I

SECTION – I

निम्नलिखित प्रश्न में से किन्हीं **पाँच** के उत्तर दीजिए : 4 × 5 = 20

Answer any **five** of the following questions :

4. भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण के डायरेक्टर जनरल कनिंघम, हड़प्पा के महत्त्व को समझने में क्यों चूक गए ? स्पष्ट कीजिए । 4

Why did Cunningham as the Director General of Archaeological Survey of India (ASI) miss the significance of Harappa ? Explain.

5. 'महानवमी डिब्बा' से जुड़े अनुष्ठानों (धार्मिक रीति-रिवाजों) के महत्त्व की परख कीजिए । 4

Examine the significance of rituals associated with 'Mahanavami Dibba'.

6. "शास्त्रों के अनुसार केवल क्षत्रिय राजा हो सकते थे ।" यह बात सार्वभौमिक रूप से स्वीकार्य नहीं थी, यह सिद्ध करने के लिए प्रमाण प्रस्तुत कीजिए । 4

"According to shastras only Kashatriyas could be the Kings." Provide evidence to prove that this was not universally followed.

7. फतेहपुर सीकरी के इबादत खाने में की गई धार्मिक चर्चाओं का अकबर के धार्मिक दर्शन पर पड़े प्रभाव की व्याख्या कीजिए । 4

Explain the value of interfaith debates which were held in Ibadat Khana at Fatehpur Sikri to shape the religious philosophy of Akbar.

8. भारत की संविधान सभा के दमित वर्ग के विषय में सुरक्षा देने के लिए दिए गए सुझावों को परख कीजिए । 4

Examine the recommendations of the Constituent Assembly of India regarding the protection to be given to the depressed castes.

9. भारत के विभाजन के कारणों को स्पष्ट कीजिए । 4

Explain the causes that led to the partition of India.

अनुभाग – II
SECTION – II
मूल्य आधारित प्रश्न (अनिवार्य)
Value based Question (Compulsory)

10. "शताब्दियों से मीराबाई प्रेरणा का स्रोत रही हैं ।" मीराबाई की सामाजिक-धार्मिक विचारधारा से, जिन नैतिक मूल्यों को आपने सीखा है, उनका वर्णन कीजिए । 4

"Mirabai has been recognized as a source of inspiration for centuries." Identify the moral values that you have learnt from her socio-religious ideology.

खण्ड – घ

PART – D

(स्रोत आधारित प्रश्न) (Source Based Questions) **7 × 3 = 21**

15. निम्नलिखित उद्धरण को सावधानीपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

विद्रोही ग्रामीण

ग्रामीण अवध क्षेत्र से रिपोर्ट भेजने वाले एक अफ़सर ने लिखा :

अवध के लोग उत्तर से जोड़ने वाली संचार लाइन पर ज़ोर बना रहे हैं... । अवध के लोग गाँव वाले हैं... । ये गाँव वाले यूरोपियों की पकड़ से बिलकुल बाहर हैं । पल में बिखर जाते हैं, पल में फिर जुट जाते हैं । शासकीय अधिकारियों का कहना है कि इन गाँव वालों की संख्या बहुत बड़ी है और उनके पास बाकायदा बंदूकें हैं ।

(15.1) विद्रोहियों से निपटने के लिए अंग्रेजों के समक्ष आई समस्याओं का वर्णन कीजिए । 2

(15.2) 1857 के विद्रोह में अवध की भूमिका का विश्लेषण कीजिए । 2

(15.3) अवध में विद्रोह के दमन के लिए अंग्रेजों ने क्या-क्या उपाय किए थे ? 3

Read the following excerpt carefully and answer the questions that follow :

Villagers as rebels

An officer reporting from rural Awadh (spelt as Oude in the following account) noted :

The Oude people are gradually pressing down on the line of communication from the North … the Oude people are villagers … these villagers are nearly intangible to Europeans melting away before them and collecting again. The Civil Authorities report these villagers to amount to a very large number of men, with a number of guns.

(15.1) Outline the problems faced by the Britishers in dealing with the rebels.

(15.2) Analyse the role of Awadh in the revolt of 1857.

(15.3) What measures were taken by the British to suppress the rebellion in Awadh ?

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

16. निम्नलिखित उद्धरण को सावधानीपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

अग्नि की प्रार्थना

यहाँ पर ऋग्वेद से लिए गए दो छंद हैं जिनमें अग्निदेव का आह्वान किया गया है

हे शक्तिशाली देव, आप हमारी आहुति देवताओं तक ले जाएँ । हे बुद्धिमंत, आप तो सबके दाता हैं । हे पुरोहित, हमें खूब सारे खाद्य पदार्थ दें ।

हे अग्नि यज्ञ के द्वारा हमारे लिए प्रचुर धन ला दें । हे अग्नि, जो आपकी प्रार्थना करता है उसके लिए आप सदा के लिए पुष्टिवर्धक अद्‌भुत गाय ला दें । हमें एक पुत्र मिले जो हमारे वंश को आगे बढ़ाए

इस तरह के छंद एक खास तरह की संस्कृत में रचे गए थे जिसे वैदिक संस्कृत कहा जाता था । ये स्रोत पुरोहित परिवारों के लोगों को मौखिक रूप में सिखाए जाते थे ।

(16.1) ऋग्वेद किसे कहते हैं ? 2

(16.2) वैदिक काल में बलि देने की परम्परा के उद्देश्यों को स्पष्ट कीजिए । 2

(16.3) "ऋग्वेद में विभिन्न देवी-देवताओं की प्रशंसा में भजन शामिल है ।" विवरण दीजिए । 3

Read the following excerpt carefully and answer the questions that follow :

A Prayer to Agni

Here are two verses from the *Rigveda* invoking Agni, the god of fire, often identified with the sacrificial fire, into which offerings were made so as to reach the other deities :

Bring, O strong one, this sacrifice of ours to the gods, O wise one, as a liberal giver. Bestow on us, O priest, abundant food.

Agni, obtain, by sacrificing, mighty wealth for us. Procure, O Agni, for ever to him who prays to you (the gift of) nourishment, the wonderful cow. May a son be ours, offspring that continues our line ...

Verses such as these were composed in a special kind of Sanskrit, known as Vedic Sanskrit. They were taught orally to men belonging to priestly families.

(16.1) What is the 'Rigveda' ?

(16.2) Outline the objectives of the sacrificial traditions prevailing during vedic age.

(16.3) "The Rigveda consists of hymns in praise of a variety of deities." Elaborate.

17. निम्नलिखित उद्धरण को सावधानीपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

पहाड़ी कबीलों और मैदानों के बीच व्यापार, लगभग 1595

अवध सूबे (आज के उत्तर प्रदेश का हिस्सा) के मैदानी इलाकों और पहाड़ी कबीलों के बीच होने वाले लेन-देन के बारे में अबुल फ़ज़्ल ने कुछ इस तरह लिखा है :

उत्तर के पहाड़ों से इंसानों, मोटे-मोटे घोड़ों और बकरों की पीठ पर लादकर बेशुमार सामान ले जाए जाते हैं, जैसे कि सोना, ताँबा, शीशा, कस्तूरी, सुरागाय (याक) की पूँछ, शहद, चूक (संतरे के रस और नींबू के रस को साथ उबालकर बनाया जाने वाला एक अम्ल), अनार दाना, अदरख, लंबी मिर्च, मजीठ (जिससे लाल रंग बनाया जाता है) की जड़ें, सुहागा, ज़दवार (हल्दी जैसी एक जड़), मोम, ऊनी कपड़े, लकड़ी के सामान, चील, बाज़, काले बाज़, मर्लिन (बाज़ पक्षी की ही एक किस्म) और अन्य वस्तुएँ । इसके बदले, वे सफ़ेद और रंगीन कपड़े, कहरुवा (एक पीला-भूरा धातु जिससे गहने बनाए जाते थे), नमक, हींग, गहने और शीशे व मिट्टी के बरतन वापिस ले जाते हैं ।

(17.1) मैदानी और पर्वतीय क्षेत्रों के लोगों के बीच आदान-प्रदान की जाने वाली किन्हीं चार वस्तुओं के नाम लिखिए । 2

(17.2) व्यापार की वस्तुओं को लाने-ले जाने के लिए यातायात के किन साधनों का उपयोग किया जाता था ? 2

(17.3) मुग़ल काल में जंगल निवासियों पर वाणिज्यिक कृषि के पड़े प्रभाव का वर्णन कीजिए । 3

Read the following excerpt carefully and answer the questions that follow :

Trade between the hill tribes and the plains, c. 1595

This is how Abu'l Fazl describes the transactions between the hill tribes and the plains in the *suba* of Awadh (part of present-day Uttar Pradesh) :

From the northern mountains quantities of goods are carried on the backs of men, of stout ponies and of goats, such as gold, copper, lead, musk, tails of the *kutas* cow (the yak), honey, *chuk* (an acid composed of orange juice and lemon boiled together), pomegranate seed, ginger, long pepper, *majith* (a plant producing a red dye) root, borax, zedoary (a root resembling turmeric), wax, woolen stuffs, woodenware, hawks, falcons, black falcons, merlins (a kind of bird), and other articles. In exchange they

61/2 8

नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों** के लिए प्र.सं. **18** के स्थान पर है :

(18.1) उस स्थान का नाम लिखिए जो गुजरात में भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन से जुड़ा था । 1

(18.2) पश्चिम बंगाल के उस स्थान का नाम लिखिए जो 1857 में अंग्रेजों के अधिकार क्षेत्र में था । 1

(18.3-18.5) भारत के किन्हीं तीन बौद्ध स्थलों के नाम लिखिए । 3

Note : The following questions are for the **visually impaired candidates** only, in lieu of Q. No. **18**.

(18.1) Name a place in Gujarat associated with Indian National Movement.

(18.2) Name any place in West Bengal which was under the control of British in 1857.

(18.3-18.5) Name any three Buddhist sites in India:

खण्ड ङ

PART E

(मानचित्र प्रश्न / Map Question)

18. (18.1) भारत के दिए हुए राजनीतिक रेखा-मानचित्र (पृष्ठ 11 पर), पर निम्नलिखित को उपयुक्त चिह्नों से दर्शाइए तथा उनके नाम लिखिए : 2

(क) लोथल

(ख) दाड़ी

(18.2) भारत के दिए गए इसी राजनीतिक रेखा-मानचित्र पर, बौद्ध धर्म से संबंधित तीन केन्द्र A, B और C अंकित किए गए हैं । उन्हें पहचानिए तथा उनके सही नाम उनके समीप खींची गई रेखाओं पर लिखिए । 3

(18.1) On the given political outline map of **India** (on Page 11), locate and label the following with appropriate symbols :

(a) **Lothal**

(b) **Dandi**

(18.2) On the same outline map of **India**, three centres related **Buddhism** have been marked as A, B and C. Identify them and write their correct names on the lines drawn near them.

नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्र. सं. 18 के स्थान पर हैं :

Note : *The following questions are for* ***Visually Impaired Candidates only*** *in lieu of Q. No. 18 :*

(18.1) मुगल साम्राज्य के किन्हीं दो राजधानी शहरों का उल्लेख कीजिए । 2

(18.2) 1857 के विद्रोह से संबंधित किन्हीं तीन महत्त्वपूर्ण स्थानों का उल्लेख कीजिए । 3

(18.1) Mention any two capital cities of the Mughal Empire.

(18.2) Mention any three important places related with the Revolt of 1857.

प्रश्न सं. 18.1 और 18.2 के लिए

For question no. 18.1 and 18.2

भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक)

Outline Map of India (Political)

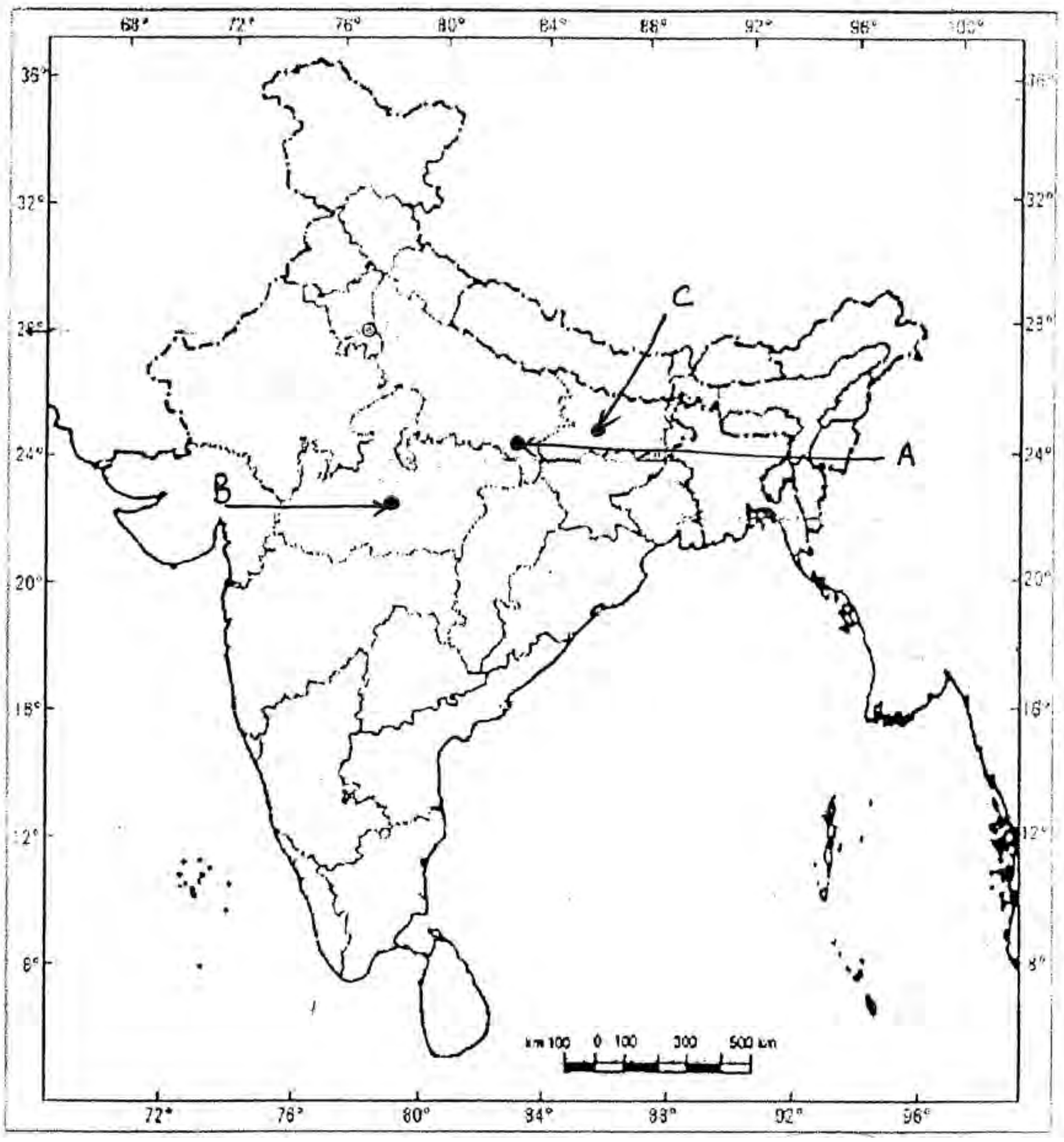

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

SET – 1

Series :SSO/1/C

कोड नं.
Code No. **61/1/1**

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।
Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **10 + 1** मानचित्र हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।
- Please check that this question paper contains **10** printed pages + 1 Map.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains **18** questions.
- **Please write down the Serial Number of the question before attempting it.**
- 15 minutes time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

इतिहास

HISTORY

निर्धारित समय : 3 घंटे] *[अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours] *[Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

(i) सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए । कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिये गए हैं । प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित किए गए हैं ।

(ii) प्रश्न संख्या 1 से 3 दो अंक वाले हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 30 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।

(iii) प्रश्न संख्या 4 से 9 चार अंक वाले हैं । इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए । परीक्षार्थियों को इस खण्ड से किन्हीं पाँच प्रश्नों को हल करना चाहिए ।

(iv) प्रश्न संख्या 10 मूल्य आधारित प्रश्न है और अनिवार्य है, यह प्रश्न भी चार अंक का है ।

(v) प्रश्न संख्या 11 से 14 आठ अंक वाले हैं । इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 350 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए । विद्यार्थियों को इस खण्ड से किन्हीं तीन प्रश्नों को हल करना चाहिए ।

(vi) प्रश्न संख्या 15 से 17 स्रोत आधारित हैं । इनमें कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है ।

(vii) प्रश्न संख्या 18 मानचित्र सम्बन्धी है, जिसमें लक्षणों को पहचानना तथा महत्वपूर्ण पदों को दर्शाना शामिल है । मानचित्र को उत्तर-पुस्तिका के साथ नत्थी कीजिए ।

General Instructions :

*(i) Answer **all** the questions. Some questions have choice. Marks are indicated against each question.*

*(ii) Answer to questions no. 1 to 3, carrying **2** marks should not exceed **30** words each.*

*(iii) Answer to questions no. **4** to **9**, carrying **4** marks, should not exceed **100** words each. Students should attempt only **5** questions in this section.*

*(iv) Question **10** (for **4** marks) is a value based question and **compulsory**.*

*(v) Answer to questions no. **11** to **14**, carrying **8** marks should not exceed **350** words each. Students should attempt only **3** questions from this section.*

*(vi) Questions no. **15** to **17** are source based questions and have no internal choice.*

*(vii) Map Question **18** includes 'identification' and 'significance' test items. Attach the map with the answer-book.*

खण्ड – क

PART – A

निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 × 3 = 6**

Answer **all** questions given below :

1. 'दक्कन दंगा आयोग' का गठन क्यों किया गया था ? स्पष्ट कीजिए । **2**

Explain why 'Deccan Riots Commission' was set up.

61/2 **2**

2. अबुल फज़्ल कौन था ? उसका प्रमुख योगदान क्या है ? 2

Who was Ab'ul Fazal ? What is his major contribution ?

3. 1940 का पाकिस्तान का प्रस्ताव अस्पष्ट क्यों था ? कोई दो कारण लिखिए । 2

Why was Pakistan resolution of 1940 considered ambiguous ? Give any two reasons.

खण्ड – ख

PART – B

अनुभाग – I

SECTION – I

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के उत्तर दीजिए : $4 \times 5 = 20$

Answer any **five** of the following questions :

4. हड़प्पा निवासियों द्वारा अपनाई गई कृषि प्रौद्योगिकीयों का वर्णन कीजिए । 4

Describe the agricultural technologies followed by the Harappans.

5. ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत 600 तक पौराणिक हिन्दू धर्म के उदय को स्पष्ट कीजिए । 4

Explain the growth of Puranic Hinduism from 600 BCE to 600 CE.

6. "जमीन से मिलने वाला राजस्व मुग़ल साम्राज्य की आर्थिक बुनियाद थी ।" इस कथन की परख कीजिए । 4

"Land revenue was the economic mainstay of the Mughal Empire." Examine the statement.

7. "सुलह-ए-कुल (पूर्ण शान्ति) के आदर्श प्रबुद्ध शासन की आधारशिला है ।" ऊपर दिए गए कथन के संदर्भ में अकबर की सुलह-ए-कुल की नीति का मूल्यांकन कीजिए । 4

"The ideal of Sulh-i-kul was the corner stone of enlightened rule." In the light of the above statement, make an assessment of the Akbar's policy of Sulh-i-kul.

12. कृष्णदेव राय अपने साम्राज्य विजयनगर के विस्तार और दृढ़ीकरण करने में किस प्रकार समर्थ हुआ था ? स्पष्ट कीजिए । कृष्णदेव राय की मृत्यु के पश्चात् विजयनगर के पतन के कारणों की व्याख्या कीजिए । 4 + 4 = 8

Explain how Krishanadeva Raya was able to expand and consolidate his empire of Vijayanagara ? Explain the causes of the decline of Vijaynagara after his death.

13. अठारहवीं सदी के दौरान बंगाल के ज़मींदार कम्पनी को नियमित रूप से राजस्व का भुगतान क्यों नहीं कर पाये ? इससे जोतेदार किस प्रकार सशक्त हुए ? स्पष्ट कीजिए । 4 + 4 = 8

Why did Zamindars of Bengal fail to pay regular revenue to the company during 18th century ? How did this enhance the power of Jotedars ? Explain.

14. 1857 के दौरान विद्रोहों के बीच एकता बनाए रखने के लिए क्या-क्या उपाय किए गए थे ? विद्रोह को दबाने के लिए अंग्रेज़ों ने किस प्रकार प्रयास किए ? स्पष्ट कीजिए । 4 + 4 = 8

What measures were taken to keep the unity among the rebels during 1857 ? How did the British try to suppress the rebellion ? Explain.

खण्ड – घ

PART – D

(स्रोत आधारित प्रश्न)

(Source Based Questions) $3 \times 7 = 21$

15. निम्नलिखित उद्धरण को सावधानीपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

समुद्रगुप्त की प्रशस्ति

यह प्रयाग प्रशस्ति का एक अंश है :

धरती पर उनका कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं था । अनेक गुणों और शुभकार्यों से संपन्न उन्होंने अपने पैर के तलवे से अन्य राजाओं के यश को मिटा दिया है । वे परमात्मा पुरुष हैं, साधु (भले) की समृद्धि और असाधु (बुरे) के विनाश के कारण हैं । वे अज्ञेय हैं । उनके कोमल हृदय को भक्ति और विनय से ही वश में किया जा सकता है । वे करुणा से भरे हुए हैं । वे अनेक सहस्र गायों के दाता हैं । उनके मस्तिष्क की दीक्षा दीन-दुखियों, विरहणियों और पीड़ितों के उद्धार के लिए की गई है । वे मानवता के लिए दिव्यमान उदारता की प्रतिमूर्ति हैं । वे देवताओं में कुबेर (धन-देव), वरुण (समुद्र-देव), इंद्र (वर्षा के देवता) और यम (मृत्यु-देव) के तुल्य हैं ।

(15.1) प्रशस्ति का अर्थ लिखिए ।

(15.2) 'समुद्रगुप्त की तुलना देवताओं से की जाती है ।' तुलना को न्यायसंगत ठहराइए ।

(15.3) गुप्त शासकों के इतिहास की पुन:रचना करने वाले दो स्रोतों के नाम लिखिए । (1 + 4 + 2) = 7

Read the following excerpt carefully and answer the questions that follow :

In Praise of Samudragupta

This is an excerpt from the *Prayaga Prashasti* :

He was without an antagonist on earth; he, by the overflowing of the multitude of (his) many good qualities adorned by hundreds of good actions, has wiped off the fame of other kings with the soles of (his) feet; (he is) *Purusha* (the Supreme Being), being the cause of the prosperity of the good and the destruction of the bad (he is) incomprehensible; (he is) one whose tender heart can be captured only by devotion and humility; (he is) possessed of compassion ; (he is) the giver of many hundred-thousands of cows; (his) mind has received ceremonial initiation for the uplift of the miserable, the poor, the forlorn and the suffering; (he is) resplendent and embodied kindness to mankind; (he is) equal to (the gods) Kubera (the god of wealth), Varuna (the god of the ocean), Indra (the god of rains) and Yama (the god of death)....

(15.1) Give the meaning of Prashasti.

(15.2) 'Samudragupta is compared to gods.' Justify the comparison.

(15.3) Name two sources used to reconstruct the history of Gupta rulers.

16. निम्नलिखित उद्धरण को सावधानीपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

मुगल शहज़ादी जहाँआरा की तीर्थयात्रा 1643

निम्नलिखित गद्यांश जहाँआरा द्वारा रचित शेख मुइनुद्दीन चिश्ती की जीवनी *मुनिस-अल-अरवाह* (यानी आत्मा का विश्वस्त) से लिया गया है ।

अल्लाहताला की तारीफ़ के बाद ..... यह फकीरा जहाँआरा.... राजधानी आगरा से अपने पिता (बादशाह शाहजहाँ) के संग पाक और बेजोड़ अजमेर के लिए निकली... मैं इस बात के लिए वायदापरस्त थी कि हर रोज़ और हर मुकाम पर मैं दो बार की अख़्तियारी नमाज़ अदा करूँगी.... बहुत दिन.... मैं रात को बाघ के चमड़े पर नहीं सोई और अपने पैर मुकद्दस दरगाह की तरफ नहीं फैलाए, न ही मैंने अपनी पीठ उनकी तरफ की । मैं पेड़ के नीचे दिन गुज़ारती थी ।

वीरवार को रमज़ान के मुकद्दस महीने के चौथे रोज़ मुझे चिराग और इतर में डूबे दरगाह की ज़ियारत की खुशी हासिल हुई... चूँकि दिन की रोशनी की एक छड़ी बाकी थी मैं दरगाह के भीतर गई और अपने जर्द चेहरे को उसकी चौखट की धूल से रगड़ा । दरवाज़े से मुकद्दस दरगाह तक मैं नंगे पाँव वहाँ की ज़मीन को चूमती हुई गई । गुम्बद के भीतर रोशनी से भरी दरगाह में मैंने मज़ार के चारों ओर सात फेरे लिए । आख़िर में अपने हाथों से मुकद्दस दरगाह पर मैंने सबसे उम्दा इतर छिड़का । चूँकि गुलाबी दुपट्टा जो मेरे सिर पर था, मैं उतार चुकी थी इसलिए उसे मैंने मुकद्दस मज़ार के ऊपर रखा ।...

(16.1) ज़ियारत का अर्थ लिखिए ।

(16.2) जहाँआरा ने शेख मुइनुद्दीन चिश्ती के प्रति किस प्रकार अपनी भक्ति प्रदर्शित की ? उदाहरण दीजिए।

(16.3) ख़्वाजा मुइनुद्दीन की दरगाह भक्तजनों में लोकप्रिय क्यों थी ? **1 + 4 + 2 = 7**

Read the following excerpt carefully and answer the questions that follow :

The Pilgrimage of the Mughal Princess Jahanara, 1643

The following is an excerpt from Jahanara's biography of Shaikh Muinuddin Chisti, titled *Munis al Arwah* (The Confident of Spirits) :

After praising the one God…. this lowly *faqira* (humble soul) Jahanara… went from the capital Agra in the company of my great father (Emperor Shah Jahan) towards the pure region of incomparable Ajmer… I was committed to this idea, that every day in every station I would perform two cycles of optional prayer…

For several days…. I did not sleep on a leopard skin at night, I did not extent my feet in the direction of the blessed sanctuary of the revered saving master, and I did not turn my back towards him. I passed the days beneath the trees.

On Thursday, the fourth of the blessed month of Ramzan, I attained the happiness of pilgrimage to the illuminated and the perfumed tomb… With an hour of daylight remaining, I went to the holy sanctuary and rubbed my pale face with the dust of that threshold. From the doorway to the blessed tomb I went barefoot, kissing the ground. Having entered the dome, I went around the light-filled tomb of my master seven times ….Finally, with my own hand I put the finest quality of *itar* on the perfumed tomb of the revered one, and having taken off the rose scarf that I had on my head, I placed it on the top of the blessed tomb.

(16.1) Give the meaning of Ziyarat.

(16.2) How did Jahanara show her devotion to Shaikh Muinuddin Chisti ? Give examples.

(16.3) Why was dargah of Khwaja Muinuddin popular amongst devotees ?

17. निम्नलिखित उद्धरण को सावधानीपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

चमत्कारिक व अविश्वसनीय

संयुक्त प्रांत के स्थानीय समाचार-पत्रों में उस समय फैली कई अफवाहें दर्ज हैं । ये अफवाहें थी कि जिस किसी भी व्यक्ति ने महात्मा की शक्ति को परखना चाहा उसे अचंभा हुआ :

1 बस्ती गाँव के सिकंदर साहू ने 15 फरवरी को कहा कि वह महात्मा जी में तब विश्वास करेगा जब उसके कारखाने (जहाँ गुड़ का उत्पादन होता था) में गन्ने के रस से भरा कड़ाहा (उबलता हुआ) दो भाग में टूट जाएगा । तुरंत ही कड़ाहा वास्तव में बीच में से दो हिस्सों में टूट गया ।

2 आजमगढ़ के एक किसान ने कहा कि वह महात्मा जी की प्रामाणिकता में तब विश्वास करेगा जब उसके खेत में लगाए गए गेहूँ तिल में बदल जाएँ । अगले दिन उस खेत का सारा गेहूँ तिल बन गया ।

(17.1) गांधीजी भारतीय किसानों के लिए किस प्रकार उद्धारक के रूप में दिखाई दिए ?

(17.2) अफवाहें फैलाने में स्थानीय समाचार-पत्रों की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए ।

(17.3) सिकंदर साहू की परख ने महात्मा गांधीजी की चमत्कारिक शक्तियों को किस प्रकार सिद्ध किया ? 3 + 2 + 2 = 7

61/1/1 8

Read the following excerpt carefully and answer the questions that follow :

The Miraculous and the Unbelievable

Local newspapers in the United Provinces recorded many of the rumours that circulated at that time. There were rumours that every person who wanted to test the power of the Mahatma had been surprised.

1. Sikandar Sahu from a village in Basti said on 15th February that he would believe in the Mahatmaji when the *karah* (boiling pan) full of sugarcane juice in his *karkhana* (where gur was produced) split into two. Immediately the *karah* actually split into two from the middle.

2. A cultivator in Azamgarh said that he would believe in the Mahatmaji's authenticity if sesamum sprouted on his field planted with wheat. Next day all the wheat in that field became sesamum.

(17.1) Why did Gandhiji appear as saviour to the Indian peasants ?

(17.2) Assess the role of local Newspapers in the spreading of rumours.

(17.3) How did the test of Sikandar Sahu prove Mahatma Gandhiji's miraculous power ?

खण्ड – ङ

PART – E

मानचित्र प्रश्न / Map Question

18. (18.1) भारत के दिए गए राजनीतिक रेखा-मानचित्र पर निम्नलिखित को उपयुक्त चिह्नों से दर्शाइए और उनके नाम लिखिए : **2**

(a) आज़मगढ़ – 1857 के विद्रोह का केन्द्र

(b) सूरत – 1857 में ब्रिटिश नियंत्रण के अन्तर्गत एक नगर

(18.2) इसी मानचित्र में विकसित हड़प्पन स्थलों के तीन स्थान 1, 2 और 3 के रूप में अंकित किए गए हैं । इनको पहचानिए और उनके निकट खींची गई रेखाओं पर उनके नाम लिखिए । **3**

नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों** के लिए प्रश्न संख्या **18** के स्थान पर है :

(18.1) उत्तर प्रदेश में 1857 के विद्रोह के किसी एक केन्द्र का नाम लिखिए । 1

(18.2) 1857 में ब्रिटिश शासन के अधीन गुजरात में स्थित एक महत्त्वपूर्ण नगर का नाम लिखिए । 1

(18.3 से 18.5) विकसित हड़प्पन स्थलों में से किन्हीं तीन स्थानों के नाम लिखिए । 3

18.1 On the given political outline map of India locate and label the following with appropriate symbols :

(A) Azamgarh – the centre of revolt of 1857

(B) Surat – a town under British control in 1857.

18.2 On the same map three places of Mature Harappan sites are marked as A, B and C. Identify them and write their names on the lines drawn near them.

Note : The following questions are for the **visually impaired candidates** in lieu of Q. No. 18.

18.1 Name any one centre of the revolt of 1857 in Uttar Pradesh.

18.2 Name an important town in Gujarat which was under British control in 1857.

18.3 to 18.5 : Name any three places of Mature Harappan sites.

प्रश्न सं. 18 के लिए मानचित्र
Map for Q. No. 18

Outline Map of India (Political)
भारत का रेखा - मानचित्र (राजनीतिक)

Cut Here ---- यहाँ से काटें ---- Cut Here ---- यहाँ से काटें

61/1/1

Frequently Asked Questions on Maps :

Note: - For Map questions see all the maps given in your text books

1- रेखा मानचित्र में निम्नलिखित को अंकित कीजिए और उनके नाम लिखिए ।
On the given political outline map of India locate and label the following -
हड़प्पा, मोहनजोदड़ो, लोथल, नागेश्वर, बालाकोट, कालीबंगा, धौलावीरा ।
Harappa, Mohen Jodaro, Lothal, Nageshwar, BalaKot, Dholavira, Kalibangan,

2- भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित को अंकित कीजिए और उनके नाम लिखिए ।
On the given political outline map of India locate and label the following -
कुरू, मगध, कोशल, अवन्ति, पांचाल, काशी।
Kuru, Magadha, Koshal, Avanti, Panchal, Kashi.

3- भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित को अंकित करो और उनके नाम लिखो ।
On the given political outline map of India locate and label the following -
सॉची, सारनाथ, लुम्बिनी, बोधगया, कुषीनारा ।
Sanchi, Sarnath, Lumbini, Bodhgaya, Kushinara.

4- भारत के दिये गए रेखा मानचित्र में निम्नलिखित को अंकित कीजिए और उनके नाम लिखिए ।
On the given political outline map of India locate and label the following -
आगरा, दिल्ली, लाहौर, लखनऊ, अमृतसर, कलकत्ता, मुम्बई, मद्रास ।
Agra, Delhi, Lahore. Amritsar, Calcutta, Mumbai, Madras, Lucknow.

5- भारत के दिये गए रेखा मानचित्र में निम्नलिखित को अंकित कीजिए और नाम लिखिए (1857 के विद्रोह के केन्द्र)
On the given political outline map of India locate and label the following - (Centers of the revolt of 1857)
ग्वालियर, दिल्ली, लखनऊ, झॉसी, बरेली, मेरठ, कानपुर, सतारा, बैरकपुर ।
Lucknow, Kanpur, Jhansi, Gwalior, Meerut, Bareli, Delhi, Barak-pore, Satara.

6- भारत के दिये गये रेखा मानचित्र में निम्नलिखित को दिखाओ और अंकित करो ।
On the given political outline map of India locate and label the following -
लाहौर, लखनऊ, चौरीचौरा, चम्पारन, डांडी, बम्बई, सूरत, खेड़ा, कलकत्ता ।
Lahore, Champaran, Chauri-Chaura, Dandi, Mumbai, Surat, Kheda, Calcutta.

IMPORTANT TIPES FOR EXAMINATION

1. Attempt all the questions given in question paper.
2. Time management should be applied during the Exam.
3. Focus on proper Map Practice.
4. Summarise each lesson in your own words.
5. Memorise the questions through writing.
6. Attempt the scoring questions carrying 2 marks and source based questions carrying 7 marks.
7. Read each lesson of your NCERT Text Book.
8. Go through the last five years CBSE Question Papers/Model Papers.
9. Regular Study is must and important.
10. Make notes of long answer questions.
11. Discuss your difficult area with your Subject Teachers.
12. Answer your questions within given word limit.
13. Understand and write the meaning of difficult terms.
14. Prepare your lessons in partsnot as a whole.
15. Give your answers according the order of the questions.
16. Prepare your own notes.
17. Apply various methods to learnand opt the way you get easy to learn.